Holy Bible

Aionian **Edition**®

सुतंतर समकालीन छत्तीसगढ़ी अनुवाद

Chhattisgarhi Bible

Gospel Primer

Table of Contents

Preface
Genesis 1-4
John 1-21
Revelation 19-22
66 Verses
Reader's Guide
Glossary
Maps
History
Destiny
Illustrations, Doré

Welcome to the *Gospel Primer*. The Aionian Bible invites you to review popular Christian understanding. Is it possible that the most well-known verse in the Bible is mistranslated, John 3:16? Are the destinies of Heaven and Hell really the whole story? And are misunderstandings of this magnitude even possible? First, know that the Aionian Bible does not abandon Christian heritage. We have much to learn from godly people throughout all ages. Yet, this booklet is a new primer to the truly good news of Jesus Christ, the savior of all mankind.

Holy Bible Aionian Edition ®

सुतंतर समकालीन छत्तीसगढ़ी अनुवाद

Chhattisgarhi Bible
Gospel Primer

Creative Commons Attribution ShareAlike 4.0 International, 2018-2025
Source text: eBible.org
Source version: 5/9/2025
Source copyright: Creative Commons Attribution ShareAlike 4.0
Biblica, Inc., 2012, 2016, 2021, 2024

Formatted by Speedata Publisher 5.1.9 (Pro) on 6/2/2025
100% Free to Copy and Print
TOR Anonymously
https://AionianBible.org

Published by Nainoia Inc, https://Nainoia-Inc.signedon.net
All profits are given to https://CoolCup.org

We pray for a modern Creative Commons translation in every language
Translator resources at https://AionianBible.org/Third-Party-Publisher-Resources
Report content and format concerns to Nainoia Inc
Volunteer help is welcome and appreciated!

Preface

छत्तीसगढी at AionianBible.org/Preface

The *Holy Bible Aionian Edition* ® is the world's first Bible *un-translation*! What is an *un-translation*? Bibles are translated into each of our languages from the original Hebrew, Aramaic, and Koine Greek. Occasionally, the best word translation cannot be found and these words are transliterated letter by letter. Four well known transliterations are *Christ*, *baptism*, *angel*, and *apostle*. The meaning is then preserved more accurately through context and a dictionary. The Aionian Bible un-translates and instead transliterates eleven additional Aionian Glossary words to help us better understand God's love for individuals and all mankind, and the nature of afterlife destinies.

The first three words are *aiōn*, *aiōnios*, and *aïdios*, typically translated as *eternal* and also *world* or *eon*. The Aionian Bible is named after an alternative spelling of *aiōnios*. Consider that researchers question if *aiōn* and *aiōnios* actually mean *eternal*. Translating *aiōn* as *eternal* in Matthew 28:20 makes no sense, as all agree. The Greek word for *eternal* is *aïdios*, used in Romans 1:20 about God and in Jude 6 about demon imprisonment. Yet what about *aiōnios* in John 3:16? Certainly we do not question whether salvation is eternal! However, *aiōnios* means something much more wonderful than infinite time! Ancient Greeks used *aiōn* to mean *eon* or *age*. They also used the adjective *aiōnios* to mean *entirety*, such as *complete* or even *consummate*, but never infinite time. Read Dr. Heleen Keizer and Ramelli and Konstan for proofs. So *aiōnios* is the perfect description of God's Word which has *everything* we need for life and godliness! And the *aiōnios* life promised in John 3:16 is not simply a ticket to eternal life in the future, but the invitation through faith to the *consummate* life beginning now!

The next seven words are *Sheol*, *Hadēs*, *Geenna*, *Tartaroō*, *Abyssos*, and *Limnē Pyr*. These words are often translated as *Hell*, the place of eternal punishment. However, *Hell* is ill-defined when compared with the Hebrew and Greek. For example, *Sheol* is the abode of deceased believers and unbelievers and should never be translated as *Hell*. *Hadēs* is a temporary place of punishment, Revelation 20:13-14. *Geenna* is the Valley of Hinnom, Jerusalem's refuse dump, a temporal judgment for sin. *Tartaroō* is a prison for demons, mentioned once in 2 Peter 2:4. *Abyssos* is a temporary prison for the Beast and Satan. Translators are also inconsistent because *Hell* is used by the King James Version 54 times, the New International Version 14 times, and the World English Bible zero times. Finally, *Limnē Pyr* is the Lake of Fire, yet Matthew 25:41 explains that these fires are prepared for the Devil and his angels. So there is reason to review our conclusions about the destinies of redeemed mankind and fallen angels.

The eleventh word, *eleēsē*, reveals the grand conclusion of grace in Romans 11:32. Please understand these eleven words. The original translation is unaltered and a highlighted note is added to 64 Old Testament and 200 New Testament verses. To help parallel study and Strong's Concordance use, apocryphal text is removed and most variant verse numbering is mapped to the English standard. We thank our sources at eBible.org, Crosswire.org, unbound.Biola.edu, Bible4u.net, and NHEB.net. The Aionian Bible is copyrighted with creativecommons.org/licenses/by/4.0, allowing 100% freedom to copy and print, if respecting source copyrights. Check the Reader's Guide and read at AionianBible.org, with Android, and with TOR network. Why purple? King Jesus' Word is royal and purple is the color of royalty! All profits are given to CoolCup.org.

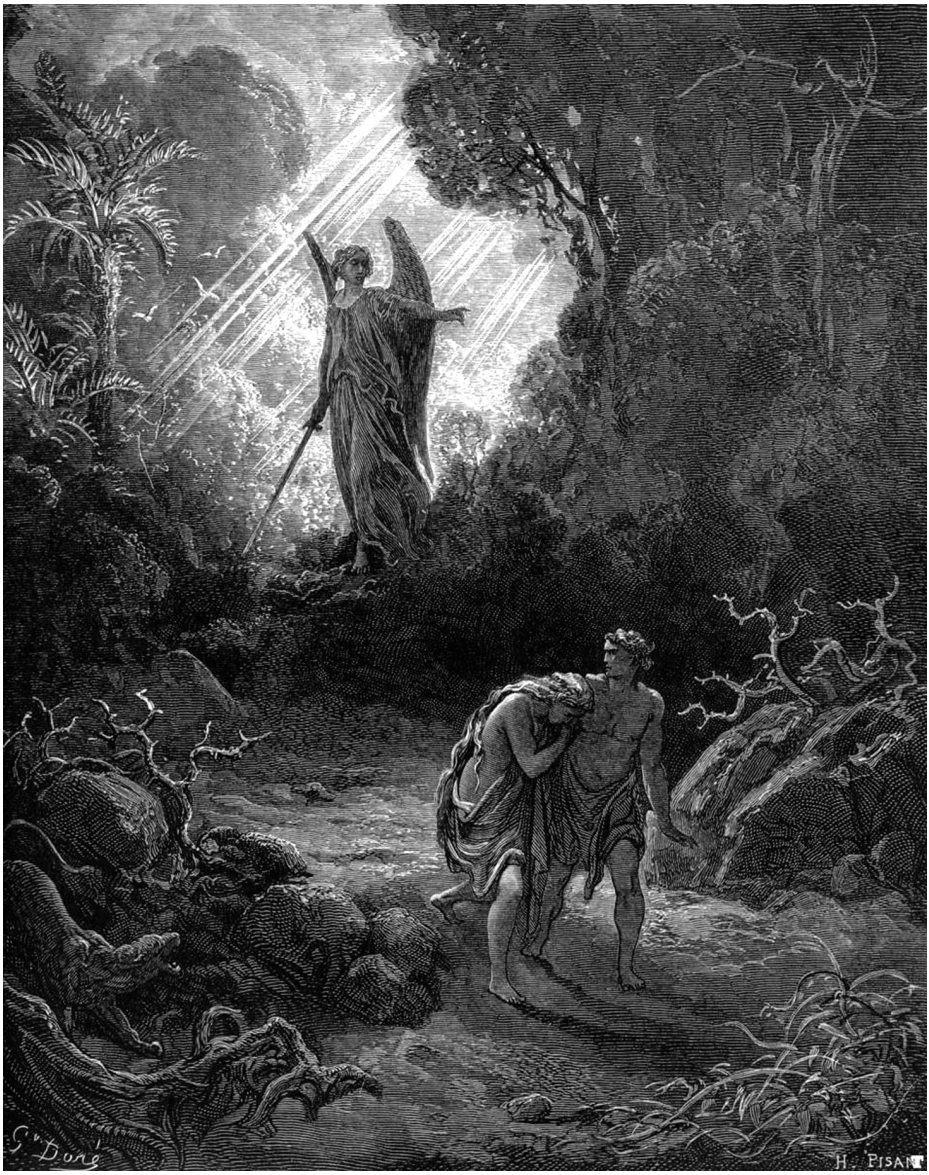

आदम ला निकाले के बाद, ओह जिनगी के स्ख के रसता के रखवारी करे बर, अदन के बगीचा के पूरब दिग म कस्बमन ला अऊ चारों कोति किंदरनेवाला आगी के तलवार ला घलो रख दीस।

उतपत्ती 3:24

उतपत्ती

1 सुरू म परमेसर ह अकास अऊ धरती ला रचिस। **2** अऊ धरती ह बेडौल अऊ सुनसान परे रिहिस, अऊ गहिरा पानी के ऊपर अंधियार रिहिस, अऊ परमेसर के आतमा पानी के ऊपर किंदरत रिहिस। **3** अऊ परमेसर ह कहिस, "अंजोर हो," त अंजोर हो गीस। **4** परमेसर ह अंजोर ला देखिस कि येह बने हे, अऊ ओह अंजोर ला अंधियार ले अलग करिस। **5** परमेसर ह अंजोर ला "दिन," अऊ अंधियार ला "रात" कहिस। अऊ सांझ होईस, फेर बिहान पहा गीस—ये किसम ले पहिला दिन हो गीस। **6** फेर परमेसर ह कहिस, "पानी के बीच म एक अइसने अंतर होवय कि पानी ह पानी ले अलग हो जावय।" **7** तब परमेसर ह अकास-मंडल बनाईस अऊ अकास-मंडल के खाल्हे के पानी ला एकर ऊपर के पानी ले अलग कर दीस। अऊ वइसने हो गीस। **8** परमेसर ह ओ अकास-मंडल ला "अकास" कहिस। अऊ सांझ होईस, फेर बिहान पहा गीस—ये किसम ले दूसर दिन हो गीस। **9** फेर परमेसर ह कहिस, "अकास के खाल्हे के पानी ह एके जगह म माढ़ जावय, अऊ सूखा भुइयां दिखय।" अऊ वइसने हो गीस। **10** परमेसर ह सूखा भुइयां ला "धरती" कहिस, अऊ जऊन पानी माढ़ गीस, ओला ओह "समुंदर" कहिस, अऊ परमेसर ह देखिस कि येह बढ़िया हे। **11** फेर परमेसर ह कहिस, "धरती म हरियर घांस, बीजावाले पऊधा अऊ फर देवइया रूख, अऊ रूख के फर म अपन-अपन किसम के मुताबिक बीजा होवय।" अऊ वइसने हो गीस। **12** ये किसम ले धरती म हरियर घांस, अऊ पऊधा, जेमा ओमन के जाति के मुताबिक बीजा होथे, अऊ फरवाला रूख, जेमा ओमन के जाति के मुताबिक बीजा होथे, ये जम्मो हो गीन। अऊ परमेसर ह देखिस कि येह बढ़िया हे। **13** अऊ सांझ होईस, फेर बिहान पहा गीस—ये किसम ले तीसर दिन हो गीस। **14** फेर परमेसर ह कहिस, "दिन ला रात ले अलग करे बर अकास-मंडल म अंजोरमन होवंय, अऊ ओमन पबितर समय, अऊ दिन अऊ बछरमन ला जाने बर चिनहां के रूप म काम करंय, **15** अऊ धरती ऊपर अंजोर देय बर ओमन अकास-मंडल म अंजोर बन जावंय।" अऊ वइसने हो गीस। **16** परमेसर ह दू ठन बड़े अंजोर बनाईस—ओमा के बड़े अंजोर ला दिन ऊपर परभूता करे बर अऊ छोटे अंजोर ला रात ऊपर परभूता करे बर बनाईस। ओह तारामन ला घलो बनाईस। **17** परमेसर ह ओमन ला अकास-मंडल म एकर बर रखिस कि ओमन धरती ऊपर अंजोर देवंय, **18** दिन अऊ रात ऊपर परभूता करंय, अऊ अंजोर ला अंधियार ले अलग करंय। अऊ परमेसर ह देखिस कि येह बढ़िया हे। **19** अऊ सांझ होईस, फेर बिहान पहा गीस—ये किसम ले चौथा दिन हो गीस। **20** फेर परमेसर ह कहिस, "पानी ह जीयत जन्तुमन ले भर जावय, अऊ चिरईमन धरती के ऊपर अकास म उड़ंय।" **21** परमेसर ह समुंदर के बड़े-बड़े जीव-जन्तुमन ला बनाईस, अऊ जाति-जाति के ओ जम्मो जीयत चीजमन ला बनाईस जेमन ले पानी भर गीस अऊ ओमन पानी म चलंय-फिरंय, अऊ किसम-किसम के पंखवाले चिरईमन ला घलो बनाईस। अऊ परमेसर ह देखिस कि येह बढ़िया हे। **22** परमेसर ह ओमन ला आसीस दीस अऊ कहिस, "फूलव-फरव; गनती म बाढ़व अऊ समुंदर के पानी म भर जावव, अऊ चिरईमन धरती ऊपर बहुंत हो जावंय।" **23** अऊ सांझ होईस, फेर बिहान पहा गीस—ये किसम ले पांचवां दिन हो गीस। **24** फेर परमेसर ह कहिस, "धरती म किसम-किसम के जीयत परानी होवंय: याने कि घरेलू-पसु, अऊ भुइयां म रेंगइया जन्तु अऊ बन पसु, हर एक अपन जाति-जाति के मुताबिक होवंय।" अऊ वइसने ही हो गीस। **25** परमेसर ह किसम-किसम के बन पसु, किसम-किसम के घरेलू-पसु, अऊ भुइयां ऊपर रेंगइया किसम-किसम के जम्मो जन्तुमन ला बनाईस। अऊ परमेसर ह देखिस कि येह बढ़िया हे। **26** तब परमेसर ह कहिस, "हमन मनखे ला अपन सरूप, अपन समानता म बनावन, ताकि ओमन समुंदर के मछरी, अकास के चिरई अऊ घरेलू-पसु अऊ जम्मो बन पसु अऊ भुइयां म रेंगइया जम्मो जीव-जन्तु ऊपर अधिकार रखंय।" **27** तब परमेसर ह मनखे ला अपन खुद के सरूप म बनाईस, अपन ही सरूप म परमेसर ह ओमन ला बनाईस; नर अऊ नारी करके ओह ओमन ला बनाईस। **28** अऊ परमेसर ह ओमन ला आसीस दीस अऊ ओमन ला कहिस, "फूलव-फरव अऊ गनती म बढ़व; धरती म भर जावव, अऊ येला अपन बस म कर लेवव। समुंदर के मछरी अऊ अकास के चिरई अऊ भुइयां ऊपर रेंगइया जम्मो जीव-जन्तुमन ऊपर अधिकार रखव।" **29** तब परमेसर ह ओमन ला कहिस, "सुनव, धरती के जम्मो बीजावाले पऊधा अऊ जम्मो रूख, जऊन म बीजावाले फर होथें, ओ सबो ला मेंह तुमन ला देवत हंव। ओमन तुम्हर जेवन बर अंय। **30** अऊ धरती के जम्मो पसु अऊ अकास के जम्मो चिरई अऊ भुइयां ऊपर रेंगइया जम्मो जीव-जन्तु—जेमन म जिनगी के सांस हवय—मेंह जम्मो हरियर-हरियर पऊधा ला जेवन बर देवत हंव।" अऊ वइसने ही हो गीस। **31** तब परमेसर ह अपन बनाय जम्मो चीज ला देखिस, अऊ येह बहुंत बढ़िया रिहिस। अऊ सांझ होईस, फेर बिहान पहा गीस—ये किसम ले छठवां दिन हो गीस।

2 ये किसम ले अकास अऊ धरती अऊ ओमा के जम्मो चीज के बनई पूरा हो गीस। **2** परमेसर ह अपन काम, जेला ओह करत रिहिस, सातवां दिन म पूरा करिस अऊ ओह अपन जम्मो काम ले सातवां दिन बिसराम करिस। **3** तब परमेसर ह सातवां दिन ला आसीस दीस अऊ येला पबितर ठहिराईस, काबरकि ओ दिन ओह अपन सिरिस्टी के जम्मो बुता ले बिसराम करिस। **4** अकास अऊ धरती के बिबरन ये अय जब ओमन रचे गीन, मतलब कि जब यहोवा परमेसर ह अकास अऊ धरती ला बनाईस। **5** तब धरती म न

तो कोनो झाड़ी उगे रिहिन, अऊ न ही कोनो पऊधा निकले रिहिन, काबरकि यहोवा परमेसर ह धरती म पानी नइं बरसाय रिहिस, अऊ भुइयां म खेती करे बर कोनो नइं रिहिन, 6 पर कुहरा धरती ले उठत रिहिस, जेकर ले जम्मो भुइयां पानी ले पलत रिहिस। 7 तब यहोवा परमेसर ह भुइयां के माटी ले एक मनखे ला रचिस, अऊ ओकर नाक म जिनगी के सांस फूंक दीस, अऊ मनखे ह जीयत परानी बन गीस। 8 अऊ यहोवा परमेसर ह पूरब कोति अदन म एक बगीचा लगाईस, अऊ उहां ओ मनखे जेला ओह रचे रिहिस, रख दीस। 9 अऊ यहोवा परमेसर ह भुइयां म जम्मो किसम के रूख, जो देखे म मनोहर अऊ जेकर फर खाय म बने लगथे, उगाईस, अऊ बगीचा के मांझा म जिनगी के रूख अऊ भला अऊ बुरा के गियान के रूख ला घलो लगाईस। 10 ओ बगीचा ला पलोय बर, एक नदी अदन ले बहत रिहिस अऊ उहां ले आघू जाके ओह चार धारा म बंट गीस। 11 पहिली धारा के नांव पीसोन ए; येह हवीला नांव के पूरा देस ला, जिहां सोन मिलथे, घेरे हवय। 12 (ओ देस के सोन चोखा होथे; उहां खुसबूदार धूप अऊ गोमेदक घलो मिलथे।) 13 दूसर नदी के नांव गीहोन ए; येह कूस नांव के पूरा देस ला घेरे हवय। 14 अऊ तीसर नदी के नांव तिगरीस ए; येह अस्सूर के पूरब कोति बोहाथे। अऊ चौथा नदी के नांव फरात ए। 15 तब यहोवा परमेसर ह मनखे ला लेके अदन के बगीचा म रख दीस कि ओह ओमा काम करय अऊ ओकर देखभाल करय। 16 अऊ यहोवा परमेसर ह मनखे ला ये हुकूम दीस, "तें बगीचा के कोनो घलो रूख के फर बिगर रोक-टोक के खा सकत हस, 17 पर भला अऊ बुरा के गियान के जऊन रूख हवय, ओकर फर तें कभू झन खाबे, काबरकि जब तें ओकर फर ला खाबे, त निस्चित रूप से तेंह मर जाबे।" 18 फेर यहोवा परमेसर ह कहिस, "मनखे के अकेला रहई बने नो हय। में ओकर बर एक अइसन मददगार बनाहूं, जऊन ह ओकर ले मेल खावय।" 19 यहोवा परमेसर ह भुइयां ले जम्मो जाति के पसुमन ला अऊ अकास के जम्मो चिरईमन ला बनाय रिहिस अऊ ये देखे बर ओमन ला मनखे करा लानिस कि ओह ओमन के का-का नांव रखथे; अऊ जऊन-जऊन नांव लेके जीयत परानीमन ला मनखे ह बलाईस, ओह ओमन के नांव हो गीस। 20 ये किसम ले मनखे ह जम्मो घरेलू-पसुमन के, अकास के चिरईमन के अऊ जम्मो बन पसुमन के नांव रखिस। पर आदम बर कोनो अइसने सहायक नइं मिलिस, जेकर संग ओकर मेल खावय। 21 एकरसेति यहोवा परमेसर ह आदम ला भारी नींद म डार दीस; अऊ जब ओह सुतत रिहिस, तब परमेसर ह आदम के एक पसली निकालके ओकर जगह म मांस भर दीस। 22 तब यहोवा परमेसर ह आदम ले निकाले ओ पसली म ले एक माईलोगन बनाईस, अऊ ओला आदम करा ले आईस। 23 तब आदम ह कहिस, "अब येह मोर हाड़ा म के हाड़ा अऊ मोर मांस म के मांस अय; एकरसेति येला 'नारी' कहे जाही, काबरकि येह नर म ले निकाले गे हवय।" 24 एकरे कारन आदमी ह अपन दाई-ददा ला छोंड़के अपन घरवाली संग मिले रहिही, अऊ ओ दूनों एक तन होहीं। 25 आदम अऊ ओकर घरवाली दूनों नंगरा रिहिन, पर ओमन लजात नइं रिहिन।

3 यहोवा परमेसर ह जतेक बन पसु बनाय रिहिस, ओ सब म सांप ह जादा धूर्त रिहिस। ओह माईलोगन ले पुछिस, "का परमेसर ह सहीं म कहे हवय, 'तुमन ये बगीचा के कोनो रूख के फर ला झन खाह्'?" 2 माईलोगन ह सांप ला जबाब दीस, "हमन ये बगीचा के रूखमन के फर खा सकत हन, 3 पर जऊन रूख ह बगीचा के मांझा म हवय, ओकर फर के बारे म परमेसर ह कहे हवय कि न तो तुमन ओला खावव अऊ न ही ओला छुववव, नइं तो तुमन मर जाह।" 4 तब सांप ह माईलोगन ला कहिस, "तुमन निस्चय नइं मरव। 5 बरन परमेसर खुद जानत हे कि जऊन दिन तुमन ये फर ला खाह्, ओहीच दिन तुम्हर आंखी ह उघर जाही, अऊ तुमन भला अऊ बुरा के गियान पाके परमेसर के सहीं हो जाह।" 6 त जब माईलोगन ह देखिस कि रूख के फर ह खाय बर बढ़िया अऊ देखे म मनभाऊ, अऊ बुद्धि देय बर पसंद के लईंक हे, त ओह ओमा ले कुछू ला टोरके खाईस, अऊ कुछू अपन घरवाला ला घलो दीस, जऊन ह ओकर संग रिहिस, अऊ ओह घलो खाईस। 7 तब ओ दूनों के आंखी उघर गीस, अऊ ओमन ला महसूस होईस कि ओमन नंगरा हवंय; एकरे बर ओमन अंजीर के पानमन ला जोड़-जोड़के अपन बर ढपनी बना लीन। 8 तब यहोवा परमेसर, जऊन ह दिन के ठंडा समय बगीचा म घुमय, ओकर अवाज ओमन ला सुनई दीस। तब आदम अऊ ओकर घरवाली बगीचा के रूखमन के बीच म यहोवा परमेसर ले लुका गीन। 9 पर यहोवा परमेसर ह हांक पारके आदम ला पुछिस, "तें कहां हस?" 10 ओह जबाब दीस, "में बारी म तोर अवाज ला सुनके डर गेंव, काबरकि में नंगरा रहेंव; एकरसेति में लुका गेंव।" 11 परमेसर ह कहिस, "तोला कोन कहिस कि तें नंगरा हस? जऊन रूख के फर खाय बर मेंह तोला मना करे रहेंव, का तेंह ओकर फर ला खाय हस?" 12 आदम ह कहिस, "जऊन माईलोगन ला तेंह मोर संग रहे बर देय हस—ओही ह ओ रूख के फर मोला खाय बर दीस अऊ मेंह ओला खांय।" 13 तब यहोवा परमेसर ह माईलोगन ले कहिस, "ये तें का करे हस?" माईलोगन ह जबाब दीस, "सांप ह मोला बहका दीस, त मेंह खांय।" 14 तब यहोवा परमेसर ह सांप ला कहिस, "काबरकि तेंह अइसने करे हस, "एकरसेति तें जम्मो घरेलू-पसु, अऊ जम्मो बन पसु ले जादा सरापित अस! तेंह पेट के बल म रेंगबे, अऊ तेंह जिनगी भर माटी खावत रहिबे। 15 अऊ मेंह तोर अऊ ये माईलोगन के बीच म, अऊ तोर बंस अऊ एकर बंस के बीच म, बईरता उपजाहूं, ओह तोर मुड़ ला कुचरही, अऊ तें ओकर एड़ी ला डसबे।" 16 फेर माईलोगन ला ओह कहिस, "में तोर गरभवती होय के समय के पीरा

ला अब्बड़ बढ़ाहूं; अऊ छेवारी होय के समय, तेंह पीरा सहके लइका जनमाबे। तोर लालसा तोर घरवाला बर होही अऊ ओह तोर ऊपर परभूता करही।" **17** अऊ आदम ला ओह कहिस, "काबरकि तेंह अपन घरवाली के बात ला माने, अऊ जऊन रूख के बिसय म मेंह तोला हुकूम देय रहेंव कि तें ओकर फर ला झन खाबे, ओला तेंह खाय हस। "भुइयां ह तोर कारन सरापित हे; तें एकर ऊपज अपन जिनगी भर दुख के संग खाय पाबे। **18** अऊ येह तोर बर कांटा अऊ कंटिला पऊधा उपजाही, अऊ तें खेत के ऊपज ला खाबे। **19** अऊ अपन माथा के पसीना के कमई तेंह खाय पाबे, अऊ आखिर म माटी म मिल जाबे; काबरकि तोला ओही म ले लिये गे हवय, तें तो माटी ही अस, अऊ माटी म ही फेर मिल जाबे।" **20** आदम ह अपन घरवाली के नांव हवा रखिस, काबरकि जम्मो जीयत मनखेमन के ओही ह दाई होईस। **21** अऊ यहोवा परमेसर ह आदम अऊ ओकर घरवाली बर चमड़ा के पहिरावा बनाके ओमन ला पहिरा दीस। **22** फेर यहोवा परमेसर ह कहिस, "मनखे ह भला अऊ बुरा के गियान पाके अब हमर म के एक झन सही हो गे हवय। एकरसेति अब अइसने झन होवय कि ओह हांथ लमाके जिनगी के रूख के फर ला घलो टोरके खा लेवय अऊ सदाकाल तक जीयत रहय।" **23** एकरसेति यहोवा परमेसर ह ओला अदन के बगीचा ले निकाल दीस कि ओह ओ भुइयां म काम करय, जेमा ले ओह बनाय गे रिहिस। **24** आदम ला निकाले के बाद, ओह जिनगी के रूख के रसता के रखवारी करे बर, अदन के बगीचा के पूरब दिग म करूबमन ला अऊ चारों कोति किंदरनेवाला आगी के तलवार ला घलो रख दीस।

4 जब आदम ह अपन घरवाली हवा संग सुतिस, त ओह आसरा म होके कैन ला जनम दीस अऊ कहिस, "मेंह यहोवा के मदद ले एक झन पुरूस पाय हंव।" **2** बाद म ओह ओकर भाई हाबिल ला जनम दीस। हाबिल ह भेड़-बकरी के चरवाहा बन गीस, अऊ कैन ह खेती-बारी करत रिहिस। **3** कुछू दिन के बाद, कैन ह यहोवा करा भुइयां के कुछू फर चढ़ावा के रूप म लानिस। **4** अऊ हाबिल घलो अपन भेड़-बकरी के कुछू पहिलांतमन ला लानिस अऊ ओमन के चरबी ला चढ़ावा के रूप म चघाईस। यहोवा ह हाबिल अऊ ओकर चढ़ावा ला तो गरहन करिस, **5** पर कैन अऊ ओकर भेंट ला गरहन नइं करिस। एकरसेति कैन ह अब्बड़ गुस्सा होईस अऊ ओकर चेहरा ह उतर गीस। **6** तब यहोवा ह कैन ले पुछिस, "तेंह काबर गुस्सा होवत हस? तोर मुहूं ह काबर उतरे हवय? **7** जऊन ह सही ए, यदि तेंह ओला करते, त का तोर भेंट ह गरहन नइं होतिस? पर जऊन ह सही ए, यदि तेंह ओला नइं करस, त पाप ह तोर दुवारी म ठाढ़े हवय; ओकर लालसा तोला पाय बर होही, पर तोला ओकर ऊपर जय पाना जरूरी ए।" **8** एक दिन कैन ह अपन भाई हाबिल ला कहिस, "चल हमन खेत डहार जाबो।" जब ओमन खेत म रिहिन, त कैन ह अपन भाई हाबिल ऊपर हमला करके ओला मार डारिस। **9** तब यहोवा ह कैन ले पुछिस, "तोर भाई हाबिल कहां हे?" त कैन जबाब दीस, "मैं नइं जानंव; का मेंह अपन भाई के रखवार अंव?" **10** यहोवा ह कहिस, "तेंह का करे हस? सुन! तोर भाई के लहू ह भुइयां ले मोला नरियावथे। **11** अब तेंह एक सराप के अधीन हस अऊ ओ भुइयां ले निकाले जावत हस, जऊन ह तोर भाई के लहू तोर हांथ ले पीये बर अपन मुहूं फारिस। **12** जब तेंह भुइयां म खेती करबे, त ओह अब तोला अपन फसल नइं देवय। तेंह धरती म बियाकुल होके इहां-उहां भटकत रहिबे।" **13** तब कैन ह यहोवा ला कहिस, "मोर सजा ह मोर सहे के बाहिर ए। **14** आज तेंह मोला ये भुइयां म ले निकालत हस, अऊ मेंह तोर नजर के आड़ म हो जाहूं; अऊ धरती म अस्थिर होके इहां-उहां भटकत रहिहूं, अऊ जऊन कोनो मोला पाही, ओह मोला मार डारही।" **15** पर यहोवा ह ओला कहिस, "अइसने नइं होवय; जऊन कोनो कैन ला मारही, ओकर ले सात गुना बदला लेय जाही।" तब यहोवा ह कैन बर एक चिनहां ठहिरा दीस ताकि कोनो मनखे कैन ला पाके ओकर हतिया झन कर देवय। **16** तब कैन ह यहोवा के आघू ले चल दीस अऊ नोद नांव के देस म, जेह अदन के पूरब कोति हवय, रहे लगिस। **17** जब कैन अपन घरवाली संग सुतिस, तब ओकर घरवाली ह आसरा म होईस अऊ ओह हनोक ला जनम दीस। कैन ह तब एक सहर बसावत रिहिस, अऊ ओह ओ सहर के नांव अपन बेटा के नांव म हनोक रखिस। **18** हनोक ले ईराद जनमिस, अऊ ईराद ह महूयाएल के ददा रिहिस, अऊ महूयाएल ह मतूसाएल के ददा रिहिस, अऊ मतूसाएल ह लेमेक के ददा रिहिस। **19** लेमेक ह दू झन माईलोगन ले बिहाव करिस, जेमा के एक झन के नांव आदा, अऊ दूसर के सिल्ला रिहिस। **20** आदा ह याबाल ला जनमिस; याबाल ह ओमन के पुरखा रिहिस जऊन मन तम्बू म रहिथें अऊ पसु-पालन करथें। **21** ओकर भाई के नांव यूबाल रिहिस; जऊन ह जम्मो किसम के सितार अऊ बंसी बजइयामन के पुरखा रिहिस। **22** सिल्ला घलो तूबल-कैन नांव के एक बेटा ला जनमिस; जऊन ह कांसा अऊ लोहा ढारके औजार बनइया होईस। तूबल-कैन के बहिनी के नांव नामा रिहिस। **23** लेमेक ह अपन घरवालीमन ला कहिस, "हे आदा अऊ सिल्ला, मोर गोठ ला सुनव; हे लेमेक के घरवालीमन, मोर बात ऊपर कान लगावव। मेंह एक मनखे ला, जेह मोला चोट पहुंचाय रिहिस, मार डारेंव। एक जवान, जऊन ह मोला घायल करे रिहिस। **24** यदि कैन के बदला सात गुना लेय जाथे, त लेमेक के सतहत्तर गुना लेय जाही।" **25** आदम फेर अपन घरवाली संग सुतिस, अऊ ओकर घरवाली ह एक बेटा ला जनम दीस अऊ ओकर नांव ये कहिके सेत रखिस, "परमेसर ह मोला हाबिल के बदला म, जेला कैन ह मार डारिस, एक अऊ बेटा दे हवय।" **26** बाद म, सेत के घलो एक बेटा

होईस; ओह ओकर नांव एनोस रखिस। ओही बेरा ले मनखेमन
यहोवा ले पराथना करे के सुरू करिन।

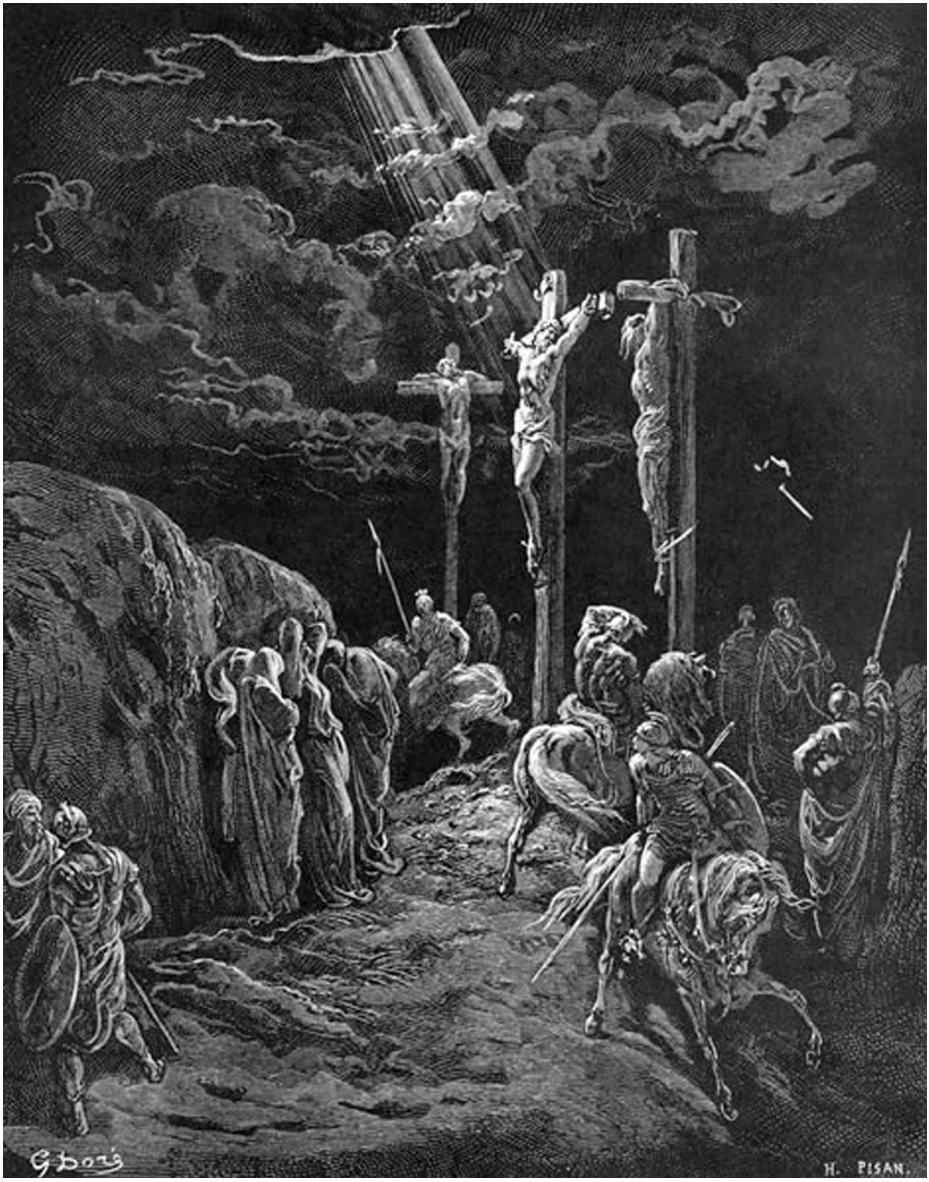

यीसू ह कहिस, "हे ददा, ये मनखेमन ला माफ कर दे, काबरकि येमन नइं जानथें कि येमन का करत हवंय।"
अऊ ओमन चिट्ठी डालके ओकर मुताबिक यीसू के कपड़ा ला अपन म बांट लीन।
लूका 23:34

यूहन्ना

1 सुरू म बचन ह रिहिस, अऊ ओ बचन ह परमेसर के संग रिहिस, अऊ ओही बचन ह परमेसर रिहिस। **2** ओह सुरू ले परमेसर के संग रिहिस। **3** ओकरे जरिये, परमेसर ह संसार के जम्मो चीजमन ला बनाईस, अऊ जऊन कुछू परमेसर ह बनाईस, ओमा एको ठन चीज अइसने नइं ए, जऊन ह ओकर बिगर बनाय गे रिहिस। **4** ओ बचन म जिनगी रिहिस, अऊ ओ जिनगी ह मनखेमन बर अंजोर लानिस। **5** ओ अंजोर ह अंधियार म चमकथे, अऊ अंधियार ह ओकर ऊपर जय नइं पा सकिस। **6** परमेसर ह एक मनखे ला पठोईस, जेकर नांव यूहन्ना रिहिस। **7** यूहन्ना ह ओ अंजोर के बारे म गवाही दे बर आईस, ताकि जम्मो मनखेमन ओकर गवाही के जरिये ओ अंजोर ऊपर बिसवास करंय। **8** यूहन्ना ह खुद तो अंजोर नइं रिहिस, पर ओह अंजोर के बारे म गवाही दे बर आय रिहिस। **9** ओ सही अंजोर जऊन ह जम्मो मनखे ला अंजोर देथे, संसार म अवइया रिहिस। **10** ओह संसार म रिहिस, अऊ ओकरे जरिये, परमेसर ह संसार ला बनाईस, पर संसार के मनखेमन ओला नइं चिन्हिन। **11** ओह अपन खुद के मनखेमन करा आईस, पर ओकर मनखेमन ओला गरहन नइं करिन। **12** पर जतेक झन ओला गरहन करिन अऊ ओकर नांव ऊपर बिसवास करिन, ओमन ला ओह परमेसर के संतान होय के अधिकार दीस। **13** ये संतानमन न तो सुभाविक बंस ले, न देहें के ईछा ले, अऊ न कोनो मनखे के ईछा ले, पर परमेसर के ईछा ले जनमिन। **14** ओ बचन ह मनखे के देहें धारन करिस, अऊ हमर बीच म कुछू समय बर डेरा करिस। हमन ओकर महिमा देखे हवन, ओ एकलऊता बेटा के महिमा, जऊन ह अनुग्रह अऊ सच्चई ले भरपूर होके स्वरगींय ददा करा ले आईस। **15** यूहन्ना ह ओकर बारे म गवाही देथे। ओह पुकारके कहिथे, "येह ओही अय, जेकर बारे म मेंह कहे रहेंव, जऊन ह मोर पाछू आवत हवय, ओह मोर ले बड़े अय, काबरकि ओह मोर जनमे के पहिली ले रिहिस।" **16** ओकर अनुग्रह के भरपूरी ले, हमन जम्मो झन आसीस के ऊपर आसीस पाय हवन। **17** काबरकि परमेसर ह कानून ला मूसा के दुवारा दीस; पर अनुग्रह अऊ सच्चई यीसू मसीह के दुवारा आईस। **18** परमेसर ला कोनो कभू नइं देखे हवंय, पर सिरिप एकलऊता बेटा, जऊन ह खुदे परमेसर अय, अऊ जऊन ह ददा के कोरा म हवय, ओही ह ओला परगट करे हवय। **19** यूहन्ना के ये गवाही ए, जब यरूसलेम सहर के यहूदी अगुवामन कुछू पुरोहित अऊ लेवीमन ला यूहन्ना करा ये पुछे बर पठोईन कि ओह कोन ए? **20** त यूहन्ना ह जबाब दे बर आनाकानी नइं करिस, पर साफ-साफ मान लीस अऊ कहिस, "मेंह मसीह नो हंव।" **21** तब ओमन यूहन्ना ले पुछिन, "त फेर तेंह कोन अस? का तेंह एलियाह अस?" ओह कहिस, "नइं।" ओमन पुछिन, "त फेर का तेंह अगमजानी अस?" ओह जबाब दीस, "नइं।" **22** आखिर म ओमन कहिन, "त फेर तेंह कोन अस? हमन ला बता ताकि जऊन मन हमन ला पठोय हवंय, ओमन ला हमन जाके जबाब दे सकन। तेंह अपन बारे म का कहत हवस?" **23** यूहन्ना ह जबाब दीस, "जइसने यसायाह अगमजानी ह ये कहे रिहिस, मेंह सुनसान जगह म एक झन अवाज देवइया अंव, 'परभू बर डहार ला तियार करव, अऊ ओकर डहार ला सीधा करव।'" **24** जऊन मनखेमन फरीसीमन के दुवारा पठोय गे रिहिन। **25** ओमन यूहन्ना ले पुछिन, "यदि तेंह मसीह नो हस, न एलियाह अऊ न अगमजानी अस, त फेर तेंह काबर बतिसमा देवत हस?" **26** यूहन्ना ह ओमन ला जबाब दीस, "मेंह तो पानी म बतिसमा देवत हंव, पर तुम्हर बीच म एक झन ठाढे हवय, जऊन ला तुमन नइं जानव। **27** येह ओ अय, जऊन ह मोर पाछू आवत हवय। मेंह ओकर पनही के बंधना ला खोले के लईक घलो नो हंव।" **28** ये जम्मो बात यरदन नदी के ओ पार बैतनियाह गांव म होईस, जिहां यूहन्ना ह मनखेमन ला बतिसमा देवत रिहिस। **29** ओकर दूसर दिन यूहन्ना ह यीसू ला अपन कोति आवत देखिस, त कहिस, "देखव, परमेसर के मेढा-पीला, जऊन ह संसार के पाप ला उठा ले जाथे। **30** येह ओही अय, जेकर बारे म मेंह कहे रहेंव, 'जऊन ह मोर पाछू आवत हवय, ओह मोर ले बड़े अय, काबरकि ओह मोर जनमे के पहिली ले रिहिस।' **31** मेंह खुदे ओला नइं जानत रहेंव, पर मेंह ये खातिर पानी ले बतिसमा देवत आयेंव ताकि ओह इसरायली मनखेमन ऊपर परगट हो जावय।" **32** तब यूहन्ना ह ये गवाही दीस, "मेंह देखेंव कि पबितर आतमा ह स्वरग ले एक पंड़की सही उतरिस अऊ ओकर ऊपर ठहर गीस। **33** मेंह ओला नइं जाने रहितेंव, पर परमेसर, जऊन ह मोला पानी ले बतिसमा दे बर पठोय हवय, मोला कहिस, 'तेंह पबितर आतमा ला उतरत अऊ एक झन मनखे ऊपर ठहिरत देखबे, ओहीच ह पबितर आतमा ले बतिसमा दीही।' **34** मेंह येला देखेंव अऊ मेंह गवाही देवत हंव कि एहीच ह परमेसर के बेटा अय।" **35** ओकर दूसर दिन, यूहन्ना ह फेर उहां अपन दू झन चेलामन संग ठाढे रहय। **36** अऊ जब यूहन्ना ह यीसू ला जावत देखिस, त ओह कहिस, "देखव, येह परमेसर के मेढा-पीला ए।" **37** जब ओ दूनों चेलामन यूहन्ना ला ये कहत सुनिन, त ओमन यीसू के पाछू हो लीन। **38** यीसू ह लहुंटके देखिस कि ओमन ओकर पाछू-पाछू आवत हवंय, त ओह ओमन ले पुछिस, "तुमन कोन ला खोजत हवव?" ओमन कहिन, "हे रब्बी" (जेकर मतलब होथे "गुरू"), "तेंह कहां रहिथस?" **39** यीसू ह ओमन ला कहिस, "मोर संग आवव अऊ देख लेवव।" तब ओमन ओकर संग गीन अऊ ओकर रहे के ठऊर ला देखिन, अऊ ओ दिन भर ओकरे संग बिताईन। ओह करीब सांझ के चार बजे के समय रिहिस। **40** जऊन दू झन चेला, यूहन्ना ला कहत सुनिन अऊ यीसू के पाछू हो ले रिहिन, ओमा ले एक झन सिमोन पतरस के भाई अन्द्रियास रिहिस।

41 पहिली काम अन्द्रियास ह ये करिस कि ओह अपन भाई सिमोन
ले जाके मिलिस अऊ ओला बताईस, "हमन ला मसीह मिल गे
हवय।" 42 तब अन्द्रियास ह सिमोन ला यीसू करा लानिस। यीसू ह
ओला देखिस अऊ कहिस, "तेंह यूहन्ना के बेटा सिमोन अस। तेंह
कैफा कहाबे।" (कैफा के अनुवाद पतरस करे गे हवय)। 43 दूसर
दिन यीसू ह गलील प्रदेस जाय के मन बनाईस। जाय के पहिली ओह
फिलिप्पुस ले मिलिस अऊ ओला कहिस, "मोर पाछू हो ले।" 44
फिलिप्पुस ह बैतसैदा सहर के रहइया रिहिस। अन्द्रियास अऊ पतरस
घलो ओहीच सहर के रहइया रिहिन। 45 फिलिप्पुस ह नतनएल ले
मिलिस अऊ ओला बताईस, "हमन ला ओह मिल गे हवय, जेकर
बारे म मूसा ह कानून के किताब म लिखे हवय अऊ जेकर बारे म
अगमजानीमन घलो लिखे हवंय। ओह यूसुफ के बेटा, नासरत गांव
के यीसू अय।" 46 नतनएल ह ओकर ले पुछिस, "का कोनो बने
चीज नासरत ले आ सकथे?" फिलिप्पुस ह कहिस, "तेंह आके खुद
देख ले।" 47 जब यीसू ह नतनएल ला अपन कोति आवत देखिस,
त ओह ओकर बारे म कहिस, "येह एक सच्चा इसरायली अय; येमा
कोनो छल-कपट नइं ए।" 48 नतनएल ह यीसू ले पुछिस, "तेंह
मोला कइसने जानत हवस?" त यीसू ह ओला जबाब दीस, "एकर
पहिली कि फिलिप्पुस ह तोला बलाईस, जब तेंह अंजीर के रूख के
खाल्हे म रहय, त मेंह तोला देखे रहेंव।" 49 नतनएल ह कहिस,
"हे रब्बी, तेंह परमेसर के बेटा अस; तेंह इसरायल के राजा अस।"
50 यीसू ह कहिस, "का तेंह एकरसेति बिसवास करत हस, कि मेंह
तोला ये कहेंव कि तोला अंजीर के रूख के खाल्हे म देखे रहेंव। तेंह
एकर ले घलो बड़े-बड़े काम देखबे।" 51 यीसू ह ये घलो कहिस,
"मेंह तुमन ला सच कहथंव कि तुमन स्वरग ला खुला अऊ परमेसर
के स्वरगदूतमन ला मनखे के बेटा बर उतरत अऊ चघत देखह्।"

2 ओकर तीसरा दिन, गलील प्रदेस के काना नगर म एक बिहाव
होवत रहय। यीसू के दाई ह उहां रिहिस। 2 यीसू अऊ ओकर
चेलामन ला घलो बिहाव के नेवता मिले रिहिस। 3 जब अंगूर के मंद
ह सिरा गीस, त यीसू के दाई ह ओला कहिस, "ओमन करा अऊ
अंगूर के मंद नइं ए।" 4 त यीसू ह ओला कहिस, "हे नारी, तेंह
मोला ये बात काबर बतावत हस? अभी मोर कुछू करे के समय नइं
आय हवय।" 5 तब यीसू के दाई ह सेवकमन ला कहिस, "जऊन
कुछू ओह तुमन ला कहिथे, वइसने करव।" 6 उहां पानी धरे के छै
ठन पथरा के मटका माढ़े रहंय ताकि यहूदीमन सुध होय के धारमिक
संस्कार ला कर सकंय। हर एक मटका म करीब सत्तर ले लेके एक
सौ दस लीटर तक पानी धरय। 7 यीसू ह सेवकमन ला कहिस,
"मटकामन म पानी भर देवव।" ओमन मटकामन के मुहं तक ले
पानी भर दीन। 8 तब यीसू ह ओमन ला कहिस, "अब तुमन ओमा
ले थोरकून निकालके भोज के मुखिया करा ले जावव," अऊ ओमन
अइसनेच करिन। 9 जब भोज के मुखिया ह ओला चिखिस, त
पानी ह अब अंगूर के मंद बन गे रहय, अऊ ओह नइं जानत रिहिस
कि ये अंगूर के मंद ह कहां ले आईस, पर ओ सेवक जऊन मन पानी
निकाले रिहिन, ओमन येला जानत रिहिन। तब भोज के मुखिया ह
दूल्हा ला बलाईस, 10 अऊ ओला कहिस, "हर एक झन ह पहिली
बढ़िया मंद ला देथे, अऊ जब पहुनामन पीके छक जाथें, तब सस्ता
मंद ला देथे, पर तेंह तो बढ़िया मंद ला अब तक बंचाके रखे हवस।"
11 यीसू ह गलील प्रदेस के काना नगर म ये पहिली चमतकार करिस
अऊ ओह ये किसम ले अपन महिमा देखाईस, अऊ ओकर चेलामन
ओकर ऊपर बिसवास करिन। 12 एकर बाद यीसू, ओकर दाई, भाई
अऊ ओकर चेलामन कफरनहूम सहर गीन अऊ उहां कुछू दिन
ठहिरिन। 13 जब यहूदीमन के फसह तिहार अवइया रिहिस, त यीसू
ह यरूसलेम सहर गीस। 14 उहां ओह देखिस कि मंदिर के अंगना
म, मनखेमन बईला, भेड़, अऊ पंड़की चिरई बेचत रहंय अऊ आने
मन मेज करा बईठके रूपिया-पईसा के लेन-देन करत रहंय। 15 तब
यीसू ह डोरी के एक कोर्रा बनाईस अऊ जम्मो भेड़ अऊ बईलामन
ला मंदिर के सीमना ले बाहिर खेद दीस अऊ रूपिया-पईसा के
अदला-बदली करइयामन के सिक्कामन ला छितिर-बितिर कर दीस
अऊ ओमन के मेजमन ला खपल दीस। 16 पंड़की बेचइयामन ला
ओह कहिस, "येमन ला इहां ले निकालव। मोर ददा परमेसर के घर
ला बजार झन बनावव।" 17 तब यीसू के चेलामन सुरता करिन कि
परमेसर के बचन म ये लिखे हवय: "तोर घर के उत्साह ह मोर
हिरदय म आगी सही बरथे।" 18 तब यहूदीमन यीसू ले पुछिन,
"तोला ये जम्मो करे के अधिकार हवय, ये बात ला साबित करे बर
तेंह हमन ला का चिनहां देखा सकथस?" 19 यीसू ह ओमन ला ये
जबाब दीस, "तुमन ये मंदिर ला गिरा देवव, अऊ मेंह येला तीन दिन
म फेर ठाढ़ कर दूहूं।" 20 यहूदीमन कहिन, "ये मंदिर ला बनाय म
छियालीस साल लगे हवय, अऊ का तेंह येला तीन दिन म फेर
ठाढ़ कर देबे?" 21 पर यीसू ह जऊन मंदिर के बारे म गोठियावत
रिहिस ओह ओकर देहें रिहिस। 22 जब यीसू ह मरे म ले जी
उठिस, तब ओकर चेलामन ला सुरता आईस कि यीसू ह ये कहे
रिहिस। तब ओमन परमेसर के बचन अऊ यीसू के कहे बात ऊपर
बिसवास करिन। 23 जब यीसू ह फसह तिहार के समय यरूसलेम म
रिहिस, त जऊन चमतकार के काम उहां ओह करत रिहिस, ओला
देखके बहुंत मनखेमन ओकर ऊपर बिसवास करिन। 24 पर यीसू ह
अपनआप ला ओमन के भरोसा म नइं छोंड़िस, काबरकि ओह
जम्मो झन ला जानत रिहिस। 25 ओला एकर जरूरत नइं रिहिस कि
कोनो मनखे ह कोनो मनखे के बारे म गवाही देवय, काबरकि यीसू ह
खुद जानत रिहिस कि कोन मनखे के मन म का हवय।

3 निकुदेमुस नांव के एक मनखे रिहिस। ओह फरीसी मत के
रिहिस अऊ यहूदी महासभा के एक सदस्य रिहिस। 2 ओह
रथिया यीसू करा आईस अऊ कहिस, "हे गुरू, हमन जानत हन कि

तेंह एक गुरू अस अऊ परमेसर करा ले आय हवस। काबरकि जऊन चमतकार के काम तेंह करथस, ओला कोनो नइं कर सकंय, जब तक कि परमेसर ह ओकर संग नइं रहय।" **3** यीसू ह ओला ये जबाब दीस, "मेंह तोला सच-सच बतावत हंव, जब तक कोनो मनखे के नवां जनम नइं होवय, तब तक ओह परमेसर के राज ला नइं देख सकय।" **4** निकुदेमुस ह कहिस, "पर जब एक मनखे ह डोकरा हो गीस, त ओह फेर कइसने जनम ले सकथे? निस्चित रूप ले, ओह दूसर बार अपन दाई के कोख म जाके फेर जनम नइं ले सकय।" **5** त यीसू ह कहिस, "मेंह तोला सच-सच बतावत हंव कि जब तक कोनो मनखे पानी अऊ पबितर आतमा ले नइं जनमे, तब तक ओह परमेसर के राज म नइं जा सकय। **6** मनखे ह मनखे ला जनम देथे, पर पबितर आतमा ह नवां आतमा ला जनम देथे। **7** तोला मोर ये बात ले अचरज नइं होना चाही कि तोर नवां जनम होना जरूरी अय। **8** हवा ह जेति चाहथे ओती चलथे। तेंह सिरिप एकर आरो भर ला सुनथस, पर तेंह नइं बता सकस कि येह कहां ले आथे या येह कहां जाथे। हर ओ मनखे जऊन ह पबितर आतमा ले जनम लेथे, ओकर संग घलो अइसनेच होथे।" **9** निकुदेमुस ह पुछिस, "येह कइसने हो सकथे?" **10** यीसू ह जबाब दीस, "तेंह इसरायली मनखेमन के एक गुरू अस, अऊ का तेंह ये बातमन ला नइं समझत हस? **11** मेंह तोला सच कहत हंव, जऊन बात ला हमन जानथन, ओकरे बारे म हमन गोठियाथन, अऊ जऊन ला हमन देखे हवन, ओकर गवाही देथन, पर तुमन हमर गवाही ला नइं मानव। **12** मेंह तुमन ला ये धरती के बातमन ला बताएंव अऊ तुमन बिसवास नइं करत हव, पर कहूं मेंह स्वरग के बातमन ला बताहूं, त तुमन कइसने बिसवास करह। **13** कभू कोनो स्वरग ला नइं गे हवय, सिरिप एक झन के छोंड़, जऊन ह स्वरग ले आईस याने कि मनखे के बेटा। **14** जइसने मूसा ह निरजन जगह म पीतल के सांप ला ऊपर चघाईस, वइसने मनखे के बेटा बर घलो जरूरी अय कि ओला ऊपर चघाय जावय, **15** ताकि जऊन कोनो ओकर ऊपर बिसवास करय, ओह परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी पावय। **(aiōnios g166)** **16** "काबरकि परमेसर ह संसार ले अइसने मया करिस कि ओह अपन एकलऊता बेटा ला दे दीस, ताकि जऊन कोनो ओकर बेटा ऊपर बिसवास करय, ओह नास नइं होवय, पर परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी पावय। **(aiōnios g166)** **17** परमेसर ह अपन बेटा ला एकर खातिर नइं पठोईस कि ओह संसार ला दोसी ठहिरावय, पर ये खातिर पठोईस कि ओकर जरिये संसार के उद्धार करे। **18** जऊन कोनो ओकर ऊपर बिसवास करथे, ओह दोसी नइं ठहिरय, पर जऊन ह बिसवास नइं करय, ओह पहिले ले दोसी ठहर चुकिस, काबरकि ओह परमेसर के एकलऊता बेटा ऊपर बिसवास नइं करिस। **19** नियाय करइया के फैसला ये अय: अंजोर ह संसार म आईस, पर मनखेमन अंजोर के बदले अंधियार ले मया करिन, काबरकि ओमन के काम खराप रिहिन। **20** जऊन ह खराप काम करथे, ओह अंजोर ले घिन करथे अऊ ओह अंजोर म नइं आवय, काबरकि ओला डर रहिथे कि ओकर खराप काममन उजागर हो जाहीं। **21** पर जऊन ह सही काम ला करथे, ओह अंजोर म आथे, ताकि ये साफ दिख जावय कि ओकर काम ह परमेसर के जरिये करे गे हवय।" **22** एकर बाद, यीसू अऊ ओकर चेलामन यहूदिया प्रदेस के गंवई इलाका म गीन। उहां ओह ओमन के संग कुछू समय तक रिहिस अऊ मनखेमन ला बतिसमा दीस। **23** यूहन्ना ह घलो सलीम के लकठा म एनोन म बतिसमा देवत रिहिस, काबरकि उहां बहुंत पानी रिहिस अऊ मनखेमन उहां आके ओकर ले बतिसमा लेवत रिहिन। **24** यूहन्ना ह अभी तक जेल म नइं डारे गे रिहिस। **25** यूहन्ना के कुछू चेलामन के, एक यहूदी संग सुध होय के बारे म बहस होय लगिस। **26** ओमन यूहन्ना करा जाके कहिन, "हे गुरूजी, ओ मनखे जऊन ह यरदन नदी के ओ पार तोर संग रिहिस अऊ जेकर बारे म तेंह गवाही देरहय—देख, ओह घलो बतिसमा देवत हवय, अऊ जम्मो मनखे ओकर करा जावत हवंय।" **27** यूहन्ना ह ओमन ला जबाब दीस, "मनखे ह कुछू नइं पा सकय, जब तक कि परमेसर ह स्वरग ले ओला नइं देवय। **28** तुमन खुदे मोर गवाह हव कि मेंह कहे रहेंव, 'मेंह मसीह नो हंव, पर मेंह ओकर आघू पठोय गे हवंव।' **29** दुलहिन ह दूल्हा के होथे। दूल्हा के संगवारी ह तीर म ठाढे रहिथे अऊ ओकर सुनथे अऊ जब ओह दूल्हा के अवाज ला सुनथे, त ओह बहुंत खुस होथे। ओही किसम के खुसी मोर अय, जऊन ह अब पूरा हो गे। **30** ये जरूरी अय कि ओह बाढे अऊ मेंह घटंव।" **31** जऊन ह ऊपर ले आथे, ओह सबले बड़े होथे। जऊन ह धरती ले आथे, ओह धरती के होथे अऊ ओह धरती के बात गोठियाथे। जऊन ह स्वरग ले आथे, ओह जम्मो के ऊपर होथे। **32** ओह ओ बात ला बताथे, जऊन ला ओह देखे अऊ सुने रहिथे, पर ओकर गवाही ला कोनो नइं मानंय। **33** जऊन ह ओकर गवाही ला मानथे, ओह ये साबित करथे कि परमेसर ह सच्चा ए। **34** काबरकि जऊन ला परमेसर ह पठोय हवय, ओह परमेसर के गोठ गोठियाथे। परमेसर ह ओला अपन आतमा ले भर देथे। **35** ददा ह अपन बेटा ले मया करथे अऊ ओह जम्मो चीज ला ओकर हांथ म कर दे हवय। **36** जऊन ह बेटा के ऊपर बिसवास करथे, ओकर करा परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी हवय, पर जऊन ह बेटा के बात ला नइं मानय, ओह ओ सदाकाल के जिनगी के अनुभव कभू नइं करही, काबरकि परमेसर के कोरोध ह ओकर ऊपर बने रहिथे। **(aiōnios g166)**

4 फरीसीमन सुनिन कि यीसू ह यूहन्ना ले घलो जादा मनखेमन ला चेला बनाथे अऊ बतिसमा देवत हवय। **2** असल म, यीसू ह खुद कोनो ला बतिसमा नइं देवत रिहिस, पर ओकर चेलामन बतिसमा देवत रिहिन। **3** तब ओह यहूदिया प्रदेस ला छोंड़के गलील प्रदेस म फेर वापिस चल दीस। **4** जब यीसू ह गलील ला वापिस जावत

रिहिस, त ओला सामरिया प्रदेस ले होके जाय ला पड़िस। 5 ओह सामरिया प्रदेस के सूखार नांव के एक सहर म आईस। ये सहर ह ओ भुइयां के लकठा म रिहिस, जऊन ला याकूब ह अपन बेटा यूसुफ ला देय रिहिस। 6 उहां याकूब के कुआं रहय; यीसू ह रेंगत-रेंगत थक गे रहय, एकरसेति ओह ओ कुआं के लकठा म बईठ गीस। येह करीब मंझन के बेरा रिहिस। 7 ओतकीच बेरा, एक सामरी माईलोगन ह ओ कुआं ले पानी भरे बर आईस, त यीसू ह ओला कहिस, "मोला, पीये बर थोरकन पानी दे ओ।" 8 (यीसू के चेलामन खाय के चीज बिसोय बर सहर गे रहंय।) 9 ओ सामरी माईलोगन ह ओला कहिस, "यहूदी जात के होके, तेंह मोर ले पानी काबर मांगत हस? मेंह एक सामरी माईलोगन अंव।" (यहूदीमन सामरीमन के संग कोनो संबंध नइं रखत रिहिन।) 10 यीसू ह जबाब दीस, "कहूं तेंह परमेसर के बरदान ला जानते अऊ ये घलो जानते कि जऊन ह तोर ले पीये के पानी मांगत हवय, ओह कोन ए, त तेंह ओकर ले मांगते अऊ ओह तोला जिनगी के पानी देतिस।" 11 ओ माईलोगन ह कहिस, "ए महाराज, पानी भरे बर तो तोर करा कोनो बाल्टी नइं ए, अऊ ये कुआं ह गहिरा हवय। त फेर तोर करा ओ जिनगी के पानी कहां ले आही? 12 का तेंह हमर पुरखा याकूब ले बड़े अस, जऊन ह हमन ला ये कुआं देय हवय। अऊ ओह खुद अऊ ओकर बेटामन अऊ ओकर पसुमन घलो ये कुआं ले पानी पीये हवंय।" 13 यीसू ह जबाब दीस, "जऊन ह ये पानी ला पीही, ओह फेर पीयासन होही, 14 पर जऊन ह ओ पानी ला पीही, जऊन ला मेंह दूहूं, ओह फेर कभू पीयासन नइं होही। जऊन पानी मेंह ओला दूहूं, ओह ओमा सोता के पानी सही होही, जऊन ह हर समय बहते रहिथे, अऊ येह ओला परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी देथे।" **(aiōn g165, aiōnios g166)** 15 तब ओ माईलोगन ह यीसू ला कहिस, "हे महाराज, मोला ओ पानी दे ताकि मेंह फेर पीयासन झन होवंव अऊ न ही मोला इहां पानी भरे बर फेर आना पड़य।" 16 यीसू ह ओला कहिस, "जा, अऊ अपन घरवाला ला इहां बलाके ले आ।" 17 ओ माईलोगन ह कहिस, "मोर कोनो घरवाला नइं ए।" यीसू ह कहिस, "तेंह सही कहथस कि तोर कोनो घरवाला नइं ए। 18 काबरकि तेंह पांच घरवाला बना चुके हवस, अऊ जऊन मनखे के संग अभी तेंह रहत हवस, ओह घलो तोर घरवाला नो हय। अभी तेंह जऊन बात कहय, ओह बिलकुल सही ए।" 19 ओ माईलोगन ह कहिस, "महाराज, मोला अइसने लगथे कि तेंह एक अगमजानी अस। 20 हमर पुरखामन ये पहाड़ ऊपर परमेसर के अराधना करत रिहिन, पर तुम यहूदीमन ये कहिथव कि ओ जगह यरूसलेम म हवय, जिहां हमन ला परमेसर के अराधना करना चाही।" 21 यीसू ह ओला कहिस, "हे नारी, मोर ऊपर बिसवास कर। ओ समय ह आही, जब मनखेमन परमेसर ददा के अराधना न तो ये पहाड़ ऊपर करहीं अऊ न ही यरूसलेम म। 22 तुमन सामरीमन जेकर अराधना करथव, ओला तुमन नइं जानव; हमन यहूदीमन जेकर अराधना करथन, ओला हमन जानथन, काबरकि उद्धार के संदेस ह यहूदीमन के जरिये आही। 23 पर ओ समय ह आवत हवय, अऊ अब आ गे हवय, जब सही भक्ति करइयामन परमेसर ददा के भक्ति आतमा अऊ सच्चई ले करहीं। काबरकि परमेसर ददा ह अइसने भक्ति करइयामन ला चाहथे। 24 परमेसर ह आतमा अय, अऊ ये जरूरी अय कि ओकर भक्ति करइयामन आतमा अऊ सच्चई ले ओकर भक्ति करंय।" 25 तब ओ माईलोगन ह कहिस, "मेंह जानत हंव कि मसीह (जऊन ला ख्रिस्त कहे जाथे) अवइया हवय। जब ओह आही, त हमन ला जम्मो बातमन ला बताही।" 26 तब यीसू ह ओला कहिस, "मैं जऊन ह तोर ले गोठियावत हंव, ओहीच अंव।" 27 ओतकी बेरा यीसू के चेलामन लहुंटके आईन अऊ ये देखके अचरज करे लगिन कि यीसू ह एक माईलोगन ले गोठियावत हवय। पर एको झन ओकर ले ये नइं पुछिन, "तेंह का चाहथस?" या "तेंह ओकर ले काबर गोठियावत हस?" 28 तब ओ माईलोगन ह अपन घघरी ला उहां छोंड़ दीस अऊ सहर म वापिस जाके मनखेमन ला कहिस, 29 "आवव, अऊ ओ मनखे ला देखव, जऊन ह ओ जम्मो बात बता दीस, जेला मेंह करे हवंव। ओह मसीह हो सकथे।" 30 मनखेमन सहर ले निकलके यीसू करा आवन लगिन। 31 ये दरमियान यीसू के चेलामन ओकर ले बिनती करिन, "हे रब्बी, कुछू खा ले।" 32 पर यीसू ह ओमन ला कहिस, "मोर करा खाय बर अइसने भोजन हवय, जेकर बारे म तुमन कुछू नइं जानत हव।" 33 तब चेलामन एक-दूसर ले पुछे लगिन, "का कोनो एकर बर कुछू खाय बर लाय हवय?" 34 यीसू ह ओमन ला कहिस, "मोर भोजन ये अय कि मेंह अपन पठोइया परमेसर के ईछा ला पूरा करंव अऊ ओ काम ला पूरा करंव, जऊन ला ओह मोला दे हवय। 35 का तुमन ये नइं कहव, 'फसल ला पके बर अभी चार महिना बांचे हवय, तब लुवई सुरू होही।' अपन चारों कोति देखव—मनखेमन के आतमा के खेत ला, जऊन ह लुवई बर तियार हवय। 36 ओ मनखे जऊन ह फसल लूथे, ओला ओकर बनी मिलथे अऊ ओह परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी बर फर संकेलथे, ताकि बोवइया अऊ लुवइया दूनों मिलके खुसी मनावंय। **(aiōnios g166)** 37 एकरसेति ये कहावत ह सही ए, 'कोनो बोथे, त कोनो आने ओला लूथे।' 38 मेंह तुमन ला उहां फसल लुए बर पठोएंव, जिहां तुमन नइं बोए रहेव; आने मन उहां कठोर मेहनत करिन, अऊ तुमन ला ओमन के मेहनत के फर मिलिस।" 39 ओ सहर के बहुंत सामरी मनखेमन यीसू ऊपर बिसवास करिन, काबरकि ओ माईलोगन ह ये बताय रिहिस, "ओह मोला ओ जम्मो बात बता दीस, जेला मेंह करे हवंव।" 40 एकरसेति जब ओ सामरी मनखेमन यीसू करा आईन, त ओमन यीसू ले बिनती करिन, "हमर संग रही जा।" अऊ यीसू ह उहां दू दिन रिहिस। 41 ओकर बचन ला सुनके अऊ बहुंत झन ओकर ऊपर बिसवास

करिन। 42 ओमन ओ माईलोगन ला कहिन, "अब हमन सिरिप
तोर कहे ले ही बिसवास नइं करथन, पर हमन खुदे ओकर बात
ला सुने हवन, अऊ हमन जान गे हवन कि ओह सही म संसार के
उद्धार करइया अय।" 43 दू दिन के बाद, यीसू ह उहां ले गलील
प्रदेस ला चल दीस। 44 (काबरकि यीसू खुदे कहे रिहिस कि एक
अगमजानी ला ओकर खुद के देस म आदरमान नइं मिलय।) 45
जब ओह गलील प्रदेस म आईस, त गलील के मनखेमन ओकर
सुवागत करिन, काबरकि ओमन फसह तिहार के बखत यरूसलेम गे
रिहिन अऊ ओमन ओ जम्मो बात ला देखे रिहिन, जऊन ला यीसू
ह उहां तिहार के बखत करे रिहिस। 46 यीसू ह एक बार फेर गलील
के काना सहर म गीस, जिहां ओह पानी ला अंगूर के मंद बनाय
रिहिस। एक साही अधिकारी रिहिस, जेकर बेटा ह कफरनहूम
सहर म बेमार पड़े रहय। 47 जब ये अधिकारी ह सुनिस कि यीसू ह
यहूदिया प्रदेस ले गलील म आय हवय, त ओह ओकर करा गीस
अऊ बिनती करिस कि ओह आके ओकर बेटा ला चंगा कर देवय,
जऊन ह मरइया रिहिस। 48 यीसू ह ओला कहिस, "जब तक तुमन
चिनहां अऊ चमतकार नइं देखहू, तब तक बिसवास नइं करव।"
49 ओ अधिकारी ह कहिस, "हे महाराज, एकर पहिली कि मोर
लइका ह मर जावय, तेंह जल्दी चल।" 50 यीसू ह ओला कहिस,
"तेंह जा। तोर बेटा ह जीयत हवय।" ओ मनखे ह यीसू के बात ला
बिसवास करके उहां ले चल दीस। 51 जब ओह अपन घर जावत
रिहिस, त रसता म ओकर सेवकमन मिलिन अऊ ओला बताईन,
"तोर बेटा ह जीयत हवय।" 52 ओह ओमन ले पुछिस, "कतेक बेरा
ओह बने होईस?" ओमन कहिन, "कल मंझन के एक बजे ओकर
जर ह उतर गीस।" 53 तब ओ लइका के ददा ह सुरता करिस कि
येह तो ओहीच बेरा ए, जब यीसू ह ओला कहे रिहिस, "तोर बेटा ह
जीयत हवय।" तब ओह अऊ ओकर घराना के जम्मो झन यीसू
ऊपर बिसवास करिन। 54 येह दूसरा अचरज के चिनहां रिहिस
जऊन ला यीसू यहूदिया प्रदेस ले आके गलील प्रदेस म करिस।

5 एकर बाद, यहूदीमन के एक तिहार होईस, जेकर कारन यीसू ह
यरूसलेम गीस। 2 यरूसलेम म भेड़ दुवार के लकठा म एक ठन
पानी के कुन्ड हवय, जऊन ला इबरानी म बेतहसदा कहिथें। ओकर
चारों कोति पांच ठन खुला परछी हवय। 3 ओमा कतको बेमार,
अंधरा, खोरवा अऊ लूलवा मनखेमन (पानी के हाले के आसा म)
पड़े रहंय। 4 एक ठहिराय समय म परभू के स्वरगदूत ह खाल्हे
उतरय अऊ पानी ला हलाय करय। पानी के हालते ही जऊन बिमरहा
ह सबले पहिली ओ कुन्ड म उतरे, ओह चंगा हो जावय, चाहे ओकर
कोनो भी बेमारी होवय। 5 उहां एक मनखे रहय, जऊन ह अड़तीस
साल ले बेमारी म पड़े रहय। 6 जब यीसू ह ओला उहां पड़े देखिस
अऊ ये जानिस कि ओह बहुंत दिन ले ये दसा म हवय, त यीसू ह
ओकर ले पुछिस, "का तेंह बने होय बर चाहथस?" 7 ओ बिमरहा
मनखे ह यीसू ला कहिस, "हे परभू! मोर करा इहां कोनो नइं ए कि
जब पानी ह हलाय जाथे, त मोला कुन्ड म उतारे, अऊ जब मेंह
उतरे के कोसिस करथंव, त कोनो आने मोर ले आघू कुन्ड म उतर
जाथे।" 8 तब यीसू ह ओला कहिस, "उठ! अपन खटिया ला उठा
अऊ रेंग।" 9 तुरते ओ मनखे ह बने हो गीस; ओह अपन खटिया
ला उठाईस अऊ चले-फिरे लगिस। जऊन दिन ये काम होईस, ओह
यहूदीमन के बिसराम दिन रिहिस। 10 एकरसेति यहूदी अगुवामन
ओ मनखे, जऊन ह बने होय रिहिस, ओला कहिन, "आज बिसराम
के दिन ए, अऊ आज के दिन खटिया ला उठई हमर कानून के
बिरूध ए।" 11 पर ओह ओमन ला ये जबाब दीस, "जऊन ह
मोला बने करिस, ओह मोला कहिस, 'अपन खटिया ला उठा अऊ
रेंग।'" 12 ओमन ओकर ले पुछिन, "ओह कोन मनखे ए, जऊन ह
तोला कहिस कि अपन खटिया उठा अऊ रेंग?" 13 पर जऊन
मनखे ह बने होय रिहिस, ओह ये नइं जानत रिहिस कि ओला कोन
ह बने करिस, काबरकि ओ जगह म मनखेमन के भीड़ रहय अऊ
यीसू ह उहां ले निकल गे रहय। 14 बाद म, यीसू ओला मंदिर म
भेंटिस, त ओला कहिस, "देख, तेंह अब बने हो गे हवस। अब पाप
झन करबे, नइं तो एकर ले भारी बिपत्ति तोर ऊपर पड़ सकथे।" 15
ओ मनखे ह जाके यहूदी अगुवामन ला बताईस कि जऊन मनखे ह
मोला बने करिस, ओह यीसू ए। 16 यीसू ह ये काममन ला यहूदीमन
के बिसराम दिन म करत रिहिस, एकरसेति यहूदी अगुवामन यीसू
ला सताय लगिन। 17 यीसू ह ओमन ला कहिस, "मोर ददा ह हमेसा
अपन काम करत हवय, अऊ मेंह घलो काम करत हवंव।" 18
एकरे कारन यहूदीमन यीसू ला मार डारे के अऊ कतको उपाय करे
लगिन, काबरकि यीसू ह न सिरिप बिसराम दिन के कानून ला टोरत
रिहिस, पर ओह परमेसर ला अपन खुद के ददा कहिके, अपनआप
ला परमेसर के बरोबर घलो रखत रिहिस। 19 यीसू ह ओमन ला
कहिस, "मेंह तुमन ला सच कहथंव; बेटा ह अपनआप ले कुछू नइं
कर सकय; ओह सिरिप ओही ला करथे, जऊन ला ओह अपन ददा
ला करत देखथे। जऊन कुछू ददा ह करथे, बेटा ह घलो वइसने
करथे। 20 काबरकि ददा ह बेटा ला मया करथे अऊ जऊन कुछू
ओह करथे, ओ जम्मो ला अपन बेटा ला देखाथे। एकर ले घलो बड़े
काम ओह ओला देखाही ताकि तुमन अचम्भो करव। 21 काबरकि
जइसने ददा ह मरे मनखे ला जियाथे अऊ ओमन ला जिनगी देथे,
वइसनेच बेटा ह घलो जऊन ला चाहथे, ओला जिनगी देथे। 22 ददा
ह काकरो नियाय नइं करय, पर ओह नियाय करे के जम्मो अधिकार
अपन बेटा ला सऊंप दे हवय, 23 ताकि जम्मो मनखे जइसने ददा के
आदर करथें, वइसनेच बेटा के घलो आदर करंय। जऊन ह बेटा के
आदर नइं करय, ओह ददा के घलो आदर नइं करय, जऊन ह बेटा
ला पठोय हवय। 24 "मेंह तुमन ला सच कहत हंव, जऊन ह मोर
बचन ला सुनथे, अऊ मोर पठोइया के ऊपर बिसवास करथे, ओकर

करा परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी हवय; ओह दंड के भागी नइं होवय; ओह मिरतू ले पार होके जिनगी पा चुके हवय। (aiōnios g166) 25 मेंह तुमन ला सच कहत हंव, ओ समय ह आवत हे, अऊ आ गे हवय, जब मरे मनखेमन परमेसर के बेटा के अवाज ला सुनहीं, अऊ जऊन मन येला सुनहीं, ओमन जिनगी पाहीं। 26 काबरकि जइसने ददा ह अपन म जिनगी रखथे; ओही किसम ले, ओह बेटा ला घलो अधिकार दे हवय कि ओह अपन म जिनगी रखय। 27 अऊ मनखे के बेटा होय के कारन, ओला नियाय करे के अधिकार घलो दे हवय। 28 "ये बात ले अचम्भो झन करव, काबरकि ओ समय ह आवत हे, जब कबर के जम्मो मरे मनखेमन ओकर अवाज ला सुनहीं 29 अऊ बाहिर निकल आहीं; जऊन मन भलई करे हवंय, ओमन जिनगी पाय बर जी उठहीं, अऊ जऊन मन कुकरम करे हवंय, ओमन सजा पाय बर जी उठहीं। 30 मेंह अपनआप ले कुछू नइं कर सकंव। जइसने परमेसर ह मोला कहिथे, वइसने मेंह नियाय करथंव, अऊ मोर नियाय ह सही अय, काबरकि मेंह अपनआप ला खुस करे के कोसिस नइं करंव, पर ओला खुस करथंव, जऊन ह मोला पठोय हवय। 31 "यदि मेंह अपन बारे म खुद गवाही देथंव, त मोर गवाही ह सही नो हय। 32 पर एक झन अऊ हवय, जऊन ह मोर बारे म गवाही देथे, अऊ मेंह जानत हंव कि मोर बारे म ओकर गवाही ह सही ए। 33 "तुमन यूहन्ना करा अपन संदेसियामन ला पठोय रहेव अऊ ओह सच्चई के गवाही दे हवय। 34 अइसने बात नो हय कि मेंह मनखे के गवाही चाहत हंव; पर मेंह ये बात एकरसेति कहत हंव कि तुम्हर उद्धार होवय। 35 यूहन्ना ह एक ठन दीया के सही रिहिस, जऊन ह बरिस अऊ अंजोर दीस, अऊ तुमन ला ओकर अंजोर म कुछू समय तक आनंद मनई बने लगिस। 36 "पर मोर करा यूहन्ना के देय गवाही ले घलो बड़े गवाही हवय। जऊन काम ला ददा ह मोला पूरा करे बर देय हवय, अऊ जऊन ला मेंह करत हवंव, ओ काममन खुदे गवाही देथें कि ददा ह मोला पठोय हवय। 37 ददा, जऊन ह मोला पठोय हवय, ओह खुद मोर बारे म गवाही देय हवय। तुमन ओकर अवाज ला कभू नइं सुनेव अऊ न ही ओकर रूप ला देखे हवव, 38 अऊ न ही ओकर बचन तुम्हर हिरदय म रहिथे, काबरकि जऊन ला ओह पठोईस, ओकर ऊपर तुमन बिसवास नइं करेव। 39 तुमन परमेसर के बचन ला लगन ले पढ़थव, काबरकि तुमन सोचथव कि ओमा तुमन ला परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी मिलही; येह परमेसर के ओही बचन अय, जऊन ह मोर बारे म गवाही देथे। (aiōnios g166) 40 तभो ले तुमन जिनगी पाय बर मोर करा नइं आय चाहव। 41 "मेंह मनखेमन ले महिमा पाय बर नइं चाहंव, 42 पर मेंह जानत हंव कि तुम्हर हिरदय म परमेसर बर मया नइं ए। 43 मेंह अपन ददा परमेसर के नांव म आय हवंव, अऊ तुमन मोला गरहन नइं करव; पर यदि कोनो आने मनखे अपन खुद के नांव म आही, त तुमन ओला गरहन कर लूहू। 44 तुमन एक-दूसर ले महिमा पाय बर चाहथव, अऊ ओ महिमा जऊन ह सिरिप परमेसर करा ले आथे, ओला पाय के कोनो कोसिस नइं करव; तब तुमन कइसने बिसवास कर सकथव? 45 "ये झन सोचव कि मेंह ददा के आघू म तुम्हर ऊपर दोस लगाहूं। ओह मूसा ए, जऊन ह तुम्हर ऊपर दोस लगाथे, जेकर ऊपर तुमन अपन आसा रखे हवव। 46 यदि तुमन मूसा ऊपर बिसवास करे होतेव, त मोर ऊपर घलो बिसवास करतेव, काबरकि ओह मोर बारे म लिखे हवय। 47 जब तुमन मूसा के लिखे ओ बातमन ला बिसवास नइं करव, तब तुमन मोर बात ला कइसने बिसवास करह?"

6 एकर बाद, यीसू ह गलील के झील के ओ पार गीस। (गलील के झील ला तिबिरियास के झील घलो कहिथें।) 2 अऊ एक बड़े भीड़ ओकर पाछू हो लीस, काबरकि मनखेमन ओ अचरज के चिनहांमन ला देखे रिहिन, जऊन ला ओह बिमरहामन ला बने करे के दुवारा देखाय रिहिस। 3 तब यीसू ह पहाड़ी ऊपर गीस अऊ अपन चेलामन संग उहां बईठ गीस। 4 यहूदीमन के फसह तिहार ह लकठा आवत रहय। 5 जब यीसू ह आंखी उठाके देखिस, त मनखेमन के एक बड़े भीड़ ओकर कोति आवत रहय। तब ओह फिलिप्पुस ला कहिस, "ये मनखेमन ला खवाय बर हमन कहां ले रोटी बिसोबो?" 6 यीसू ह ओला सिरिप परखे बर ये बात ला पुछिस, काबरकि ओह पहिली ले जानत रहय कि ओह का करइया रिहिस। 7 फिलिप्पुस ह जबाब देके कहिस, "यदि दू सौ दीनार के रोटी बिसोथन, तभो ले येमा के हर एक मनखे ला मुसकुल से एक-एक कऊंरा मिलही।" 8 ओकर एक आने चेला, सिमोन पतरस के भाई अन्द्रियास ह ओला कहिस, 9 "इहां एक झन छोकरा हवय, जेकर करा जवांर के पांच रोटी अऊ दू ठन मछरी हवय; पर अतेक झन बर येह कुछू नो हय?" 10 यीसू ह कहिस, "मनखेमन ला बईठा देववा।" ओ जगह म अब्बड़ कांदी रहय। तब जम्मो मनखेमन बईठ गीन; उहां करीब पांच हजार आदमीमन रिहिन। 11 तब यीसू ह रोटी ला लीस अऊ परमेसर ला धनबाद देके उहां बईठे मनखेमन ला बांट दीस, अऊ वइसनेच ओह मछरीमन ला घलो बांट दीस। ओमन जतकी चाहिन, ओह ओमन ला ओतकी दीस। 12 जब ओ जम्मो झन खाके अघा गीन, त यीसू ह अपन चेलामन ला कहिस, "बांचे-खुचे टुकड़ामन ला संकेल लेवव, ताकि कुछू ह बरबाद झन होवय।" 13 तब ओमन बांचे ला संकेलिन अऊ बारह ठन टुकना ओ पांच ठन जवांर के रोटी के टुकड़ा ले भर गीस, जऊन ला खवइयामन उहां छोंड़ दे रिहिन। 14 जब मनखेमन यीसू के ओ अचरज के चिनहां ला देखिन, त कहे लगिन, "येह सही म ओ अगमजानी अय, जऊन ह संसार म अवइया रिहिस।" 15 ओमन आके यीसू ला जबरदस्ती राजा बनाय के इरादा करत रिहिन; ये बात ला जानके, यीसू ह फेर एके झन पहाड़ ऊपर चल दीस। 16 जब सांझ होईस, त यीसू के चेलामन उतरके झील के तीर म गीन, 17

अऊ उहां झील के ओ पार कफरनहूम जाय बर, एक ठन डोंगा म बईठ गीन। जब ओमन जावत रिहिन, त अंधियार हो गे रहय, अऊ यीसू ह अभी तक ले ओमन करा नइं आय रहय। **18** तब एक बड़े आंधी झील के ऊपर चले लगिस, जेकर कारन पानी के बड़े-बड़े लहरा उठिस। **19** जब ओमन समुंदर म डोंगा ला खेवत-खेवत पांच-छै किलोमीटर चल दीन, त ओमन यीसू ला अपन डोंगा कोति आवत देखिन; ओह पानी ऊपर चलत रहय, अऊ ओमन डरा गीन। **20** पर यीसू ह ओमन ला कहिस, "येह में अंव, झन डरव।" **21** तब ओमन ओला डोंगा म चघाय बर चाहत रिहिन कि डोंगा ह ओ तीर म पहुंच गीस, जिहां ओमन जवइया रिहिन। **22** दूसर दिन, ओ मनखेमन के भीड़, जऊन ह समुंदर के ओ पार तीर म स्के रहय, ये देखिस कि उहां सिरिप एक ठन डोंगा रिहिस, अऊ ओमन जानत रिहिन कि यीसू ह अपन चेलामन संग ओ डोंगा म नइं गे हवय, पर चेलामन यीसू के बिगर डोंगा म चल दे रिहिन। **23** तब कुछू आने डोंगामन तिबिरियास ले ओ जगह के लकठा म आईन, जिहां परभू के धनबाद करे के बाद मनखेमन रोटी खाय रिहिन। **24** जब भीड़ ह ये देखिस कि उहां न तो यीसू हवय अऊ न ही ओकर चेलामन, त ओमन डोंगामन म चघिन अऊ यीसू के खोज म कफरनहूम गीन। **25** जब ओ मनखेमन ला यीसू ह समुंदर के ओ पार मिलिस, त ओमन ओकर ले पुछिन, "हे गुरू! तेंह इहां कब आय?" **26** यीसू ह ओमन ला कहिस, "मेंह तुमन ला सच कहथंव, तुमन मोला एकरसेति नइं खोजत हव कि तुमन अचरज के चिनहां ला देखेव, पर एकरसेति कि तुमन छकके रोटी खाय रहेव। **27** ओ भोजन बर मेहनत झन करव, जऊन ह नास हो जाथे, पर ओ भोजन बर मेहनत करव, जऊन ह परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी तक ठहिरथे, जऊन ला मनखे के बेटा ह तुमन ला दीही। काबरकि परमेसर ददा ह ओकर ऊपर अपन मंजूरी के मुहर लगाय हवय।" **(aiōnios g166)** **28** तब ओमन ओकर ले पुछिन, "परमेसर के काम करे बर, हमन का करन?" **29** यीसू ह ये जबाब दीस, "परमेसर के काम ये अय कि जऊन ला ओह पठोय हवय, ओकर ऊपर बिसवास करव।" **30** तब ओमन ओकर ले पुछिन, "तेंह हमन ला का अचरज के चिनहां देखाबे कि हमन ओला देखके तोर ऊपर बिसवास करन? तेंह का काम करबे? **31** हमर पुरखामन निरजन जगह म मन्ना खाय रिहिन; जइसने परमेसर के बचन म ये लिखे हवय: 'ओह ओमन ला खाय बर स्वरग ले रोटी दीस।'" **32** यीसू ह ओमन ला कहिस, "मेंह तुमन ला सच कहथंव कि मूसा ह तुमन ला स्वरग ले ओ रोटी नइं देय रिहिस, पर ओह मोर ददा ए, जऊन ह तुमन ला स्वरग ले सच्चई के रोटी देथे। **33** काबरकि परमेसर के रोटी ओह अय, जऊन ह स्वरग ले उतरथे अऊ संसार ला जिनगी देथे।" **34** ओमन कहिन, "हे महाराज, ओ रोटी हमन ला हमेसा देय कर।" **35** तब यीसू ह ओमन ला कहिस, "जिनगी के रोटी मेंह अंव। जऊन ह मोर करा आथे, ओह कभू भूखन नइं होवय अऊ जऊन ह मोर ऊपर बिसवास करथे, ओह कभू पीयासन नइं होवय। **36** पर जइसने मेंह तुमन ला कहेंव कि तुमन मोला देख भी ले हवव, अऊ तभो ले तुमन बिसवास नइं करथव। **37** जऊन कुछू ददा ह मोला देथे, ओ जम्मो ह मोर करा आही अऊ जऊन कोनो मोर करा आथे, मेंह ओला कभू नइं निकालंव। **38** काबरकि मेंह अपन ईछा ला नइं, पर अपन पठोइया के ईछा ला पूरा करे बर स्वरग ले उतरे हवंव। **39** अऊ मोर पठोइया के ईछा ये अय कि जऊन कुछू ओह मोला देय हवय, ओमा ले कोनो ला घलो मेंह झन गंवांवंव, पर आखिरी दिन म ओमन ला जियावंव। **40** काबरकि मोर ददा के ईछा ये अय कि जऊन कोनो बेटा ला देखथे अऊ ओकर ऊपर बिसवास करथे, ओह परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी पाही, अऊ मेंह आखिरी दिन म ओला जियाहूं।" **(aiōnios g166)** **41** तब यहूदीमन यीसू ऊपर बड़बड़ाय लगिन, काबरकि ओह ये कहे रिहिस, "मेंह ओ रोटी अंव, जऊन ह स्वरग ले उतरिस।" **42** ओमन कहिन, "का येह यूसुफ के बेटा यीसू नो हय, जेकर दाई-ददा ला हमन जानथन? तब ओह कइसने कह सकथे कि ओह स्वरग ले उतरे हवय?" **43** यीसू ह ओमन ला ये जबाब दीस, "आपस म बड़बड़ाय बर बंद करव। **44** मोर करा कोनो नइं आ सकय, जब तक ददा जऊन ह मोला पठोय हवय, ओला मोर तरफ नइं खींचय; अऊ मेंह ओला आखिरी दिन म जियाहूं। **45** अगमजानीमन के किताब म ये लिखे हवय: 'ओ जम्मो झन परमेसर के दुवारा सिखोय जाहीं।' जऊन कोनो ददा के सुनथे अऊ ओकर ले सीखथे, ओह मोर करा आथे। **46** कोनो भी ददा ला नइं देखे हवंय, सिरिप ओकर छोंड़, जऊन ह परमेसर कोति ले आय हवय, सिरिप ओहीच ह ददा ला देखे हवय। **47** मेंह तुमन ला सच कहथंव, जऊन ह बिसवास करथे, ओह परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी पाथे। **(aiōnios g166)** **48** जिनगी के रोटी मेंह अंव। **49** तुम्हर पुरखामन निरजन जगह म मन्ना खाईन, पर ओमन मर गीन। **50** पर येह ओ रोटी अय, जऊन ह स्वरग ले उतरे हवय ताकि मनखे ह येला खावय अऊ झन मरय। **51** मेंह ओ जीयत रोटी अंव, जऊन ह स्वरग ले उतरिस। यदि कोनो ये रोटी म ले खाही, त ओह सदाकाल तक जीयत रहिही। ओ रोटी जऊन ला मेंह संसार के जिनगी बर दूहूं, ओह मोर मांस ए।" **(aiōn g165)** **52** येला सुनके यहूदीमन आपस म ये कहिके बहस करे लगिन, "ये मनखे ह हमन ला अपन मांस खाय बर कइसने दे सकथे?" **53** यीसू ह ओमन ला कहिस, "मेंह तुमन ला सच कहथंव, जब तक तुमन मनखे के बेटा के मांस ला नइं खाववं अऊ ओकर लहू ला नइं पीयव, तब तक तुमन म जिनगी नइं ए। **54** जऊन कोनो मोर मांस खाथे अऊ मोर लहू पीथे, ओकर करा परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी हवय, अऊ मेंह ओला आखिरी दिन म जियाहूं। **(aiōnios g166)** **55** काबरकि मोर मांस ह सही भोजन अय अऊ मोर लहू ह सही म पीये के चीज अय। **56** जऊन

कोनो मोर मांस खाथे अऊ मोर लहू पीथे, ओह मोर म बने रहिथे, अऊ मेंह ओमा बने रहिथंव। **57** जइसने जीयत ददा ह मोला पठोईस अऊ ददा के कारन मेंह जीयत हवंव, ओहीच किसम ले जऊन ह मोला खाही, ओह मोर कारन जीयत रहिही। **58** येह ओ रोटी ए, जऊन ह स्वरग ले उतरिस। हमर पुरखामन मन्ना खाईन अऊ मर गीन, पर जऊन ह ये रोटी ला खाही, ओह सदाकाल तक जीयत रहिही।" **(aiōn g165)** **59** यीसू ह ये बातमन ला कफरनहूम के एक सभा-घर म उपदेस देवत कहिस। **60** येला सुनके, यीसू के कतको चेलामन कहिन, "ये उपदेस ला गरहन करई कठिन ए।" **61** यीसू ह अपन मन म जान डारिस कि ओकर चेलामन कुडकुडावत हवंय; एकरसेति ओह ओमन ला कहिस, "का ये बात ले तुमन ला ठेस लगथे? **62** तब तुम्हर का होही, यदि तुमन मनखे के बेटा ला जिहां ओह पहिली रिहिस, उहां ऊपर जावत देखह् त? **63** पबितर आतमा ह जिनगी देथे; मांस ले कोनो फायदा नइं होवय। जऊन बात मेंह तुमन ला कहे हवंव, ओमन आतमा अऊ जिनगी अंय। **64** पर तुमन म कुछू मनखे हवंय, जऊन मन ये बातमन ला बिसवास नइं करंय।" काबरकि यीसू ह सुरू ले जानत रिहिस कि ओमा ले कोन बिसवास नइं करंय अऊ कोन ह ओला धोखा दीही। **65** यीसू ह ये घलो कहिस, "एकरे कारन मेंह तुमन ला कहेंव कि जब तक ददा कोति ले बरदान नइं मिलय, तब तक कोनो मोर करा नइं आ सकय।" **66** एकर बाद, यीसू के कतको चेलामन ओला छोंड़के वापिस चल दीन अऊ ओकर पाछू नइं गीन। **67** तब यीसू ह बारह चेलामन ले पुछिस, "का तुमन घलो मोला छोंड़के जाय चाहत हव?" **68** सिमोन पतरस ह जबाब देके कहिस, "हे परभू, हमन काकर करा जाबो? परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी के बात तो तोर करा हवय। **(aiōnios g166)** **69** हमन बिसवास करथन अऊ जानत हवन कि तेंह परमेसर के पबितर बेटा अस।" **70** तब यीसू ह ओमन ला कहिस, "का मेंह तुमन बारहों झन ला नइं चुने हवंव? तभो ले तुमन ले एक झन सैतान ए?" **71** (यीसू ह ये बात सिमोन इस्करियोती के बेटा यहूदा के बारे म कहिस, काबरकि ओह ओ बारहों म ले ओ मनखे रहय, जऊन ह बाद म यीसू ला धोखा देवइया रिहिस।)

7 एकर बाद, यीसू ह गलील प्रदेस म एती-ओती गीस। ओह यहूदिया प्रदेस ला नइं जाय चाहत रिहिस, काबरकि यहूदीमन उहां ओला मार डारे बर बाट जोहत रिहिन। **2** पर जब यहूदीमन के पबितर-तम्बूमन के तिहार ह लकठा आईस, **3** त यीसू के भाईमन ओला कहिन, "तेंह ये जगह ला छोंड़के यहूदिया प्रदेस म चले जा, ताकि जऊन काम तेंह करथस, ओला तोर चेलामन घलो देखंय। **4** काबरकि जऊन मनखे ह नांव कमाय चाहथे, ओह गुपत म काम नइं करय। जब तेंह ये काम करथस, त अपनआप ला संसार के मनखेमन ला देखा।" **5** अऊ त अऊ ओकर खुद के भाईमन ओकर ऊपर बिसवास नइं करत रिहिन। **6** तब यीसू ह अपन भाईमन ला कहिस, "मोर बर सही समय अभी तक नइं आय हवय। तुम्हर बर कोनो घलो समय ह सही ए। **7** संसार ह तुम्हर ले बईरता नइं कर सकय, पर मोर ले बईरता रखथे, काबरकि मेंह एकर बिरोध म गवाही देथंव कि एकर काममन खराप अंय। **8** तुमन ये तिहार म जावव। मेंह अभी ये तिहार म नइं जावंव, काबरकि मोर बर अभी तक सही समय नइं आय हवय।" **9** ये कहिके, ओह गलील प्रदेस म रूक गीस। **10** पर जब यीसू के भाईमन तिहार मनाय बर चल दीन, त ओह घलो गीस, पर ओह खुलेआम नइं जाके गुपत ढंग ले उहां गीस। **11** तिहार के बखत यहूदीमन ओला खोजत रिहिन अऊ ये पुछत रिहिन, "ओ मनखे ह कहां हवय?" **12** मनखेमन के भीड़ म ओकर बारे म बहुंत कानाफूसी होवत रहय। कुछू मनखेमन कहत रिहिन, "ओह बने मनखे ए।" पर कुछू मनखेमन कहंय, "नइं, ओह मनखेमन ला धोखा देथे।" **13** पर यहूदीमन के डर के कारन, यीसू के बारे म कोनो मनखे खुलेआम कुछू नइं कहत रिहिन। **14** जब तिहार के आधा समय बीत गे, तब यीसू ह मंदिर म जाके उपदेस देवन लगिस। **15** यहूदीमन अचम्भो करके कहन लगिन, "बिगर सीखे ये मनखे ह अतेक जादा कइसने जानथे?" **16** यीसू ह ओमन ला जबाब दीस, "जऊन उपदेस मेंह देवत हंव, ओह मोर खुद के नो हय। येह ओकर करा ले आथे, जऊन ह मोला पठोय हवय। **17** जऊन ह परमेसर के ईछा म चले बर चाहथे, ओह जान डारही कि मोर उपदेस ह परमेसर कोति ले आथे या फेर मेंह अपन खुद के अधिकार ले गोठियावत हंव। **18** जऊन ह अपन खुद के अधिकार ले गोठियाथे, ओह अपन खुद के महिमा चाहथे, पर जऊन ह अपन पठोइया के महिमा चाहथे, ओह सच्चा मनखे ए, अऊ ओमा कुछू भी गलत बात नइं ए। **19** का मूसा ह तुमन ला कानून नइं देय हवय? तभो ले तुमन ले एको झन घलो ओ कानून ला नइं मानय। तुमन काबर मोला मार डारे के कोसिस करत हव?" **20** भीड़ के मनखेमन ओला जबाब दीन, "तोर म परेत आतमा हवय। कोन ह तोला मार डारे के कोसिस करत हे?" **21** यीसू ह ओमन ला कहिस, "मेंह एक ठन अचरज के काम करेंव, अऊ तुमन जम्मो झन अचम्भो करत हव। **22** मूसा ह तुमन ला खतना करे के हुकूम दीस, (असल म येह मूसा करा ले नइं आईस, पर येह कुल के मुखियामन ले चले आवत हवय), अऊ तुमन बिसराम के दिन म घलो लइका के खतना करथव। **23** यदि बिसराम के दिन म एक लइका के खतना करे जा सकथे, अऊ मूसा के कानून ह नइं टूटय, त तुमन मोर ऊपर काबर नराज होवत हव कि मेंह बिसराम के दिन म एक मनखे ला बेमारी ले पूरा ठीक कर दे हवंव? **24** मुहं देखके नियाय झन करव। पर सही-सही नियाय करव।" **25** तब यरूसलेम के कुछू मनखेमन कहन लगिन, "का येह ओ मनखे नो हय, जऊन ला मनखेमन मार डारे बर खोजत हवंय? **26** ओह इहां हवय अऊ खुल्लम-खुल्ला गोठियावत हवय, अऊ ओमन ओला कुछू नइं कहत हवंय। हो सकथे कि अधिकारीमन सही

म जान गे हवंय कि एहींच ह मसीह अय? 27 पर हमन तो जानथन
कि ये मनखे ह कहां के अय; जब मसीह ह आही, त कोनो ला पता
नइं चलही कि ओह कहां के अय।" 28 तब यीसू ह मंदिर म उपदेस
देवत पुकारके कहिस, "तुमन मोला जानथव अऊ तुमन ये घलो
जानथव कि मेंह कहां के अंव। मेंह इहां खुद नइं आय हवंव, पर
जऊन ह मोला पठोय हवय, ओह सच्चा ए। तुमन ओला नइं जानव।
29 पर मेंह ओला जानथंव काबरकि मेंह ओकर करा ले आय हवंव
अऊ ओह मोला पठोय हवय।" 30 तब ओमन ओला पकडे के
कोसिस करिन, पर कोनो ओकर ऊपर हांथ नइं लगाईन, काबरकि
ओकर समय ह अब तक नइं आय रिहिस। 31 तभो ले भीड़ म
ले बहुंत झन ओकर ऊपर बिसवास करिन। ओमन कहिन, "जब
मसीह ह आही, त का ओह ये मनखे ले बड़के अचरज के चिनहां
देखाही?" 32 फरीसीमन मनखेमन ला यीसू के बारे म अइसने
कानाफूसी करत सुनिन, त मुखिया पुरोहित अऊ फरीसीमन यीसू ला
पकडे बर मंदिर के सिपाहीमन ला पठोईन। 33 तब यीसू ह कहिस,
"मेंह तुम्हर संग सिरिप थोरकन समय तक हवंव, तब मेंह ओकर
करा चले जाहूं, जऊन ह मोला पठोय हवय। 34 तुमन मोला खोजहू,
पर मोला नइं पाहू, अऊ जिहां मेंह हवंव, उहां तुमन नइं आ सकव।"
35 यहूदीमन एक-दूसर ले कहिन, "ये मनखे ह कहां जाही कि हमन
ओला नइं पाबो? का येह हमर ओ मनखेमन करा जाही, जऊन मन
यूनानीमन के बीच म तितिर-बितिर होके रहिथें, अऊ यूनानीमन ला
घलो उपदेस दीही? 36 ओकर ये कहे के का मतलब ए, 'तुमन मोला
खोजहू, पर मोला नइं पाहू,' अऊ 'जिहां मेंह हवंव, उहां तुमन नइं
आ सकव?'" 37 तिहार के आखिरी दिन जऊन ह सबले जादा
महत्व के दिन रिहिस, यीसू ह ठाढ होईस अऊ चिचियाके कहिस,
"कहूं कोनो पीयासन हवय, त ओह मोर करा आके पीयय। 38
जऊन ह मोर ऊपर बिसवास करथे, परमेसर के बचन के कहे के
मुताबिक ओकर हिरदय ले जीयत पानी के नदी बहे लगही।" 39
यीसू ह येला ओ पबितर आतमा के बारे म कहिस, जऊन ह यीसू
ऊपर बिसवास करइयामन ला बाद म मिलने वाला रिहिस। ओ समय
तक पबितर आतमा ह नइं दिये गे रिहिस, काबरकि यीसू ह अब तक
अपन महिमा म नइं पहुंचे रिहिस। 40 ओकर ये बात ला सुनके कुछू
मनखेमन कहिन, "सही म ये मनखे ह ओ अगमजानी ए, जऊन ह
अवइया रिहिस।" 41 आने मन कहिन, "येह मसीह अय।" पर
कुछू अऊ मनखेमन कहिन, "गलील प्रदेस ले मसीह ह कइसने आ
सकथे? 42 का परमेसर के बचन म ये नइं लिखे हवय कि मसीह
ह दाऊद के बंस अऊ बैतलहम गांव ले आही, जिहां दाऊद रहत
रिहिस?" 43 ये किसम ले यीसू के कारन मनखेमन म मतभेद हो
गीस। 44 ओमा ले कुछू झन ओला पकडे चाहत रिहिन, पर कोनो
ओकर ऊपर हांथ नइं डारिन। 45 आखिर म, मंदिर के सिपाहीमन
मुखिया पुरोहित अऊ फरीसीमन करा वापिस चल दीन। तब ओमन
मंदिर के सिपाहीमन ले पुछिन, "तुमन यीसू ला पकडके काबर नइं
लानेव?" 46 सिपाहीमन जबाब दीन, "जऊन किसम ले ये मनखे
ह गोठियाथे, वइसने आज तक कोनो नइं गोठियाय हवय।" 47
फरीसीमन ओमन ला कहिन, "का ओह तुमन ला घलो भरमा दीस?
48 का अधिकारी या फरीसीमन ले कोनो ओकर ऊपर बिसवास करे
हवंय? 49 नइं न! पर ये भीड़ के मनखे, जऊन मन कानून के बारे म
कुछू नइं जानंय, ओमन सरापित अंय।" 50 निकुदेमुस जऊन ह यीसू
करा पहिली गे रिहिस अऊ अगुवामन ले एक झन रिहिस, ओमन
ला कहिस, 51 "हमर कानून के मुताबिक, हमन कोनो मनखे ला
दोसी नइं ठहिरा सकन, जब तक कि पहिली ओकर बात ला नइं
सुन लेवन अऊ ये नइं जान लेवन कि ओह का करे हवय?" 52
ओमन कहिन, "का तेंह घलो गलील प्रदेस के अस? परमेसर के
बचन म खोज, त तेंह पाबे कि गलील प्रदेस ले कोनो अगमजानी नइं
आवय।" 53 तब ओमन जम्मो झन अपन-अपन घर चल दीन।

8 पर यीसू ह जैतून पहाड़ ऊपर गीस। 2 अऊ बड़े बिहनियां ओह
फेर मंदिर म आईस। उहां जम्मो मनखेमन ओकर चारों खूंट जूर
गीन; अऊ ओह बईठके ओमन ला उपदेस देवन लगिस। 3 तब
कानून के गुरू अऊ फरीसीमन एक माईलोगन ला लानिन, जऊन ह
छिनारी म पकडे गे रिहिस। ओमन ओला ओ जम्मो झन के आघू
म ठाढ करिन अऊ यीसू ला कहिन, 4 "हे गुरू, ये माईलोगन ह
छिनारी करत पकड़े गे हवय। 5 हमर कानून म, मूसा ह हमन ला
हुकूम दे हवय कि अइसने माईलोगन ला पथरा फटिक-फटिक के
मार डारव। पर तेंह एकर बारे म का कहिथस?" 6 ओमन ये सवाल
यीसू ला फंसाय खातिर पुछत रिहिन, ताकि ओमन ला ओकर ऊपर
दोस लगाय बर एक बहाना मिल जावय। पर यीसू ह झुकिस अऊ
अपन अंगरी ले भुइयां ऊपर लिखे लगिस। 7 जब ओमन ओकर ले
बार-बार पुछे लगिन, त ओह सीधा ठाढ होईस अऊ ओमन ला
कहिस, "यदि तुमन के बीच म कोनो बिगर पाप के हवय, त ओही
ह ओला पहिली पथरा मारय।" 8 अऊ ओह फेर झुककके अपन
अंगरी ले भुइयां ऊपर लिखे लगिस। 9 जब ओमन येला सुनिन, त
जम्मो झन बड़े ले लेके छोटे तक, एक-एक करके उहां ले चल
दीन। सिरिप यीसू अऊ ओ माईलोगन जऊन ह ओकर आघू म
ठाढे रहय, उहां रही गीन। 10 तब यीसू ह सीधा ठाढ होईस अऊ
ओ माईलोगन ले पुछिस, "हे नारी, ओमन कहां गीन? का कोनो
तोला दंड नइं दीन?" 11 ओह कहिस, "हे परभू, कोनो नइं।" तब
यीसू ह कहिस, "मेंह घलो तोला दंड नइं देवंव। जा अऊ फेर पाप
झन करबे।" 12 यीसू ह मनखेमन ले फेर कहिस, "मेंह संसार के
अंजोर अंव। जऊन कोनो मोर पाछू आही, ओह अंधियार म कभू
नइं चलही, पर ओह जिनगी के अंजोर ला पाही।" 13 फरीसीमन
ओला कहिन, "तेंह अपन गवाही खुद देथस; तोर गवाही सच नो
हय।" 14 यीसू ह जबाब दीस, "यदि मेंह अपन गवाही खुद देथंव,

तभो ले मोर गवाही सच ए काबरकि मेंह जानथंव कि मेंह कहां ले आय हवंव अऊ मेंह कहां जावत हंव। पर तुमन नइं जानव कि मेंह कहां ले आय हवंव अऊ मेंह कहां जावत हंव। **15** तुमन अपन मनखे बुद्धि के मुताबिक नियाय करथव; मेंह खुद काकरो नियाय नइं करंव। **16** अऊ कहूं मेंह नियाय करंव घलो, त मोर नियाय ह सही ए, काबरकि मेंह एके झन नियाय नइं करंव, पर ददा ह मोर संग रहिथे, जऊन ह मोला पठोय हवय। **17** तुम्हर खुद के कानून म ये बात लिखे हवय कि दू झन के गवाही ह सच माने जाथे। **18** मेंह अपन गवाही खुद देथंव, अऊ मोर आने गवाह ददा ए, जऊन ह मोला पठोय हवय।" **19** तब ओमन ओकर ले पुछिन, "तोर ददा कहां हवय?" यीसू ह जबाब देके कहिस, "तुमन न तो मोला जानथव अऊ न ही मोर ददा ला। यदि तुमन मोला जानतेव, त मोर ददा ला घलो जान जातेव।" **20** यीसू ह ये बात मंदिर के अंगना म उपदेस देवत समय उहां कहिस जिहां दान के सन्दूकमन रखे रहंय। तभो ले ओला कोनो नइं पकडिन, काबरकि ओकर समय अब तक नइं आय रिहिस। **21** यीसू ह फेर ओमन ला कहिस, "मेंह जावत हंव। तुमन मोला खोजह् अऊ अपन पाप म मरह्। जिहां मेंह जावत हंव, उहां तुमन नइं आ सकव।" **22** तब यहूदीमन कहिन, "का ओह अपनआप ला मार डारही, काबरकि ओह कहत हवय, जिहां मेंह जावत हंव, उहां तुमन नइं आ सकव?" **23** यीसू ह ओमन ला कहिस, "तुमन खाल्हे के अव, अऊ मेंह ऊपर के अंव। तुमन ये संसार के अव, पर मेंह ये संसार के नो हंव। **24** एकरसेति मेंह तुमन ला कहेंव कि तुमन अपन पाप म मरह्; यदि तुमन बिसवास नइं करव कि मेंह ओही अंव, त तुमन सही म अपन पाप म मरह्।" **25** ओमन ओकर ले पुछिन, "तेंह कोन अस?" यीसू ह जबाब दीस, "मेंह ओही अंव, जऊन ला सुरू ले मेंह तुमन ला कहत आय हवंव। **26** मोला तुम्हर बारे म बहुंत बात कहना हे, अऊ तुम्हर फैसला करना हे; पर जऊन ह मोला पठोय हवय, ओह सच्चा ए, अऊ जऊन कुछू मेंह ओकर ले सुने हवंव, ओहीच बात मेंह संसार ला बतातंव।" **27** पर ओमन नइं समझिन कि यीसू ह ओमन ला अपन ददा परमेसर के बारे म कहत रिहिस। **28** तब यीसू ह कहिस, "जब तुमन मनखे के बेटा ला ऊपर चघाह्, तभे तुमन जानह् कि मेंह कोन अंव, अऊ मेंह अपनआप ले कुछू नइं करंव, पर जइसने ददा ह मोला सिखोय हवय, ओहीच बात गोठियातंव। **29** जऊन ह मोला पठोय हवय, ओह मोर संग हवय, ओह मोला अकेला नइं छोंड दे हवय, काबरकि मेंह हमेसा ओही काम करथंव, जेकर ले ओह खुस होथे।" **30** जब ओह ये बात कहिस, त बहुंत मनखेमन ओकर ऊपर बिसवास करिन। **31** जऊन यहूदीमन यीसू ऊपर बिसवास करे रिहिन, ओमन ला यीसू ह कहिस, "यदि तुमन मोर उपदेस के मुताबिक चलथव, त तुमन सही म मोर चेला अव। **32** तब तुमन सच ला जानह् अऊ सच ह तुमन ला सुतंतर करही।" **33** ओमन ओला जबाब दीन, "हमन तो अब्राहम के संतान अन अऊ कभू काकरो गुलाम नइं रहेंन। तोर ये कहे के का मतलब ए कि हमन सुतंतर हो जाबो?" **34** यीसू ह ओमन ला कहिस, "मेंह तुमन ला सच कहथंव कि जऊन ह पाप करथे, ओह पाप के गुलाम ए। **35** गुलाम ह हमेसा घर म नइं रहय, पर बेटा ह हमेसा घर म रहिथे। **(aiōn g165)** **36** एकरसेति यदि बेटा ह तुमन ला सुतंतर करही, त सही म तुमन सुतंतर हो जाह। **37** मेंह जानथंव कि तुमन अब्राहम के संतान अव। तभो ले तुमन मोला मार डारे चाहत हव, काबरकि मोर बचन बर तुम्हर हिरदय म कोनो जगह नइं ए। **38** मेंह तुमन ला ओहीच बात कहत हंव, जऊन ला मेंह अपन ददा के इहां देखे हवंव अऊ तुमन ओही करथव, जऊन ला तुमन अपन ददा ले सुने हवव।" **39** ओमन यीसू ला कहिन, "हमर पुरखा तो अब्राहम ए।" तब यीसू ह कहिस, "यदि तुमन अब्राहम के संतान होतेव, त तुमन अब्राहम के सही काम घलो करतेव। **40** पर अब तुमन मोर सही मनखे ला मार डारे चाहथव, जऊन ह परमेसर ले सुने सच बात तुमन ला बता दीस। अब्राहम ह अइसने नइं करिस। **41** तुमन अपन ददा के सही काम करत हव।" ओमन ओला कहिन, "हमन बेभिचार ले नइं जनमे हवन। हमर सिरिप एके झन ददा हवय, अऊ ओह खुद परमेसर ए।" **42** यीसू ह ओमन ला कहिस, "यदि परमेसर ह तुम्हर ददा होतिस, त तुमन मोर ले मया करतेव, काबरकि मेंह परमेसर म ले आय हवंव अऊ अब इहां हवंव। मेंह अपन खुद होके नइं आय हवंव, पर ओही ह मोला पठोय हवय। **43** तुमन मोर बात ला काबर नइं समझव? काबरकि जऊन बात मेंह कहथंव, ओला सुन नइं सकव। **44** तुमन तो अपन ददा सैतान के अव, अऊ तुमन अपन ददा के ईछा ला पूरा करे चाहथव। ओह तो सुरूच ले हतियारा रिहिस। ओह सच के रसता म नइं चलिस, काबरकि ओमा सच हवेच नइं। जब ओह लबारी गोठियाथे, त ओह अपन आदत के मुताबिक गोठियाथे, काबरकि ओह लबरा ए अऊ लबारी के ददा ए। **45** पर मेंह सच कहिथंव, तुमन मोर ऊपर बिसवास नइं करव। **46** का तुमन ले कोनो मोला पापी ठहिरा सकथे? यदि मेंह सच कहत हंव, तब तुमन मोर ऊपर काबर बिसवास नइं करव? **47** जऊन ह परमेसर के अय, ओह परमेसर के बात ला सुनथे। तुमन परमेसर के नो हव, एकरसेति तुमन ओकर बात ला नइं सुनव।" **48** यहूदीमन ओला जबाब दीन, "का हमन सही नइं कहिथन कि तेंह एक सामरी मनखे अस, अऊ तोर म परेत आतमा हवय।" **49** यीसू ह कहिस, "मोर म परेत आतमा नइं ए, पर मेंह अपन ददा के आदर करथंव, अऊ तुमन मोर निरादर करथव। **50** मेंह अपन महिमा नइं चाहंव, पर परमेसर ह मोर महिमा करे चाहथे अऊ ओही ह नियाय करथे। **51** मेंह तुमन ला सच कहथंव, यदि कोनो मोर बात ला मानही, त ओह कभू नइं मरही।" **(aiōn g165)** **52** तब यहूदीमन ओला कहिन, "अब हमन सही म जान डारेंन कि तोर म परेत आतमा हवय। अब्राहम ह मर गीस अऊ अगमजानीमन घलो मर गीन, पर तेंह

कहिथस कि यदि कोनो तोर बात ला मानही, त ओह कभू नइं मरय। (aiōn g165) 53 का तेंह हमर पुरखा अब्राहम ले बड़े अस? ओह मर गीस, अऊ अगमजानीमन घलो मर गीन। तेंह अपनआप ला का समझथस?" 54 यीसू ह जबाब दीस, "यदि मेंह अपनआप के महिमा करंव, त मोर महिमा के कुछू मतलब नो हय। पर मोर ददा ह मोर महिमा करथे, जऊन ला तुमन अपन परमेसर कहिथव। 55 तुमन ओला नइं जानव, पर मेंह ओला जानथंव। यदि मेंह कहंव कि मेंह ओला नइं जानंव, त मेंह घलो तुम्हर सही लबरा ठहिरहूं, पर मेंह ओला जानथंव अऊ ओकर बात ला मानथंव। 56 तुम्हर पुरखा अब्राहम ह मोर दिन ला देखे के आसा म आनंद मनाईस, अऊ ओह येला देखिस अऊ खुस होईस।" 57 यहूदीमन ओला कहिन, "तेंह अभी तो पचास साल के घलो नइं होय हवस, अऊ तेंह कइसने कह सकथस कि तेंह अब्राहम ला देखे हवस।" 58 यीसू ह ओमन ला कहिस, "मेंह तुमन ला सच कहथंव, अब्राहम के जनम होय के पहिली ले मेंह हवंव।" 59 येला सुनके, ओमन यीसू ला मार डारे बर पथरा उठाईन; पर यीसू ह लुकाके मंदिर ले निकल गीस।

9 जब यीसू ह जावत रिहिस, त रसता म ओह एक जनम के अंधरा मनखे ला देखिस। 2 तब ओकर चेलामन ओकर ले पुछिन, "हे गुरू, कोन ह पाप करे रिहिस कि ये मनखे ह अंधरा जनमिस, खुद ये मनखे या फेर ओकर दाई-ददा?" 3 यीसू ह कहिस, "येह एकर या एकर दाई-ददा के पाप के कारन नो हय; पर येह एकरसेति होईस कि परमेसर के काम ह एकर जिनगी म परगट होवय। 4 जऊन ह मोला पठोय हवय, ओकर काम ला दिन के रहिते-रहत हमन ला करना जस्री ए। रात आवत हे, जब कोनो मनखे काम नइं कर सकंय। 5 जब तक मेंह संसार म हवंव, तब तक मेंह संसार के अंजोर अंव।" 6 ये कहिके यीसू ह भुइयां म थूकिस, अऊ थूक ले माटी ला सानिस अऊ ओला ओ अंधरा के आंखीमन म लगाईस, 7 अऊ ओला कहिस, "जा अऊ सीलोम (एकर मतलब होथे—पठोय गेय) के कुन्ड म धो ले।" तब ओ मनखे ह कुन्ड म जाके अपन आंखीमन ला धोईस, अऊ ओह देखे लगिस, अऊ देखत वापिस आईस। 8 ओकर परोसीमन अऊ जऊन मन ओला पहिली भीख मांगत देखे रिहिन, ओमन कहिन, "का येह ओहीच मनखे नो हय, जऊन ह बईठके भीख मांगे करत रिहिस?" 9 कुछू मनखेमन कहिन, "हव, येह ओहीच अय।" आने मन कहिन, "नइं, ओह सिरिप ओकर सही दिखथे।" पर ओ मनखे ह कहिस, "मेंह ओहीच मनखे अंव।" 10 ओमन ओकर ले पुछिन, "तब तोर आंखीमन के अंधरापन ह कइसे ठीक हो गे?" 11 ओह जबाब दीस, "ओ मनखे जऊन ला यीसू कहिथें, ओह थोरकन माटी ला सानिस अऊ ओला मोर आंखीमन म लगाईस, अऊ मोला कहिस कि सीलोम के कुन्ड म जाके धो ले। तब मेंह उहां जाके अपन आंखीमन ला धोएंव अऊ तब देखन लगेंव।" 12 ओमन ओकर ले पुछिन, "ओह कहां हवय?" ओह कहिस, "मेंह नइं जानंव।" 13 ओमन ओ मनखे जऊन ह पहिली अंधरा रिहिस, ओला फरीसीमन करा लानिन। 14 जऊन दिन यीसू ह माटी सानके ओ मनखे के आंखीमन ला ठीक करे रिहिस, ओह बिसराम के दिन रिहिस। 15 एकरसेति फरीसीमन घलो ओ मनखे ले पुछिन कि कइसने ओकर आंखीमन ठीक हो गीन। ओ मनखे ह ओमन ला कहिस, "ओह मोर आंखीमन म माटी ला सानके लगाईस, अऊ मेंह आंखीमन ला धोएंव अऊ अब देखत हंव।" 16 कुछू फरीसीमन कहिन, "ओ मनखे ह परमेसर करा ले नइं आय हवय, काबरकि ओह बिसराम दिन के कानून ला नइं मानय।" पर आने मन कहिन, "एक पापी मनखे ह अइसने चमतकार के काम कइसने कर सकथे?" अऊ ओमन के बीच म फूट पड़ गीस। 17 आखिर म, ओमन फेर एक बार ओ अंधरा मनखे ले पुछिन, "ओ मनखे जऊन ह तोर आंखीमन ला ठीक करिस, ओकर बारे म तेंह का कहिथस?" ओ मनखे ह कहिस, "ओह एक अगमजानी ए।" 18 यहूदीमन अभी तक ले बिसवास नइं करत रिहिन कि ओह अंधरा रिहिस अऊ अब देखत हवय; एकरसेति ओमन ओकर दाई-ददा ला बलाके पुछिन, 19 "का येह तुम्हर बेटा ए, जऊन ला तुमन कहिथव कि येह अंधरा जनमे रिहिस? पर येह कइसने होईस कि ओह अब देखत हवय?" 20 ओकर दाई-ददा जबाब दीन, "हमन जानथन कि येह हमर बेटा ए, अऊ येह अंधरा जनमे रिहिस। 21 पर येह अब कइसने देखे लगिस या कोन ह एकर आंखीमन ला ठीक करिस, हमन नइं जानन। एकरे ले पुछव। येह लइका नो हय; येह अपन बारे म खुद बताही।" 22 ओकर दाई-ददा ये बात एकर खातिर कहिन, काबरकि ओमन ओ यहूदीमन ले डरावत रिहिन, जेमन पहिली ले ठान ले रिहिन कि यदि कोनो यीसू ला मसीह मान लीही, त ओला सभा-घर ले निकाल दिये जाही। 23 एकरसेति ओकर दाई-ददा कहिन, "येह लइका नो हय; एकरे ले पुछव।" 24 तब ओमन दूसर बार ओ मनखे ला बलाईन जऊन ह पहिली अंधरा रिहिस, अऊ ओला कहिन, "परमेसर के महिमा कर। हमन जानथन कि ओ मनखे ह पापी ए।" 25 ओह जबाब दीस, "ओह पापी ए या नो हय, मेंह नइं जानंव। पर मेंह एक बात ला जानथंव कि मेंह अंधरा रहेंव, पर अब देखत हंव।" 26 तब ओमन ओकर ले पुछिन, "ओह तोर संग का करिस? ओह तोर आंखीमन ला कइसने ठीक करिस?" 27 ओह जबाब दीस, "मेंह तुमन ला पहिलेच बता डारे हवंव अऊ तुमन नइं सुनेव। तुमन येला फेर काबर सुने चाहत हव? का तुमन घलो ओकर चेला बने बर चाहत हव?" 28 तब ओमन ओकर बेजत्ती करके कहिन, "तेंह ओकर चेला अस! हमन तो मूसा के चेला अन! 29 हमन जानथन कि परमेसर ह मूसा ले गोठियाईस, पर जहां तक ओ मनखे के बात ए, हमन ये घलो नइं जानन कि ओह कहां के अय।" 30 ओ मनखे ह जबाब दीस, "येह अचम्भो के बात ए। तुमन नइं जानव कि ओह कहां के अय, जबकि ओह मोर आंखीमन ला ठीक कर दे हवय। 31

हमन जानथन कि परमेसर ह पापीमन के नइं सुनय, पर जऊन मनखे ह परमेसर के भक्ति करथे अऊ ओकर ईछा के मुताबिक चलथे, परमेसर ह ओकर सुनथे। **32** संसार के सुरू ले लेके आज तक, ये कभू सुने म नइं आईस कि कोनो जनम के अंधरा मनखे के आंखीमन ला ठीक करिस। **(aiōn g165)** **33** यदि ये मनखे ह परमेसर करा ले नइं आय होतिस, त ओह कुछू नइं कर सकतिस।" **34** ओमन ओला कहिन, "तेंह तो पूरा पाप म जनमे हवस, अऊ तेंह हमन ला का सिखोथस!" अऊ ओमन ओला सभा-घर ले बाहिर निकाल दीन। **35** यीसू ह सुनिस कि ओमन ओ मनखे ला बाहिर निकाल दे हवंय, अऊ जब ओह ओला भेंटिस त कहिस, "का तेंह मनखे के बेटा ऊपर बिसवास करथस?" **36** ओ मनखे ह पुछिस, "ए महाराज, ओह कोन ए? मोला बता, ताकि मेंह ओकर ऊपर बिसवास करंव।" **37** यीसू ह ओला कहिस, "तेंह ओला देख डारे हस। येह ओहीच अय, जऊन ह तोर संग गोठियावत हवय।" **38** तब ओ मनखे ह कहिस, "हे परभू, मेंह बिसवास करथंव।" अऊ ओह ओकर दंडवत करिस। **39** यीसू ह कहिस, "मेंह ये संसार म मनखेमन के नियाय करे बर आय हवंव, ताकि जऊन मन अंधरा अंय, ओमन देखंय अऊ जऊन मन देखत हवंय, ओमन अंधरा हो जावंय।" **40** कुछू फरीसी, जऊन मन यीसू के संग रिहिन, जब ओमन यीसू के ये गोठ ला सुनिन, त ओकर ले पुछिन, "का तेंह ये कहिथस कि हमन घलो अंधरा अन?" **41** यीसू ह ओमन ला कहिस, "यदि तुमन अंधरा होतेव, त तुमन पाप के दोसीदार नइं होतेव, पर जब तुमन ये कहिथव कि तुमन देख सकत हव, त तुम्हर दोस ह तुमन म बने रहिथे।"

10 "मेंह तुमन ला सच कहत हंव कि जऊन मनखे ह दुवारी म ले होके भेड़ के कोठा म नइं आवय, पर कोनो आने कोति ले चघके आथे, ओह चोर अऊ डाकू अय। **2** जऊन मनखे ह दुवारी म ले होके भीतर जाथे, ओह अपन भेड़मन के चरवाहा अय। **3** ओकर बर रखवार ह दुवारी ला खोल देथे अऊ भेड़मन ओकर अवाज ला सुनथें। ओह अपन भेड़मन ला नांव लेके बलाथे अऊ ओमन ला बाहिर ले जाथे। **4** जब ओह अपन जम्मो भेड़मन ला बाहिर निकाल लेथे, तब ओह ओमन के आघू-आघू जाथे अऊ ओकर भेड़मन ओकर पाछू-पाछू चलथें, काबरकि ओमन ओकर अवाज ला चिनथें। **5** ओमन कोनो अनजान मनखे के पाछू नइं जावंय, पर ओमन ओकर ले दूरिहा भाग जाथें, काबरकि ओमन अनजान मनखे के अवाज ला नइं चिनहें।" **6** यीसू ह ओमन ला ये पटंतर कहिस, पर ओमन नइं समझिन कि ओह का कहत रिहिस। **7** एकरसेति यीसू ह ओमन ला फेर कहिस, "मेंह तुमन ला सच कहत हंव कि भेड़मन बर मेंह दुवारी अंव। **8** ओ जम्मो जऊन मन मोर पहिली आईन, ओमन चोर अऊ डाकू रिहिन, अऊ भेड़मन ओमन के नइं सुनिन। **9** दुवारी मेंह अंव, जऊन ह मोर ले होके भीतर जाही, ओह उद्धार पाही। ओह भीतर-बाहिर आय-जाय करही अऊ चारा पाही। **10** चोर ह सिरिप चोरी करे बर, हतिया करे बर अऊ नास करे बर आथे, पर मेंह एकरसेति आय हवंव, ताकि ओमन जिनगी पावंय अऊ भरपूर जिनगी पावंय। **11** "मेंं ही बने चरवाहा अंव। बने चरवाहा ह भेड़मन बर अपन परान देथे। **12** बनिहार ह न तो चरवाहा अय अऊ न तो भेड़मन के मालिक। एकरसेति जब ओह भेड़िया ला आवत देखथे, त ओह भेड़मन ला छोंड़के भाग जाथे। तब भेड़िया ह भेड़मन ऊपर झपटथे अऊ ओमन ला तितिर-बितिर कर देथे। **13** ओ मनखे ह भाग जाथे काबरकि ओह एक बनिहार ए अऊ ओला भेड़मन के कोनो फिकर नइं रहय। **14** "मेंं ही बने चरवाहा अंव; मेंह अपन भेड़मन ला जानथंव, अऊ मोर भेड़मन मोला जानथें— **15** जइसने ददा ह मोला जानथे अऊ मेंह ददा ला जानथंव—अऊ मेंह भेड़मन बर अपन परान देथंव। **16** मोर अऊ घलो भेड़ हवंय, जऊन मन ये भेड़ के कोठा म नइं एं। मोला ओमन ला घलो लाना जरूरी ए। ओमन घलो मोर अवाज ला सुनहीं; तब एके ठन झुंड अऊ एके झन चरवाहा होही। **17** मोर ददा ह मोर ले एकरसेति मया करथे, काबरकि मेंह अपन परान ला देथंव कि मेंह ओला फेर लेय लंव। **18** कोनो मोर परान नइं ले सकय; पर मेंह अपन खुद के ईछा ले येला देथंव। मोर करा ये अधिकार हवय कि मेंह अपन परान ला दे दंव अऊ ओला फेर लेय लंव। ये हुकूम मोला मोर ददा ले मिले हवय।" **19** यीसू के ये गोठ के खातिर, यहूदीमन के बीच म फेर फूट पर गीस। **20** ओमन ले कतको झन कहिन, "ओमा परेत आतमा हवय अऊ ओह बइहा ए। ओकर गोठ ला काबर सुनबो?" **21** पर आने मन कहिन, "एक परेत आतमा के धरे मनखे ह अइसने नइं गोठियावय। का एक परेत आतमा ह अंधरा के आंखीमन ला बने कर सकथे?" **22** जड़काला के समय रहय, अऊ ओ समय यरूसलेम सहर म अरपन के तिहार मनाय जावत रहय। **23** यीसू ह मंदिर के इलाका म रहय अऊ ओह सुलेमान के परछी म टहलत रहय। **24** यहूदीमन ओकर चारों खूंट जूरके ओला कहिन, "तेंह कब तक हमन ला दुबिधा म रखबे? यदि तेंह मसीह अस, त हमन ला साफ-साफ बता दे।" **25** यीसू ह जबाब देके कहिस, "मेंह तुमन ला बता डारे हवंव, पर तुमन बिसवास नइं करव। जऊन काममन ला मेंह अपन ददा के नांव म करथंव, ओही काममन मोर गवाह हवंय, **26** पर तुमन बिसवास नइं करव, काबरकि तुमन मोर भेड़ नो हव। **27** मोर भेड़मन मोर अवाज ला सुनथें; मेंह ओमन ला जानथंव, अऊ ओमन मोर पाछू-पाछू चलथें। **28** मेंह ओमन ला परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी देथंव, अऊ ओमन कभू नास नइं होहीं; अऊ ओमन ला कोनो मोर हांथ ले छीनके नइं ले जा सकय। **(aiōn g165, aiōnios g166)** **29** मोर ददा जऊन ह ओमन ला मोला दे हवय, ओह सबले बड़े अय, अऊ कोनो ओमन ला मोर ददा के हांथ ले छीन नइं सकय। **30** मेंह अऊ मोर ददा एकेच अन।" **31** यहूदीमन यीसू ला मारे बर फेर

पथरा उठाईन। 32 पर यीसू ह ओमन ला कहिस, "मेंह तुमन ला ददा
कोति ले बहुंते बने काम देखाय हवंव। येमा के कोन काम के सेति
तुमन मोर ऊपर पथरा फेंकथव?" 33 यहूदीमन ओला ये जबाब
दीन, "कोनो बने काम बर हमन तोला पथरा नइं मारत हवन, पर
परमेसर के निन्दा करे के कारन अइसने करथन, काबरकि तेंह एक
मनखे होके अपनआप ला परमेसर बनावत हस।" 34 यीसू ह जबाब
दीस, "का तुम्हर कानून म ये नइं लिखे हवय, जिहां परमेसर ह
कहिस, 'तुमन ईस्वर अव?' 35 ओह ओमन ला ईस्वर कहिस,
जेमन करा परमेसर के बचन आईस अऊ परमेसर के बचन गलत
नइं हो सकय। 36 ओकर बारे म तुमन का कहिथव, जऊन ला
ददा ह अपन खुद के रूप म अलग करिस अऊ ओला संसार म
पठोईस? तुमन ओकर ले कहिथव कि तेंह परमेसर के निन्दा करथस,
काबरकि मेंह ये कहेंव कि मेंह परमेसर के बेटा अंव। 37 यदि मेंह
अपन ददा के काममन ला नइं करत हंव, त मोर ऊपर बिसवास झन
करव। 38 पर यदि मेंह ओ काममन ला करथंव, त चाहे तुमन मोर
ऊपर बिसवास झन करव, पर मोर काम ऊपर तो बिसवास करव,
ताकि तुमन जान सकव अऊ समझ सकव कि ददा ह मोर म हवय
अऊ मेंह ददा म हवंव।" 39 तब ओमन फेर यीसू ला पकडे के
कोसिस करिन, पर ओह ओमन के हांथ ले बचके निकल गीस। 40
तब यीसू ह यरदन नदी के ओ पार वापिस ओ जगह म गीस, जिहां
यूहन्ना ह पहिली बतिसमा देवत रिहिस। अऊ ओह उहां रूक गीस।
41 बहुंते मनखेमन ओकर करा आईन अऊ ओमन कहिन, "हालाकि
यूहन्ना ह कोनो चमतकार के काम नइं देखाईस, पर जऊन बात
यूहन्ना ह ये मनखे के बारे म कहिस, ओ जम्मो बात सच रिहिस।"
42 अऊ उहां बहुंते मनखेमन यीसू ऊपर बिसवास करिन।

11 लाजर नांव के एक मनखे बेमार रहय। ओह, मरियम अऊ
ओकर बहिनी मारथा के गांव बैतनियाह के रहय। 2 येह
ओहीच मरियम रिहिस, जऊन ह परभू ऊपर इतर तेल ला ढारके
ओकर गोड़मन ला अपन बाल ले पोंछे रिहिस; एकरे भाई लाजर ह
बेमार रहय। 3 एकरसेति ओ दूनों बहिनी यीसू करा ये खबर पठोईन,
"हे परभू, जेकर ले तेंह मया करथस, ओह बेमार हवय।" 4 जब
यीसू ह येला सुनिस, त ओह कहिस, "ये बेमारी ले ओकर मिरतू नइं
होवय। ये बेमारी ह परमेसर के महिमा खातिर अय, ताकि एकर
दुवारा परमेसर के बेटा के महिमा होवय।" 5 यीसू ह मारथा अऊ
ओकर बहिनी मरियम, अऊ लाजर ले मया करय। 6 तभो ले जब
ओह सुनिस कि लाजर ह बेमार हवय, त ओह जिहां रहय, उहां दू
दिन अऊ रूक गीस, 7 अऊ तब ओह अपन चेलामन ला कहिस,
"आवव, हमन यहूदिया प्रदेस ला वापिस चलन।" 8 चेलामन ओला
कहिन, "हे गुरू, थोरकन देर पहिली यहूदीमन तोर ऊपर पथरा
फेंके बर चाहत रिहिन, अऊ तभो ले तेंह उहां वापिस जावत हस।"
9 यीसू ह जबाब दीस, "का दिन म बारह घंटा नइं होवय? यदि
कोनो मनखे दिन म चलय, त ओह ठोकर नइं खावय, काबरकि
ओह ये संसार के अंजोर ला देखथे। 10 पर यदि कोनो मनखे रात
म चलथे, त ओह ठोकर खाथे, काबरकि ओकर करा अंजोर नइं
रहय।" 11 ये कहे के बाद, यीसू ह ओमन ला ये घलो कहिस,
"हमर संगी लाजर ह सुत गे हवय; पर मेंह उहां ओला जगाय बर
जावत हवंव।" 12 ओकर चेलामन कहिन, "हे परभू, यदि ओह
सुतत हवय, त ओह बने हो जाही।" 13 यीसू ह ये बात लाजर के
मिरतू के बारे म कहत रिहिस, पर ओकर चेलामन ये समझिन कि
ओह नींद म सोय के बारे म कहत हवय। 14 तब यीसू ह ओमन ला
साफ-साफ बताईस, "लाजर ह मर गे हवय। 15 तुम्हर हित म,
मोला खुसी हवय कि मेंह उहां नइं रहंय। एकरे कारन तुमन मोर
ऊपर बिसवास करे बर सीखह्। पर अब आवव, हमन ओकर करा
चलन।" 16 तब थोमा जऊन ला दिदुमुस घलो कहे जावय, अपन
संगी चेलामन ला कहिस, "आवव, हमन घलो चलके ओकर संग
मरन।" 17 जब यीसू उहां हबारिस, त ओला पता चलिस कि लाजर
के लास ला कबर म रखे चार दिन हो गे हवय। 18 बैतनियाह गांव
ह यरूसलेम सहर ले लगभग तीन किलोमीटर के दूरिहा म रहय।
19 अऊ कतको यहूदीमन मारथा अऊ मरियम ला ढाढस बंधाय
बर आय रहंय, काबरकि ओ दूनों के भाई ह मर गे रहय। 20 जब
मारथा ह सुनिस कि यीसू ह आवत हवय, त ओह ओकर ले भेंट
करे बर गीस, पर मरियम ह घरेच म बईठे रहय। 21 मारथा ह
यीसू ला कहिस, "हे परभू, कहूं तेंह इहां होते, त मोर भाई ह नइं
मरतिस। 22 पर अभी घलो मेंह जानथंव कि जऊन कुछू तेंह परमेसर
ले मांगबे, ओह तोला दीही।" 23 यीसू ह ओला कहिस, "तोर
भाई ह फेर जी उठही।" 24 त मारथा ह कहिस, "मेंह जानथंव कि
आखिरी दिन म, जब मरे मनखेमन जी उठहीं, त ओह घलो जी
उठही।" 25 यीसू ह ओला कहिस, "मेंह मरे मन ला जियाथंव अऊ
जिनगी देथंव। जऊन ह मोर ऊपर बिसवास करथे, कहूं ओह मर
घलो जावय, तभो ले ओह जीयत रहिही, 26 अऊ जऊन ह जीयथे
अऊ मोर ऊपर बिसवास करथे, ओह परमेसर के संग सदाकाल तक
जीही। का तेंह ये बात ला बिसवास करथस?" (aiōn g165) 27
मारथा ह ओला कहिस, "हां परभू, मेंह बिसवास करथंव कि तेंह
परमेसर के बेटा मसीह अस, जऊन ह संसार म अवइया रिहिस।"
28 ये कहे के बाद, मारथा ह वापिस चल दीस अऊ अपन बहिनी
मरियम ला बलाके चुपेचाप कहिस, "गुरूजी ह इहां हवय अऊ
तोला बलावत हवय।" 29 येला सुनके, मरियम ह तुरते उठिस अऊ
यीसू करा गीस। 30 यीसू ह अभी तक ले गांव के भीतर नइं आय
रिहिस, पर ओह ओही ठऊर म रहय, जिहां मारथा ह ओकर ले
भेंट करे रिहिस। 31 ओ यहूदी जऊन मन मरियम के संग घर म
रिहिन अऊ ओला ढाढस देवत रिहिन, जब ओमन उहां ये देखिन
कि कइसने ओह तुरते उठिस अऊ बाहिर चल दीस, त ओमन ये

सोचके ओकर पाछू-पाछू गीन कि ओह कबर म रोये बर जावत होही। 32 जब मरियम ह ओ ठऊर म आईस जिहां यीसू ह रिहिस अऊ ओला देखिस, त ओह यीसू के गोड़ खाल्हे गिरके कहिस, "हे परभू, यदि तेंह इहां होते, त मोर भाई ह नइं मरतिस।" 33 जब यीसू ह ओला अऊ जऊन यहूदीमन ओकर संग आय रिहिन, ओमन ला घलो रोवत देखिस, त आतमा म बहुंत उदास अऊ बियाकुल होईस, 34 अऊ ओह ओमन ले पुछिस, "तुमन ओला कहां रखे हवव?" ओमन ओला कहिन, "हे परभू, चलके देख ले।" 35 यीसू ह रोवन लगिस। 36 तब यहूदीमन कहिन, "देखव, ओह ओकर ले कतेक मया करत रिहिस!" 37 पर ओमा ले कुछू मनखेमन कहिन, "येह अंधरा के आंखी ला बने करिस, पर येह का अतका नइं कर सकिस कि ये मनखे ह नइं मरतिस?" 38 यीसू ह फेर बहुंत उदास होके कबर करा आईस। ओ कबर ह एक खोड़रा म रिहिस, जेकर मुंहाटी म एक ठन बड़े पथरा रखे रहय। 39 यीसू ह कहिस, "पथरा ला टारव।" तब मरे मनखे के बहिनी मारथा ह कहिस, "पर हे परभू, अब ओमा ले बास आवत होही, काबरकि ओला कबर म रखे चार दिन हो गे हवय।" 40 तब यीसू ह कहिस, "का मेंह तोला नइं कहे रहेंव कि यदि तेंह बिसवास करबे, त परमेसर के महिमा ला देखबे?" 41 तब मनखेमन ओ पथरा ला टारिन अऊ यीसू ह ऊपर कोति देखिस अऊ कहिस, "हे ददा, मेंह तोला धनबाद देवत हंव कि तेंह मोर पराथना ला सुन ले हवस। 42 मेंह जानथंव कि तेंह हमेसा मोर पराथना ला सुनथस, पर मेंह ये बात इहां ठाढ़े मनखेमन के सेति कहेंव कि ओमन बिसवास करंय कि तेंह मोला पठोय हवस।" 43 ये कहे बाद, यीसू ह चिचियाके कहिस, "हे लाजर, बाहिर निकल आ।" 44 ओ मरे मनखे ह कबर ले बाहिर निकल आईस। ओकर हांथ अऊ गोड़मन म मलमल कपड़ा के पट्टी लपटाय रहय अऊ ओकर चेहरा म घलो एक कपड़ा लपटाय रहय। यीसू ह मनखेमन ला कहिस, "ओकर कबर के कपड़ा ला खोल दव अऊ ओला जावन देवव।" 45 यहूदीमन ले बहुंते झन, जऊन मन मरियम करा आय रिहिन अऊ यीसू के ये काम ला देखिन, यीसू ऊपर बिसवास करिन। 46 पर ओमा ले कुछू झन फरीसीमन करा गीन अऊ यीसू ह जऊन कुछू करे रिहिस, ओमन ला बताईन। 47 तब मुखिया पुरोहित अऊ फरीसीमन धरम महासभा बलाईन अऊ सभा म ओमन पुछिन, "हमन का करत हवन? इहां ये मनखे ह बहुंते चमतकार के काम देखावत हवय। 48 यदि हमन ओला अइसनेच छोंड़ देबो, त जम्मो मनखेमन ओकर ऊपर बिसवास करे लगहीं अऊ तब रोमी मनखेमन आके हमर जगह अऊ हमर देस दूनों ला ले लीहीं।" 49 तब ओमा ले काइफा नांव के एक झन मनखे, जऊन ह ओ बछर के महा पुरोहित रिहिस, ओमन ले कहिस, "तुमन कुछू नइं जानव। 50 तुमन नइं समझत हव कि तुम्हर बर ये उचित ए कि मनखेमन खातिर एक आदमी ह मरय अऊ पूरा देस ह नास झन होवय।" 51 ओह ये बात ला अपन कोति ले नइं कहिस, पर ओ बछर के महा पुरोहित के रूप म, ओह अगमबानी करिस कि यीसू ह यहूदी जाति खातिर मरही। 52 अऊ न सिरिप यहूदी जाति खातिर पर परमेसर के तितिर-बितिर होय संतानमन खातिर घलो, कि ओमन ला संकेलके एक कर देवय। 53 ओही दिन ले ओमन यीसू ला मार डारे के उपाय करे लगिन। 54 एकर खातिर, यीसू ह यहूदीमन के बीच म खुलेआम आय-जाय ला बंद कर दीस, अऊ उहां ले निरजन प्रदेस के लकठा के एफ्रैम नांव के एक गांव म चल दीस अऊ उहां अपन चेलामन संग रहे लगिस। 55 जब यहूदीमन के फसह तिहार लकठा आईस, त बहुंत मनखेमन देहात ले यरूसलेम सहर ला गीन, ताकि ओमन उहां अपनआप ला फसह तिहार के पहिली सुध करंय। 56 ओमन यीसू ला खोजत रहंय अऊ मंदिर के अंगना म ठाढ़ होके एक-दूसर ला कहे लगिन, "तोर का बिचार ए? का ओह तिहार म नइं आही?" 57 पर मुखिया पुरोहित अऊ फरीसीमन ये हुकूम दे रिहिन कि कहूं कोनो ला ये पता चलथे कि यीसू ह कहां हवय, त ओह आके बतावय ताकि ओमन यीसू ला पकड़ सकंय।

12 फसह तिहार के छै दिन पहिली यीसू ह बैतनियाह गांव म आईस, जिहां लाजर ह रहत रहय, जऊन ला यीसू ह मरे म ले जियाय रिहिस। 2 उहां यीसू के आदर म एक भोज तियार करे गीस। मारथा ह सेवा करत रहय, अऊ लाजर ह ओमन ले एक झन रहय, जऊन ह यीसू के संग खावत रहय। 3 तब मरियम ह सुध गुलमेंहदी के करीब आधा लीटर बहुंत मंहगा इतर तेल लीस अऊ यीसू के गोड़मन ऊपर ढारिस, अऊ ओह ओकर गोड़मन ला अपन बाल ले पोंछिस। ओ घर ह इतर के महक ले भर गीस। 4 पर यहूदा इस्करियोती नांव के यीसू के एक चेला, जऊन ह पाछू ओला दगा देवइया रहय, कहिस, 5 "ये इतर तेल ला बेचके, पईसा ला गरीबमन ला काबर नइं बांटे गीस? येह तीन सौ दीनार के होय रहितिस।" 6 ओह ये बात एकरसेति नइं कहिस कि ओह गरीबमन के फिकर करय, पर ओह एकरसेति कहिस, काबरकि ओह चोर रिहिस। ओकर करा रूपिया-पईसा के थैली रहय, अऊ जऊन कुछू ओमा डाले जावय, ओमा ले ओह निकाल लेवत रिहिस। 7 यीसू ह कहिस, "ओला छोंड़ देवव। ओह मोर गाड़े जाय के दिन बर इतर तेल ला लगाय हवय। 8 गरीबमन तो हमेसा तुम्हर संग रहिहीं, पर मेंह हमेसा तुम्हर संग नइं रहंव।" 9 इही बीच म, यहूदीमन के एक बड़े भीड़ ला पता चलिस कि यीसू ह बैतनियाह गांव म हवय, त ओमन सिरिप ओकर खातिर ही नइं, पर लाजर ला देखे बर घलो आईन, जऊन ला यीसू ह मरे म ले जियाय रिहिस। 10 तब मुखिया पुरोहितमन लाजर ला घलो मार डारे के उपाय करन लगिन। 11 काबरकि ओकर खातिर कतको यहूदीमन ओमन ला छोंड़के यीसू करा जावत रिहिन अऊ यीसू ऊपर बिसवास करत रिहिन। 12 ओकर दूसर दिन, एक बड़े भीड़ जऊन ह तिहार मनाय

बर आय रिहिस, ये सुनिस कि यीसू ह यरूसलेम आवत हवय। 13 त ओमन खजूर के डालीमन ला लेके ओकर ले भेंट करे बर गीन अऊ चिचिया-चिचियाके कहत रिहिन, "होसाना!" "धइन ए ओ, जऊन ह परभू के नांव म आथे!" "धइन ए, इसरायल के राजा!" 14 यीसू ला एक ठन गदही के बछरू मिलिस अऊ ओह ओकर ऊपर बईठ गीस, जइसने कि परमेसर के बचन म लिखे हवय: 15 "हे बेटी सियोन, झन डर; देख, तोर राजा ह गदही के बछेड़ा ऊपर बईठके आवत हवय।" 16 ओकर चेलामन पहिली ये बात ला नइं समझिन। पर जब यीसू के महिमा होईस, त ओमन सुरता करिन कि ये बातमन यीसू के बारे म लिखे गे रिहिस अऊ मनखेमन ओकर संग बचन के मुताबिक करिन। 17 मनखेमन के ओ भीड़ जऊन ह यीसू के संग ओ बखत रिहिस, जब यीसू ह लाजर ला कबर म ले बलाईस अऊ ओला मरे म ले जियाईस, ओमन ये बात के गवाही देवत रिहिन। 18 ये खातिर, बहुंते मनखेमन यीसू ले भेंट करे बर गीन, काबरकि ओमन सुने रहंय कि ओह ये चमतकार के काम करे हवय। 19 तब फरीसीमन एक-दूसर ले कहिन, "हमन कुछू नइं कर सकत हन। देखव, जम्मो संसार ह ओकर पाछू हो गे हवय।" 20 जऊन मन तिहार के समय म अराधना करे बर गे रिहिन, ओमन म कुछू यूनानी मनखे रिहिन। 21 ओमन फिलिप्पुस करा आईन, जऊन ह गलील प्रदेस के बैतसैदा सहर के रिहिस, अऊ ओकर ले बिनती करिन, "हे महाराज, हमन यीसू ला देखे बर चाहथन।" 22 फिलिप्पुस ह जाके अन्द्रियास ला कहिस, तब अन्द्रियास अऊ फिलिप्पुस जाके यीसू ला कहिन। 23 यीसू ह कहिस, "ओ समय ह आ गे हवय, जब मनखे के बेटा के महिमा होवय। 24 मेंह तुमन ला सच-सच कहथंव कि जब तक गहूं के बीजा ह भुइयां म गिरके मर नइं जावय, तब तक ओ बीजा ह सिरिप अकेला रहिथे, पर जब येह मर जाथे, त बहुंत फर देथे। 25 जऊन ह अपन परान ले मया करथे, ओह ओला गंवाही, पर जऊन ह ये संसार म अपन परान ला जादा महत्व नइं देवय, ओह ओला परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी बर बंचाके रखही। (aiōnios g166) 26 यदि कोनो मोर सेवा करथे, त ओह मोर पाछू जरूर हो लेवय; जिहां मेंह हवंव, उहां मोर सेवक ह घलो होही। यदि कोनो मोर सेवा करथे, त मोर ददा ह ओकर आदर करही। 27 "अब मोर परान ह बहुंते बियाकुल होवथे अऊ मेंह का कहंव? हे ददा, मोला ये घरी ले बचा। पर एहीच कारन बर तो मेंह ये घरी म पहुंचे हवंव। 28 हे ददा, अपन नांव के महिमा कर!" तब स्वरग ले ये अवाज आईस, "मेंह एकर महिमा करे हवंव अऊ एकर महिमा फेर करहूं।" 29 मनखेमन के जऊन भीड़ उहां ठाढ़े रिहिस, जब ओमन येला सुनिन, त कहिन कि येह बादर के गरजन रिहिस, अऊ आने मन कहिन, "एक स्वरगदूत ह ओकर ले गोठियाईस।" 30 यीसू ह कहिस, "ये अवाज ह मोर बर नइं, पर तुम्हर भलई बर होईस। 31 अब ये संसार के नियाय के समय ए; अब ये संसार के राजकुमार ला निकाल दिये जाही। 32 पर जब मेंह धरती ले ऊपर उठाय जाहूं, त जम्मो झन ला मेंह अपन तरफ खींच लूहूं।" 33 यीसू ह ये कहे के दुवारा इसारा करिस कि ओह कोन किसम ले मरइया रिहिस। 34 भीड़ के मनखेमन कहिन, "हमन मूसा के कानून ले ये बात सुने हवन कि मसीह ह सदाकाल तक रहिही। तब तेंह कइसने कहथस कि मनखे के बेटा के ऊपर उठाय जाना जरूरी ए। ये मनखे के बेटा कोन ए?" (aiōn g165) 35 तब यीसू ह ओमन ला कहिस, "अंजोर ह थोरकन समय तक तुम्हर संग म रहिही। जब तक तुम्हर करा अंजोर हवय, रेंगत रहव, नइं तो अंधियार ह तुमन ला घेर लीही। जऊन ह अंधियार म रेंगथे, ओह नइं जानय कि ओह कहां जावथे। 36 जब तक तुम्हर करा अंजोर हवय, ओमा अपन बिसवास रखव, ताकि तुमन अंजोर के संतान बन जावव।" ये कहे के बाद, यीसू ह उहां ले चल दीस अऊ अपनआप ला ओमन ले छुपाय रखिस। 37 हालाकि यीसू ह बहुंते चमतकार के काम ओमन के आघू म करे रिहिस, तभो ले ओमन ओकर ऊपर बिसवास नइं करिन। 38 जेकर ले यसायाह अगमजानी के ये बचन ह पूरा होईस: "हे परभू, हमर संदेस ऊपर कोन ह बिसवास करिस अऊ परभू के भुजबल काकर ऊपर परगट होईस?" 39 एकर कारन ओमन बिसवास नइं कर सकिन, काबरकि यसायाह ये घलो कहे हवय: 40 "परमेसर ह ओमन के आंखीमन ला अंधरा कर दे हवय, अऊ ओमन के मन ला कठोर कर दे हवय, ताकि ओमन न तो अपन आंखी ले देख सकंय, अऊ न तो अपन मन ले समझ सकंय, अऊ ओमन मोर तरफ नइं फिरंय कि मेंह ओमन ला चंगा करंव।" 41 यसायाह ये बात एकरसेति कहिस काबरकि ओह यीसू के महिमा ला देखिस अऊ ओह ओकर बारे म गोठियाईस। 42 तभो ले अगुवामन ले बहुंते झन यीसू ऊपर बिसवास करिन। पर फरीसीमन के कारन ओमन अपन बिसवास ला खुलेआम नइं मानिन। ओमन डरत रहंय कि ओमन ला यहूदीमन के सभा-घर ले निकाल दिये जाही। 43 ओमन ला परमेसर के परसंसा करई ले मनखे के परसंसा करई जादा बने लगिस। 44 तब यीसू ह चिचियाके कहिस, "जऊन ह मोर ऊपर बिसवास करथे, ओह न सिरिप मोर ऊपर बिसवास करथे, पर ओह ओकर ऊपर घलो बिसवास करथे, जऊन ह मोला पठोय हवय। 45 अऊ जब ओह मोला देखथे, त ओह ओला देखथे जऊन ह मोला पठोय हवय। 46 मेंह संसार म अंजोर के रूप म आय हवंव, ताकि जऊन कोनो मोर ऊपर बिसवास करय, ओह अंधियार म झन रहय। 47 "यदि कोनो मोर बचन ला सुनथे, अऊ ओकर मुताबिक नइं चलय, त मेंह ओकर नियाय नइं करंव। काबरकि मेंह संसार के नियाय करे बर नइं, पर संसार के उद्धार करे बर आय हवंव। 48 जऊन ह मोर तिरस्कार करथे अऊ मोर बचन ला गरहन नइं करय, ओकर एक नियाय करइया हवय। जऊन बचन मेंह कहे हवंव, ओहीच बचन ह आखिरी दिन म ओला

दोसी ठहिराही। 49 काबरकि मेंह अपन कोति ले कुछू नइं कहेंव, पर ददा जऊन ह मोला पठोय हवय, ओह खुद मोला हुकूम दे हवय कि मेंह का कहंव अऊ कइसने कहंव। 50 मेंह जानथंव कि ओकर हुकूम ह सदाकाल के जिनगी करा ले जाथे, एकरसेति जऊन कुछू मेंह कहिथंव, ओला वइसनेच कहिथंव, जइसने ददा ह मोला कहे हवय।" (aiōnios g166)

13 फसह तिहार के ठीक पहिली, यीसू ह जान लीस कि ओकर समय ह आ गे हवय, अऊ ओला ये संसार ला छोंड़के ददा करा जाना हवय, त ओह अपन मनखेमन ले जऊन मन संसार म रिहिन, जइसने मया करत रिहिस, आखिरी तक ओह ओमन ले वइसनेच मया करिस। 2 रात के भोजन परोसे जावत रहय, अऊ सैतान ह सिमोन के बेटा यहूदा इस्करियोती के मन ला पहिली ले उकसाय रहय कि ओह यीसू ला दगा देवय। 3 यीसू ह जानत रहय कि ददा ह हर चीज ला ओकर हांथ म कर दे हवय, अऊ ये घलो कि ओह परमेसर करा ले आय हवय अऊ परमेसर करा जावत हवय। 4 एकरसेति ओह भोजन ले उठिस अऊ अपन बाहिरी कपड़ा ला उतारिस अऊ अपन कनिहां म एक ठन गमछा लपेटिस। 5 तब ओह एक ठन परात म पानी डारिस अऊ अपन चेलामन के गोड़ ला धोवन लगिस, अऊ अपन कनिहां म लपटाय गमछा ले ओमन के गोड़ ला पोंछन लगिस। 6 जब ओह सिमोन पतरस करा आईस, तब पतरस ह ओला कहिस, "हे परभू, का तेंह मोर गोड़ ला धोवन जावत हस?" 7 यीसू ह जबाब दीस, "तेंह अभी नइं समझस कि मेंह का करत हवंव, पर पाछू तेंह समझबे।" 8 तब पतरस ह कहिस, "नइं, मेंह तोला मोर गोड़ ला कभू नइं धोवन देवंव।" ये सुनके यीसू ह कहिस, "यदि मेंह तोर गोड़ ला नइं धोवंव, त मोर संग तोर कुछू संबंध नइं ए।" (aiōn g165) 9 सिमोन पतरस ह ओला कहिस, "तब हे परभू, सिरिप मोर गोड़ ला ही नइं, पर मोर हांथ अऊ मुड़ ला घलो धो दे।" 10 यीसू ह ओला कहिस, "जऊन ह नहा डारे हवय, ओला सिरिप अपन गोड़ ला धोय के जरूरत होथे। ओकर जम्मो देहें ह साफ होथे। तुमन ह साफ हवव, पर तुमन म हर एक झन साफ नइं ए।" 11 काबरकि ओह जानत रहय कि कोन ह ओला दगा देवइया रिहिस, एकरसेति ओह कहिस, "हर एक झन साफ नइं ए।" 12 जब यीसू ह अपन चेलामन के गोड़ ला धो डारिस, त ओह अपन कपड़ा ला पहिरके अपन जगह म वापिस आईस अऊ खाय बर बईठिस, तब ओह ओमन ले पुछिस, "का तुमन समझत हव कि मेंह तुम्हर बर का करेंव? 13 तुमन मोला गुरू अऊ परभू कहिथव अऊ येह सही ए, काबरकि मेंह एहींच अंव। 14 जब मेंह तुम्हर परभू अऊ गुरू होके तुम्हर गोड़ ला धोएंव, तब तुमन ला घलो एक-दूसर के गोड़ धोना चाही। 15 मेंह तुम्हर आघू म एक नमूना रखे हवंव कि जइसने मेंह तुम्हर बर करे हवंव, वइसनेच तुमन घलो करव। 16 मेंह तुमन ला सच कहथंव कि एक सेवक ह अपन मालिक ले बड़े नइं होवय, अऊ न ही संदेसिया ह अपन पठोइया ले बड़े होथे। 17 अब तुमन ये बातमन ला जानथव; यदि तुमन अइसने करह्, त तुमन ला आसीस मिलही। 18 "मेंह तुमन जम्मो झन के बारे म नइं कहत हंव; जऊन मन ला मेंह चुने हवंव, ओमन ला मेंह जानथंव। पर येह एकरसेति होवत हवय, ताकि परमेसर के ये बचन ह पूरा होवय: 'जऊन ह मोर संग खाना खावत रिहिस, ओह मोर बिस्ध हो गे हवय।' 19 "ये बात होय के पहिली, मेंह तुमन ला अभी बता देवत हंव, ताकि जब ये बात ह होवय, तब तुमन बिसवास करव कि मेंह ओही अंव। 20 मेंह तुमन ला सच कहथंव, जऊन कोनो मोर पठोय मनखे ला गरहन करथे, ओह मोला गरहन करथे; अऊ जऊन कोनो मोला गरहन करथे, ओह ओला गरहन करथे, जऊन ह मोला पठोय हवय।" 21 ये कहे के बाद, यीसू ह आतमा म बहुंत बियाकुल होईस अऊ ये गवाही दीस, "मेंह तुमन ला सच कहथंव, तुमन म ले एक झन मोर संग बिसवासघात करही।" 22 ये सुनके, ओकर चेलामन दुबिधा म पड़ गीन कि ओह काकर बारे म कहत हवय, अऊ ओमन एक-दूसर के मुहं ताके लगिन। 23 ओकर चेलामन ले एक झन जऊन ला यीसू मया करय, यीसू के छाती कोति झुकके बईठे रिहिस। 24 सिमोन पतरस ह ओ चेला कोति इसारा करिस अऊ कहिस, "ओकर ले पुछ कि ओह काकर बारे म कहत हवय।" 25 ओ चेला ह वइसनेच यीसू कोति छाती के भार झुकके पुछिस, "हे परभू, ओह कोन ए?" 26 यीसू ह जबाब दीस, "जऊन ला मेंह ये रोटी के कुटा ला बरतन म बोरके दूहूं, ओहींच ह ओ मनखे अय।" तब ओह रोटी के टुकड़ा ला बोरके सिमोन के बेटा यहूदा इस्करियोती ला दीस। 27 यहूदा के रोटी के कुटा ला लेतेच ही सैतान ह ओमा हमा गीस। तब यीसू ह ओला कहिस, "जऊन काम तेंह करइया हवस, ओला जल्दी कर।" 28 पर उहां जतेक झन खाना खाय बर बईठे रिहिन, ओमन ले एको झन घलो नइं समझिन कि यीसू ह ओला काबर ये बात कहिस। 29 यहूदा करा रूपिया-पईसा के थैली के जिम्मेदारी रहय, त कुछू झन ये समझिन कि यीसू ह ओला कहत होही कि जऊन कुछू के, हमन ला तिहार बर जरूरत हवय, ओला बिसा ले या फेर गरीबमन ला कुछू देय दे। 30 यहूदा ह रोटी के कुटा ला लेके तुरते बाहिर चल दीस। अऊ ओह रथिया के बेरा रहय। 31 जब यहूदा इस्करियोती ह चल दीस, तब यीसू ह कहिस, "अब मनखे के बेटा के महिमा होईस अऊ ओकर दुवारा परमेसर के महिमा होईस। 32 अऊ जब ओकर दुवारा परमेसर के महिमा होईस, त परमेसर ह घलो अपन म बेटा के महिमा करही अऊ तुरते ओकर महिमा करही। 33 "हे मोर लइकामन हो, अऊ थोरकन बेर मेंह तुम्हर संग रहिहूं। तुमन मोला खोजह् अऊ जइसने मेंह यहूदीमन ला कहे हवंव, वइसने अब मेंह तुमन ला घलो कहत हंव: जिहां मेंह जावत हंव, उहां तुमन नइं आ सकव। 34 "एक नवां हुकूम मेंह तुमन ला देवत हंव: एक-दूसर ले मया करव। जइसने मेंह तुमन ला मया करे हवंव, वइसने तुमन घलो

एक-दूसर ले मया करव। 35 यदि तुमन एक-दूसर ले मया करह्, त
एकर ले जम्मो मनखेमन जान लीहीं कि तुमन मोर चेला अव।" 36
सिमोन पतरस ह यीसू ले पुछिस, "हे परभू, तेंह कहां जावत हस?"
यीसू ह जबाब दीस, "जिहां मेंह जावत हंव, उहां तेंह अभी मोर
पाछू नइं आ सकस, पर बाद म तेंह आबे।" 37 पतरस ह ओला
कहिस, "हे परभू, अभी मेंह तोर पाछू काबर नइं आ सकंव? मेंह तोर
बर अपन परान ला घलो दे दूहूं।" 38 तब यीसू ह जबाब दीस,
"का सही म, तेंह मोर बर अपन परान देबे? मेंह तोला सच कहथंव,
कुकरा के बासे के पहिली, तेंह तीन बार मोर इनकार करबे।"

14 यीसू ह कहिस, "तुम्हर हिरदय बियाकुल झन होवय। परमेसर
ऊपर बिसवास करव अऊ मोर ऊपर घलो बिसवास करव। 2
मोर ददा के घर म बहुंत जगह हवय; यदि नइं होतिस, त मेंह तुमन
ला बता देतेंव। मेंह उहां तुम्हर बर जगह तियार करे बर जावत हंव।
3 अऊ जब मेंह जाके तुम्हर बर जगह तियार कर लूहूं, त मेंह फेर
आहूं अऊ तुमन ला मोर इहां ले जाहूं ताकि जिहां में रहंव उहां तुमन
घलो रहव। 4 जिहां मेंह जावत हंव, तुमन ओ जगह के रसता ला
जानत हव।" 5 थोमा ह यीसू ला कहिस, "हे परभू, हमन नइं जानन
कि तेंह कहां जावत हस, त फेर हमन रसता ला कइसने जानबो?" 6
यीसू ह ओला जबाब दीस, "रसता, सत अऊ जिनगी मेंहीच अंव।
मोर बिगर कोनो ददा करा नइं आ सकय। 7 यदि तुमन मोला जाने
होतेव, त मोर ददा ला घलो जानतेव। फेर अब ले तुमन ओला जानत
हव अऊ ओला देखे घलो हवव।" 8 फिलिप्पुस ह ओला कहिस,
"हे परभू, हमन ला ददा के दरसन करा दे। हमर बर अतका ह बहुंत
होही।" 9 यीसू ह जबाब दीस, "हे फिलिप्पुस, मेंह अतेक दिन ले
तुम्हर संग म हवंव अऊ तभो ले का तेंह मोला नइं जानस? जऊन ह
मोला देखिस, ओह ददा ला घलो देख डारिस। फेर तेंह कइसने कह
सकथस कि हमन ला ददा के दरसन करा दे। 10 का तेंह बिसवास
नइं करस कि मेंह ददा म हवंव अऊ ददा ह मोर म हवय? जऊन
बचन मेंह तुमन ला कहिथंव, ओह मोर अपन कोति ले नो हय। पर
ददा जऊन ह मोर म रहिथे; ओह अपन काम करत हवय। 11 मोर
बिसवास करव कि मेंह ददा म हवंव अऊ ददा ह मोर म हवय। या
फेर मोर चमतकार के काममन के सेति मोर बिसवास करव। 12 मेंह
तुमन ला सच कहथंव कि जऊन ह मोर ऊपर बिसवास करथे, ओह
ओ काममन ला करही, जऊन ला मेंह करत हवंव। अऊ त अऊ
ओह येमन ले घलो बड़े-बड़े काम करही, काबरकि मेंह ददा करा
जावत हंव। 13 जऊन कुछू तुमन मोर नांव म मांगह्, ओला मेंह पूरा
करहूं ताकि बेटा के दुवारा ददा के महिमा होवय। 14 यदि तुमन मोर
नांव म मोर ले कुछू मांगह्, त मेंह ओला पूरा करहूं। 15 "यदि
तुमन मोर ले मया करथव, त मोर हुकूममन ला मानव। 16 मेंह ददा
ले पराथना करहूं, अऊ ओह तुमन ला एक आने मददगार दीही,
ओह हमेसा तुम्हर संग रहिही। (aiōn g165) 17 जऊन ला सत के
आतमा कहे जाथे। संसार ह ये मददगार ला गरहन नइं कर सकय,
काबरकि संसार ह न तो ओला देखे हवय अऊ न ही ओला जानय।
पर तुमन ओला जानथव, काबरकि ओह तुम्हर संग रहिथे अऊ
तुमन म रहिही। 18 मेंह तुमन ला अनाथ नइं छोड़ंव; मेंह तुम्हर
करा आहूं। 19 थोरकन देर अऊ हवय, तब संसार ह मोला फेर नइं
देखही, पर तुमन मोला देखह्। काबरकि मेंह जीयत हंव; तुमन घलो
जीयत रहिह्। 20 ओ दिन तुमन जानह् कि मेंह अपन ददा म हवंव,
अऊ तुमन मोर म हवव, अऊ मेंह तुमन म हवंव। 21 जेकर करा
मोर हुकूम हवय, अऊ ओह ओमन ला मानथे, ओहीच ह मोर ले
मया करथे। अऊ जऊन ह मोर ले मया करथे, ओकर ले मोर ददा
ह मया करही, अऊ मेंह घलो ओकर ले मया करहूं अऊ ओला
अपन दरसन दूहूं।" 22 तब यहूदा (जऊन ह यहूदा इस्करियोती नइं
रिहिस) यीसू ला कहिस, "हे परभू, का बात ए कि तेंह हमन ला
अपन दरसन देबे, पर संसार के मनखेमन ला नइं।" 23 यीसू ह
ओला जबाब दीस, "यदि कोनो मनखे ह मोर ले मया करथे, त ओह
मोर बचन ला मानही। अऊ मोर ददा ह ओकर ले मया करही, अऊ
हमन ओकर करा आबो अऊ ओकर संग रहिबो। 24 जऊन ह मोला
मया नइं करय, ओह मोर बचन ला नइं मानय। ये बचन जऊन ला
तुमन सुनत हव, येमन मोर नो हंय; येमन ददा के अंय, जऊन ह
मोला पठोय हवय। 25 "तुम्हर संग रहत मेंह तुमन ला ये बात कहे
हवंव। 26 पर मददगार याने पबितर आतमा जऊन ला ददा ह मोर
नांव म पठोही, ओह तुमन ला जम्मो बात सिखाही अऊ ओ हर एक
बात तुमन ला सुरता कराही, जऊन ला मेंह तुमन ला कहे हवंव। 27
मेंह अपन सांति तुम्हर संग छोंड़त हवंव; अपन सांति मेंह तुमन ला
देवत हंव। मेंह तुमन ला वइसने नइं देवंव जइसने संसार ह देथे।
तुम्हर हिरदय बियाकुल झन होवय अऊ झन डरव। 28 "तुमन मोला
ये कहत सुने हवव, 'मेंह जावत हंव अऊ मेंह तुम्हर करा फेर आहूं।'
यदि तुमन मोर ले मया करतेव, त तुमन खुस होतेव कि मेंह ददा
करा जावत हंव, काबरकि ददा ह मोर ले महान ए। 29 ये बात होय
के पहिली मेंह तुमन ला बता दे हवंव, ताकि जब ये बात होवय,
त तुमन बिसवास करव। 30 मेंह तुम्हर संग अऊ जादा देर तक
नइं गोठियावंव, काबरकि ये संसार के राजकुमार ह आवत हवय।
ओकर मोर ऊपर कोनो अधिकार नइं ए। 31 पर जइसने ददा ह मोला
हुकूम दे हवय, वइसने मेंह करथंव, ताकि संसार ह ये जान लेवय कि
मेंह ददा ले मया करथंव। "अब आवव, इहां ले चलन।

15 "सही अंगूर के नार मेंह अंव अऊ मोर ददा ह किसान ए। 2
ओ डंगाल जऊन ह मोर म हवय अऊ नइं फरय, ओह ओला
काट डारथे; अऊ ओ डंगाल जऊन ह फरथे, ओला ओह छांटथे,
ताकि ओह अऊ फरय। 3 जऊन बचन मेंह तुमन ला कहे हवंव,
ओकर कारन तुमन पहिली ले सुध हो गे हवव। 4 तुमन मोर म बने
रहव अऊ मेंह तुमन म बने रहिहूं। जइसने डंगाल ह यदि अंगूर के

नार म बने नइं रहय, त ओ डंगाल ह अपनआप म नइं फर सकय, वइसने यदि तुमन मोर म बने नइं रहव, त तुमन घलो नइं फर सकव। **5** "मेंह अंगूर के नार अंव अऊ तुमन डंगाल अव। जऊन मनखे ह मोर म बने रहिथे अऊ मेंह ओमा, त ओह बहुंत फरथे, काबरकि मोर ले अलग होके तुमन कुछू नइं कर सकव। **6** कहूं कोनो मनखे मोर म बने नइं रहय, त ओह ओ डंगाल सहीं अय, जऊन ला फटिक दिये जाथे अऊ ओह सूखा जाथे; अइसने डारामन ला मनखेमन संकेलथें अऊ आगी म झोंक के जरा देथें। **7** यदि तुमन मोर म बने रहव अऊ मोर बचन ह तुमन म बने रहय, त जऊन कुछू तुमन चाहव अऊ मांगव; ओह तुमन ला दिये जाही। **8** मोर ददा के महिमा इही म होथे कि तुमन बहुंत फर लानव अऊ अपनआप ला देखा दव कि तुमन मोर चेला अव। **9** "जइसने ददा ह मोला मया करिस, वइसने मेंह तुमन ले मया करे हवंव। अब तुमन मोर मया म बने रहव। **10** यदि तुमन मोर हुकूममन ला मानह, त मोर मया म बने रहिह; जइसने मेंह अपन ददा के हुकूममन ला माने हवंव अऊ ओकर मया म बने रहिथंव। **11** मेंह ये बात तुमन ला ये खातिर कहे हवंव, ताकि मोर आनंद ह तुमन म रहय अऊ तुम्हर आनंद ह पूरा हो जावय। **12** मोर हुकूम ये अय: जइसने मेंह तुमन ला मया करे हवंव, वइसनेच तुमन घलो एक-दूसर ले मया करव। **13** एकर ले बड़े मया अऊ काकरो नइं ए कि कोनो मनखे अपन संगवारीमन बर अपन परान देवय। **14** जऊन हुकूम मेंह देवत हंव, ओला यदि तुमन मानव, त तुमन मोर संगवारी अव। **15** अब ले मेंह तुमन ला सेवक नइं कहंव, काबरकि सेवक ह नइं जानय कि ओकर मालिक ह का करथे। पर मेंह तुमन ला संगवारी कहे हवंव काबरकि जऊन कुछू मेंह अपन ददा ले सुनेंव, ओ जम्मो बात तुमन ला बता दे हवंव। **16** तुमन मोला नइं चुनेव, पर मेंह तुमन ला चुने अऊ ठहिराय हवंव कि तुमन जावव अऊ फरव—अइसने फर जऊन ह बने रहय। तब जऊन कुछू तुमन मोर नांव म ददा ले मांगह, ओह तुमन ला दीही। **17** मोर हुकूम ये अय: एक-दूसर ले मया करव। **18** "यदि संसार ह तुम्हर ले घिन करथे, त ये बात ला जान लेवव कि येह तुम्हर ले पहिली मोर ले घिन करिस। **19** यदि तुमन संसार के होतेव, त संसार ह तुमन ला अपन समझके मया करतिस। पर तुमन संसार के नो हव, पर मेंह तुमन ला संसार म ले चुन ले हवंव। एकरसेति संसार ह तुम्हर ले घिन करथे। **20** जऊन बचन मेंह तुमन ला कहे हवंव, ओला सुरता रखव: 'एक सेवक ह अपन मालिक ले बड़े नइं होवय।' जब ओमन मोला सताईन, त तुमन ला घलो सताहीं। अऊ यदि ओमन मोर बचन ला मानिन, त तुम्हर बचन ला घलो मानहीं। **21** मोर नांव के सेति ओमन तुम्हर संग अइसने बरताव करहीं, काबरकि ओमन ओला नइं जानंय, जऊन ह मोला पठोय हवय। **22** कहूं मेंह नइं आतेंव अऊ ओमन ले नइं गोठियातेंव, त ओमन पाप के दोसीदार नइं होतिन, पर अब ओमन करा अपन पाप के कोनो बहाना नइं ए। **23** जऊन ह मोर ले घिन करथे, ओह मोर ददा ले घलो घिन करथे। **24** ओमन पाप के दोसीदार नइं होतिन, कहूं मेंह ओमन के आघू म ओ काममन ला नइं करे होतेंव, जऊन ला कोनो कभू नइं करिन। पर अब ओमन ये चमतकार के काममन ला देखके घलो मोर अऊ मोर ददा दूनों ले घिन करे हवंय। **25** येह एकरसेति होईस ताकि ओमन के कानून म लिखे ये बचन ह पूरा होवय: 'ओमन मोर ले बिगर कोनो कारन के घिन करिन।' **26** "पर जब मददगार ह आही, जऊन ला मेंह ददा के इहां ले तुमन करा पठोहूं। ओह सत के आतमा ए, जऊन ह ददा म ले निकलथे। ओह मोर बारे म गवाही दीही। **27** अऊ तुमन ला घलो मोर बारे म गवाही देना जरूरी ए, काबरकि तुमन सुरू ले मोर संग रहे हवव।

16 "मेंह तुमन ला ये जम्मो बात एकरसेति बताय हवंव कि तुम्हर बिसवास ह झन टूटय। **2** ओमन तुमन ला सभा-घर ले निकाल दीहीं। अऊ ओ समय ह आवत हवय, जब तुम्हर हतिया करइया ह ये समझही कि ओह परमेसर के सेवा करत हवय। **3** ओमन ये काममन ला एकरसेति करहीं काबरकि ओमन न तो ददा ला जानंय अऊ न ही मोला। **4** पर मेंह तुमन ला ये बात एकरसेति बतांय ताकि जब ओ समय ह आवय, त तुमन ला सुरता रहय कि मेंह तुमन ला चेताय रहेंव। मेंह तुमन ला ये बात सुरू म एकरसेति नइं बतांय काबरकि मेंह तुम्हर संग म रहेंव। **5** अब मेंह ओकर करा जावत हंव जऊन ह मोला पठोय हवय, पर तुमन ले कोनो नइं पुछत हव कि मेंह कहां जावत हंव। **6** मेंह तुमन ला ये बात कहेंव, एकरसेति तुम्हर हिरदय ह दुख ले भर गे हवय। **7** पर मेंह तुमन ला सच कहथंव: येह तुम्हर बर बने ए कि मेंह जावत हंव; काबरकि यदि मेंह नइं जावंव, त मददगार ह तुम्हर करा नइं आवय, पर यदि मेंह जाहूं, त मेंह ओला तुम्हर करा पठोहूं। **8** अऊ जब ओह आही, त संसार के मनखेमन ला पाप अऊ धरमीपन अऊ नियाय के बारे म दोसी ठहिराही। **9** ओह पाप के बारे म दोसी ठहिराही, काबरकि ओमन मोर ऊपर बिसवास नइं करंय। **10** ओह धरमीपन के बारे म दोसी ठहिराही, काबरकि मेंह ददा करा जावत हंव अऊ तुमन मोला फेर नइं देखह। **11** अऊ ओह नियाय के बारे म दोसी ठहिराही, काबरकि ये संसार के राजकुमार ला पहिली ले दोसी ठहिराय गे हवय। **12** "तुमन ला कहे बर मोर करा बहुंत कुछू हवय, पर अभी तुमन ओ बातमन ला सहन नइं कर सकव। **13** पर जब ओ सत के आतमा ह आही, त ओह तुमन ला सत के जम्मो बात म अगुवई करही। ओह अपन तरफ से कुछू नइं कहिही; जऊन कुछू ओह सुनही, सिरिप ओहीच बात ला कहिही, अऊ ओह तुमन ला ओ बातमन ला बताही, जऊन ह अवइया हवय। **14** ओह मोर महिमा करही, काबरकि ओह मोर बातमन ला लीही अऊ ओला तुमन ला बताही। **15** जऊन कुछू ददा के अय, ओ जम्मो मोर अय। एकरसेति मेंह कहेंव कि आतमा ह मोर म ले लीही अऊ ओला तुमन

ला बताही।” 16 यीसू ह ये घलो कहिस, “थोरकन देर बाद तुमन
मोला नइं देखह् अऊ फेर थोरकन देर बाद तुमन मोला देखह्।” 17
यीसू के कुछू चेलामन एक-दूसर ले कहिन, “ओकर ये कहे के का
मतलब ए, ‘थोरकन देर बाद तुमन मोला नइं देखह् अऊ फेर थोरकन
देर बाद तुमन मोला देखह्,’ अऊ ‘काबरकि मेंह ददा करा जावत
हंव?’” 18 चेलामन बार-बार पुछन लगिन, “ये थोरकन देर के का
मतलब ए? हमन नइं समझत हन कि ओह का कहत हवय।” 19
यीसू ह ये जानके कि ओमन ओकर ले पुछे चाहत हवंय, ओह ओमन
ला कहिस, “का तुमन एक-दूसर ले पुछत हव कि मोर ये कहे के का
मतलब ए, ‘थोरकन देर बाद तुमन मोला नइं देखह् अऊ फेर थोरकन
देर बाद तुमन मोला देखह्?’ 20 मेंह तुमन ला सच-सच कहथंव,
तुमन रोह् अऊ बिलाप करह्, जबकि संसार ह आनंद मनाही। तुमन
ला दुख होही, पर तुम्हर दुख ह आनंद म बदल जाही। 21 जब एक
माईलोगन ह लइका जनथे, त ओला पीरा होथे काबरकि ओकर बेरा
ह आ गे हवय; पर जब ओला लइका हो जाथे, त आनंद के मारे कि
एक लइका ह संसार म पईदा होईस, ओह पीरा ला भुला जाथे। 22
इही किसम ले, अभी तुमन ला दुख होवथे, पर मेंह तुमन ला फेर
देखहूं, अऊ तुमन आनंद मनाह्, अऊ तुम्हर हिरदय के आनंद ला
कोनो नइं छीन सकही। 23 ओ दिन म तुमन मोर ले कुछू नइं पुछह्।
मेंह तुमन ला सच-सच कहत हंव, जऊन कुछू तुमन मोर नांव म
मांगह्, ओ चीज ददा ह तुमन ला दीही। 24 अभी तक तुमन मोर नांव
म कुछू नइं मांगे हवव। मांगव, त तुमन पाह् अऊ तुम्हर आनंद ह पूरा
हो जाही। 25 “मेंह तुमन ला ये बात पटंतर म कहे हवंव, पर ओ
समय ह आवत हवय, जब मेंह तुम्हर ले पटंतर म नइं गोठियावंव,
पर मेंह तुमन ला अपन ददा के बारे म साफ-साफ बताहूं। 26 ओ
दिन तुमन मोर नांव म मांगह्, अऊ मेंह ये नइं कहथंव कि मेंह तुम्हर
बर ददा ले बिनती करहूं। 27 ददा ह खुदे तुम्हर ले मया करथे,
काबरकि तुमन मोर ले मया करे हवव अऊ बिसवास करे हवव कि
मेंह परमेसर करा ले आय हवंव। 28 मेंह ददा म ले निकलके संसार
म आय हवंव; अऊ अब मेंह संसार ला छोंड़के वापिस ददा करा
जावत हंव।” 29 तब यीसू के चेलामन कहिन, “अब तेंह साफ-
साफ बिगर पटंतर के गोठियावत हस। 30 अब हमन जान डारेंन कि
तेंह जम्मो बात ला जानथस अऊ एकर जरूरत नइं ए कि कोनो तोर
ले सवाल पुछय। एकर दुवारा हमन बिसवास करथन कि तेंह परमेसर
करा ले आय हवस।” 31 यीसू ह ओमन ला जबाब दीस, “आखिर
म तुमन बिसवास करेव। 32 पर देखव, ओ बेरा ह आवत हवय अऊ
आ घलो गे हवय, जब तुमन तितिर-बितिर हो जाह्; हर एक झन
अपन-अपन घर चल दीही। तुमन मोला एकदम अकेला छोंड़ दूह्।
तभो ले मेंह अकेला नइं अंव, काबरकि मोर ददा ह मोर संग हवय।
33 “मेंह तुमन ला ये बात एकरसेति कहेंव ताकि तुमन ला मोर म
सांति मिलय। ये संसार म तुमन तकलीफ पाह्। पर हिम्मत रखव!
मेंह संसार ऊपर जय पाय हवंव।”

17 ये कहे के बाद, यीसू ह स्वरग कोति देखिस अऊ कहिस, “हे
ददा, बेरा ह आ गे हवय। अपन बेटा के महिमा कर कि तोर
बेटा ह घलो तोर महिमा करय। 2 तेंह ओला जम्मो मनखेमन ऊपर
अधिकार दे हवस, ताकि जऊन मन ला तेंह ओला दे हवस, ओ
जम्मो झन ला ओह तोर संग सदाकाल के जिनगी देवय। (aiōnios
g166) 3 अऊ तोर संग सदाकाल के जिनगी ये अय कि ओमन
सिरिप तोला एकेच सत परमेसर के रूप म जानंय अऊ यीसू मसीह
ला जानंय, जऊन ला तेंह धरती म पठोय हवस। (aiōnios g166) 4
जऊन काम तेंह मोला करे बर दे रहय, ओला पूरा करके, मेंह धरती
म तोर महिमा करे हवंव। 5 अब, हे ददा, अपन आघू म मोर महिमा
कर—ओ महिमा जऊन ह संसार ला बनाय के पहिली मोर, तोर संग
रिहिस। 6 “मेंह तोर नांव ला ओमन ऊपर परगट करे हवंव, जऊन
मन ला तेंह मोला संसार म ले देय हवस। ओमन तोर रिहिन; तेंह
ओमन ला मोला देय हवस अऊ ओमन तोर बचन ला माने हवंय। 7
अब ओमन जानथें कि जऊन कुछू तेंह मोला देय हवस, ओ जम्मो
चीज तोर करा ले आय हवय। 8 काबरकि मेंह ओमन ला ओ बचन
दे हवंव, जऊन ला तेंह मोला देय रहय, अऊ ओमन ओला गरहन
करे हवंय। ओमन सही म जान गीन कि मेंह तोर करा ले आय हवंव
अऊ ओमन बिसवास कर ले हवंय कि तेंह मोला पठोय हवस। 9
मेंह ओमन बर पराथना करत हंव। मेंह संसार बर नइं, पर ओमन बर
पराथना करत हंव, जऊन मन ला तेंह मोला देय हवस, काबरकि
ओमन तोर अंय। 10 जऊन कुछू मोर करा हवय, ओ जम्मो ह तोर
अय अऊ जऊन कुछू तोर करा हवय, ओ जम्मो ह मोर अय। अऊ
येमन के दुवारा मोर महिमा होथे। 11 मेंह अब संसार म नइं रहंव,
पर ओमन संसार म रहिहीं, अऊ मेंह तोर करा आवत हवंव। हे
पबितर ददा, ओमन ला जतन के रख अपन ओ नांव के सक्ति के
दुवारा, जऊन नांव ला तेंह मोला देय हवस, ताकि ओमन एक हो
जावंय जइसने हमन एक हवन। 12 जब मेंह ओमन के संग रहेंव, त
ओ नांव के दुवारा जऊन ला तेंह मोला देय हवस, ओमन ला जतन
के रखेंव अऊ ओमन ला सही-सलामत रखेंव। ओमा ले कोनो नइं
गंवाईन, सिरिप बिनास के बेटा के छोंड़, ताकि परमेसर के बचन ह
पूरा होवय। 13 “अब मेंह तोर करा आवत हंव, पर मेंह ये बातमन
ला संसार म रहत कहथंव, ताकि ओमन मोर आनंद ले पूरा भर
जावंय। 14 मेंह ओमन ला तोर बचन देय हवंव अऊ संसार ह ओमन
ले नफरत करिस, काबरकि ओमन संसार के नो हंय, जइसने मेंह
संसार के नो हंव। 15 मेंह ये पराथना नइं करत हंव कि तेंह ओमन
ला संसार ले निकाल ले, पर ये पराथना करत हंव कि ओमन ला तेंह
सैतान ले बचाय रख। 16 ओमन संसार के नो हंय, जइसने मेंह संसार
के नो हंव। 17 सत के दुवारा ओमन ला पबितर कर, तोर बचन ह

सत ए। 18 जइसने तेंह मोला संसार म पठोय, वइसने मेंह ओमन ला संसार म पठोय हवंव। 19 ओमन खातिर मेंह अपनआप ला तोर हांथ म अरपन करथंव ताकि ओमन घलो सही म अपनआप ला तोला अरपन करंय। 20 "मेंह सिरिप ओमन खातिर ही पराथना नइं करथंव, पर ओमन बर घलो जऊन मन ओमन के संदेस के दुवारा मोर ऊपर बिसवास करहीं, 21 कि ओ जम्मो झन एक हो जावंय। हे ददा, जइसने तेंह मोर म हवस अऊ मेंह तोर म हवंव। वइसने ओमन घलो हमर म होवंय ताकि संसार ह बिसवास करय कि तेंह मोला पठोय हवस। 22 जऊन महिमा तेंह मोला देय हवस, ओही महिमा मेंह ओमन ला देय हवंव, ताकि ओमन एक हो जावंय, जइसने हमन एक हवन। 23 मेंह ओमन म अऊ तेंह मोर म, कि ओमन पूरा एक हो जावंय, ताकि संसार ह जानय कि तेंह मोला पठोय हवस अऊ जइसने तेंह मोर ले मया करे हवस, वइसने ओमन ले घलो मया करय। 24 "हे ददा मेंह चाहथंव कि जऊन मन ला तेंह मोला देय हवस, ओमन मोर संग उहां रहंय, जिहां में हवंव अऊ ओमन मोर ओ महिमा ला देखंय, जऊन ला तेंह मोला देय हवस, काबरकि तेंह संसार के रचे के पहिली मोर ले मया करय।" 25 "हे धरमी ददा, संसार ह तोला नइं जानय, पर मेंह तोला जानथंव, अऊ ओमन जानथें कि तेंह मोला पठोय हवस। 26 मेंह ओमन ला तोर बारे म बताय हवंव अऊ बतावत रहिहूं, ताकि तोर ओ मया जऊन ह मोर बर हवय, ओमन म घलो रहय अऊ मेंह खुद ओमन म रहंव।"

18 ये पराथना करे के बाद, यीसू ह अपन चेलामन संग किदरोन घाटी के ओ पार गीस। उहां एक जैतून के बारी रहय, जिहां ओ अऊ ओकर चेलामन गीन। 2 यहूदा जऊन ह यीसू ला धोखा दीस, ओ ठऊर ला जानत रिहिस, काबरकि यीसू ह हमेसा अपन चेलामन संग उहां जूरय। 3 तब यहूदा ह कुछू सैनिक अऊ मुखिया पुरोहित अऊ फरीसीमन के कुछू अधिकारीमन ला लेके उहां आईस। ओमन मसाल, कंडिल अऊ हथियार धरे रहंय। 4 यीसू ह ओ जम्मो बात ला जानत रिहिस, जऊन ह ओकर संग होवइया रहय; एकरसेति ओह निकलिस अऊ ओमन ले पुछिस, "तुमन कोन ला खोजत हव?" 5 ओमन जबाब दीन, "नासरत के यीसू ला।" यीसू ह कहिस, "ओह में अंव।" (अऊ दगाबाज यहूदा ह उहां ओमन संग ठाढे रहय।) 6 जब यीसू ह ओमन ला ये कहिस, "ओह में अंव," त ओमन पाछू घुंचिन अऊ भुइयां म गिर पड़िन। 7 यीसू ह ओमन ले फेर पुछिस, "तुमन कोन ला खोजत हव?" ओमन कहिन, "नासरत के यीसू ला।" 8 यीसू ह जबाब दीस, "मेंह तुमन ला कह चुके हंव कि ओह में अंव। यदि तुमन मोला खोजत हव, त ये मनखेमन ला जावन दव।" 9 ये बात एकरसेति होईस, ताकि यीसू के कहे ये बचन ह पूरा होवय, "जऊन मन ला तेंह मोला देय रहय, ओमा ले मेंह एको झन ला घलो नइं गंवांय।" 10 तब सिमोन पतरस जेकर करा एक ठन तलवार रहय, ओह ओला खींचके निकालिस अऊ महा पुरोहित के सेवक ऊपर चलाके ओकर जेवनी कान ला काट दीस। ओ सेवक के नांव मलखुस रिहिस। 11 यीसू ह पतरस ला हुकूम दीस, "अपन तलवार ला मियान म रख। जऊन दुख के कटोरा ददा ह मोला दे हवय, का ओला मेंह नइं पीयंव?" 12 तब सैनिकमन अऊ ओमन के कप्तान अऊ यहूदी अधिकारीमन यीसू ला पकड़के बांध लीन, 13 अऊ ओमन ओला पहिली हन्ना करा लानिन, जऊन ह ओ साल के महा पुरोहित काइफा के ससुर रिहिस। 14 येह ओहीच काइफा रिहिस, जऊन ह यहूदी अगुवामन ला ये सलाह देय रिहिस कि बने होतिस यदि एक आदमी ह जम्मो मनखेमन खातिर मरय। 15 सिमोन पतरस अऊ एक आने चेला यीसू के पाछू-पाछू गीन। काबरकि ये चेला ह महा पुरोहित के पहिचान के रिहिस; एकरसेति ओह घलो महा पुरोहित के अंगना म जाय सकिस, जिहां यीसू ला लेय गे रिहिन। 16 पर पतरस ह बाहिर कपाट करा ठाढे रहय। तब ओ आने चेला जऊन ह महा पुरोहित के पहिचान के रिहिस, बाहिर आईस अऊ दुवारपालिन छोकरी ला कहिके पतरस ला भीतर ले गीस। 17 ओ दुवारपालिन छोकरी ह पतरस ले पुछिस, "का तेंह घलो त ये मनखे के चेलामन ले एक झन नो हस?" ओह कहिस, "मेंह नो हंव।" 18 जाड़ के मारे सेवक अऊ अधिकारीमन कोइला ला जलाय रहंय अऊ ओकर चारों खूंट ठाढ होके आगी तापत रहंय। पतरस ह घलो ओमन के संग उहां ठाढ होके आगी तापत रहय। 19 इहीं बीच म महा पुरोहित ह यीसू ले ओकर चेलामन अऊ ओकर उपदेस के बारे म पुछताछ करिस। 20 यीसू ह जबाब दीस, "मेंह संसार के मनखेमन ले खुलेआम बात करे हवंव। मेंह यहूदीमन के सभा-घर अऊ मंदिर के अंगना म, जिहां जम्मो यहूदीमन जूरथें, हमेसा उपदेस देय हवंव। मेंह गुपत म कुछू नइं कहेंव। 21 तेंह मोर ले काबर पुछताछ करथस? ओमन ले पुछ जऊन मन मोर बात ला सुने हवंय। ओमन जानत हवंय कि मेंह का कहे हवंव।" 22 जब यीसू ह ये कहिस, त ओकर लकठा म ठाढे एक अधिकारी ह यीसू ला एक थपरा मारिस अऊ कहिस, "महा पुरोहित ला का तेंह अइसने जबाब देथस।" 23 यीसू ह ओला जबाब दीस, "यदि मेंह कुछू गलत बात कहे हवंव, त ओला बता। पर यदि मेंह सच बात कहे हवंव, त तेंह मोला काबर मारथस?" 24 तब हन्ना ह यीसू ला वइसनेच बंधे-बंधाय महा पुरोहित काइफा करा पठो दीस। 25 सिमोन पतरस ह उहां अंगना म ठाढे आगी तापत रहय, तब मनखेमन ओकर ले पुछिन, "का तेंह घलो ओकर चेलामन ले एक झन अस?" ओह इनकार करके कहिस, "मेंह नो हंव।" 26 महा पुरोहित के एक सेवक जऊन ह ओ मनखे के रिस्तेदार रिहिस, जेकर कान ला पतरस काट दे रिहिस, पतरस ले पुछिस, "का मेंह तोला ओकर संग जैतून के बारी म नइं देखे रहेंव?" 27 पतरस ह फेर इनकार करिस अऊ तुरते कुकरा ह बासिस। 28 तब यहूदी अगुवामन यीसू ला काइफा करा ले रोमी राजपाल के महल म ले

गीन अऊ ओह बड़े बिहनियां के बेरा रिहिस। यहूदीमन खुद महल के भीतर नइं गीन ताकि ओमन असुध झन होवंय अऊ फसह के भोज खा सकंय। 29 एकरसेति पीलातुस ह बाहिर ओमन करा आईस अऊ पुछिस, "ये मनखे के ऊपर तुमन का दोस लगाथव?" 30 ओमन जबाब दीन, "यदि ये मनखे ह अपराधी नइं होतिस, त येला हमन तोर हांथ म नइं सऊंपतेंन।" 31 पीलातुस ह ओमन ला कहिस, "तुमन येला ले जावव अऊ अपन खुद के कानून के मुताबिक ओकर नियाय करव।" यहूदीमन ओला कहिन, "हमन करा कोनो ला मिरतू-दंड देय के अधिकार नइं ए।" 32 येह एकरसेति होईस ताकि यीसू के ओ बचन ह पूरा होवय, जऊन ला यीसू ह इसारा म कहे रिहिस कि ओकर मिरतू कइसने होही। 33 तब पीलातुस फेर महल भीतर गीस अऊ यीसू ला बलाके ओकर ले पुछिस, "का तेंह यहूदीमन के राजा अस?" 34 यीसू ह जबाब देके कहिस, "का तेंह ये बात अपन कोति ले कहथस कि आने मन तोला ये बात मोर बारे म कहे हवंय?" 35 पीलातुस ह जबाब दीस, "का तेंह सोचथस कि मेंह एक यहूदी अंव? तोर खुद के मनखे अऊ मुखिया पुरोहितमन तोला मोर हांथ म सऊंपे हवंय। तेंह का करे हस?" 36 यीसू ह कहिस, "मोर राज ह ये संसार के नो हय। यदि मोर राज ह ये संसार के होतिस, त मोर सेवकमन लड़तिन अऊ मेंह यहूदी अगुवामन के हांथ म नइं सऊंपे जातेंव; पर मोर राज ह इहां के नो हय।" 37 पीलातुस ह यीसू ला कहिस, "त का तेंह एक राजा अस?" यीसू ह जबाब दीस, "तेंह सही कहथस कि मेंह एक राजा अंव। मेंह ये खातिर जनम लेंव अऊ ये खातिर संसार म आयेंव कि सत के गवाही देवंव। जऊन ह सत के तरफ हवय, ओह मोर बात ला सुनथे।" 38 पीलातुस ह ओकर ले पुछिस, "का ह सत ए?" ये कहिके पीलातुस ह बाहिर यहूदीमन करा फेर गीस अऊ ओमन ला कहिस, "मेंह ओमा कोनो दोस नइं पायेंव। 39 पर येह तुम्हर रिवाज ए कि फसह के तिहार के बेरा म मेंह तुम्हर खातिर एक कैदी ला छोंड़ देवंव। का तुमन चाहथव कि मेंह यहूदीमन के राजा ला छोंड देवंव?" 40 ओमन फेर चिचियाके कहिन, "नइं, ये मनखे ला नइं, पर हमर बर बरब्बा ला छोंड़ दे।" अऊ बरब्बा ह एक डाकू रिहिस।

19 तब पीलातुस ह यीसू ला लेके ओला कोर्रा म पीटवाईस। 2 सैनिकमन गुंथके कांटा के एक मुकुट बनाईन अऊ ओला यीसू के मुड ऊपर रखिन अऊ ओमन यीसू ला बैंगनी कपड़ा पहिराईन, 3 अऊ ओमन ओकर मेर बार-बार आके कहिन, "हे यहूदीमन के राजा, जोहार लागी।" अऊ ओमन यीसू के मुहूं म थपरा मारिन। 4 पीलातुस ह फेर महल ले बाहिर आईस अऊ उहां जूरे यहूदीमन ला कहिस, "देखव, मेंह ओला तुम्हर करा बाहिर लानत हंव ताकि तुमन जान लेवव कि मेंह ओमा कुछू दोस नइं पायेंव।" 5 जब यीसू ह कांटा के मुकुट अऊ बैंगनी कपड़ा पहिरे बाहिर आईस, त पीलातुस ह ओमन ला कहिस, "देखव, येह ओ मनखे ए।" 6 जब मुखिया पुरोहित अऊ अधिकारीमन यीसू ला देखिन, त ओमन चिचियाके कहिन, "येला कुरूस ऊपर चघावव। येला कुरूस ऊपर चघावव।" पर पीलातुस ह जबाब दीस, "तुमन येला ले जावव अऊ कुरूस ऊपर चघावव। काबरकि मेंह येमा कुछू दोस नइं पायेंव।" 7 यहूदी अगुवामन जोर देके कहिन, "हमर एक ठन कानून हवय अऊ ओ कानून के मुताबिक एकर मरना जरूरी ए, काबरकि येह अपनआप ला परमेसर के बेटा कहिथे।" 8 जब पीलातुस ह ये बात ला सुनिस, त ओह अब्बड डरा गीस, 9 अऊ ओह वापिस महल भीतर जाके यीसू ले पुछिस, "तेंह कहां के अस?" पर यीसू ह ओला कोनो जबाब नइं दीस। 10 तब पीलातुस ह कहिस, "का तेंह मोर ले बात नइं करस? का तेंह नइं जानस कि मोर करा तोला छोंड़ देय के या फेर तोला कुरूस ऊपर चघाय के अधिकार हवय?" 11 यीसू ह जबाब दीस, "यदि तोला ऊपर ले अधिकार नइं दिये जातिस, त मोर ऊपर तोर कुछू अधिकार नइं होतिस। एकरसेति जऊन ह मोला तोर हांथ म सऊंपे हवय, ओह बड़े पाप के दोसीदार ए।" 12 एकर बाद पीलातुस ह यीसू ला छोंड़ देय के कोसिस करिस, पर यहूदी अगुवामन बार-बार चिचियाके कहिन, "यदि तेंह ये मनखे ला छोंड़ देबे, त तेंह महाराजा के संगवारी नो हस। जऊन ह अपनआप ला राजा कहिथे, ओह महाराजा के बिरोधी होथे।" 13 जब पीलातुस ह ये बात ला सुनिस, त ओह यीसू ला बाहिर लानिस अऊ नियाय आसन म बईठिस, जऊन ह पथरा के चंउरा नांव के जगह म रहय अऊ ओ चंउरा ला इबरानी भासा म गब्बता कहे जावय। 14 येह फसह तिहार के तियारी के दिन रहय अऊ दिन के करीब बारह बजे के समय रहय। पीलातुस ह यहूदीमन ला कहिस, "देखव, एही अय तुम्हर राजा।" 15 पर ओमन चिचियाके कहिन, "येला ले जावव। येला ले जावव। येला कुरूस ऊपर चघाय जावय।" पीलातुस ह ओमन ले पुछिस, "का मेंह तुम्हर राजा ला कुरूस ऊपर चघा देवंव?" मुखिया पुरोहितमन जबाब दीन, "महाराजा के छोंड़ हमर अऊ कोनो राजा नइं ए।" 16 आखिर म पीलातुस ह यीसू ला कुरूस ऊपर चघाय बर ओमन के हांथ म सऊंप दीस। 17 तब ओमन यीसू ला ले गीन अऊ ओह अपन कुरूस ला बोहके बाहिर निकलिस अऊ ओ ठऊर म गीस, जऊन ला खोपड़ी के ठऊर कहे जावय अऊ इबरानी भासा म येला गुलगुता घलो कहे जाथे। 18 उहां ओमन यीसू ला कुरूस ऊपर चघा दीन, अऊ ओकर संग अऊ दू झन ला घलो कुरूस ऊपर चघाईन, एक झन ला ओकर जेवनी कोति अऊ दूसर झन ला ओकर डेरी कोति, अऊ यीसू ला मांझा म। 19 पीलातुस ह एक सूचना लिखके कुरूस ऊपर टंगवा दे रहय, जेमा ये लिखाय रहय, नासरत के यीसू, यहूदीमन के राजा। 20 बहुंते यहूदीमन ये सूचना ला पढिन, काबरकि जऊन ठऊर म यीसू ला कुरूस ऊपर चघाय गे रिहिस, ओह सहर के लकठा म रहय अऊ ओ सूचना ह इबरानी, लतीनी अऊ यूनानी भासा म लिखाय रहय। 21 तब

यहूदीमन के मुखिया पुरोहितमन पीलातुस ला कहिन, "यहूदीमन के राजा झन लिख, पर ये लिख कि ये मनखे ह कहिस, 'मेंह यहूदीमन के राजा अंव।'" 22 पीलातुस ह जबाब दीस, "मेंह जऊन लिख देंव, त लिख देंव।" 23 जब सैनिकमन यीसू ला कुरूस ऊपर चघा लीन, त ओमन ओकर कपडामन ला लेके चार बांटा करिन अऊ हर एक ह एक बांटा लीस। ओमन ओकर कुरता ला घलो लीन, पर ओ कुरता ह सिये नइं गे रहय। येह ऊपर ले तरी तक एक ठन करके बुने गे रहय। 24 एकरसेति ओमन एक-दूसर ला कहिन, "येला हमन नइं चीरन, पर एकर बर चिट्ठी निकालबो अऊ देखबो कि येह कोन ला मिलही।" येह एकरसेति होईस ताकि परमेसर के बचन म लिखे बात ह पूरा होवय, "ओमन मोर ओनहा ला आपस म बांट लीन अऊ मोर कुरता बर चिट्ठी निकालिन।" एकरसेति सैनिकमन अइसने करिन। 25 यीसू के कुरूस के लकठा म ओकर दाई, अऊ ओकर दाई के बहिनी, क्लोपास के घरवाली मरियम, अऊ मरियम मगदलिनी ठाढे रिहिन। 26 जब यीसू ह अपन दाई अऊ ओ चेला ला जेकर ले ओह मया करय, तीर म ठाढे देखिस, त ओह अपन दाई ला कहिस, "हे नारी, येह तोर बेटा ए।" 27 अऊ ओ चेला ले कहिस, "येह तोर दाई ए।" ओही बखत ले ओ चेला ह यीसू के दाई ला अपन घर ले गीस। 28 एकर बाद, यीसू ह ये जानके कि अब जम्मो बात पूरा हो चुके हवय, परमेसर के बचन ला पूरा करे बर कहिस, "मेंह पीयासन हंव।" 29 उहां सिरका ले भरे एक ठन बरतन रखे रहय। ओमन पनसोखवा रबर ला ओ सिरका म भिगोईन अऊ ओ पनसोखवा रबर ला एक ठन जूफा के डंडी म रखके यीसू के मुहूं ले लगाईन। 30 जब यीसू ह ओ सिरका ला ले लीस, त कहिस, "पूरा होईस।" अऊ ओह मुड ला नवाके अपन परान तियाग दीस। 31 ओह तियारी के दिन रिहिस, अऊ ओकर दूसर दिन बिसेस बिसराम के दिन रिहिस। यहूदी अगुवामन नइं चाहत रिहिन कि ओमन के देहेंमन बिसराम के दिन कुरूस म टंगे रहंय, एकरसेति ओमन पीलातुस ले बिनती करिन कि कुरूस म चघाय मनखेमन के गोड ला टोर दिये जावय अऊ ओमन के देहें ला कुरूस ले उतार दिये जावय। 32 एकरसेति सैनिकमन आईंन अऊ ओमन पहिली मनखे के गोड ला टोरिन, अऊ तब दूसर मनखे के, जऊन मन कि यीसू संग कुरूस ऊपर चघाय गे रिहिन। 33 पर जब ओमन यीसू करा आईन अऊ देखिन कि ओह मर गे हवय, त ओमन ओकर गोड़ ला नइं टोरिन। 34 पर एक सैनिक ह यीसू के पंजरा ला बरछी म बेधिस अऊ तुरते ओमा ले लहू अऊ पानी निकलिस। 35 जऊन मनखे ह येला देखिस ओह गवाही दे हवय अऊ ओकर गवाही ह सच ए। ओह जानथे कि ओह सच कहत हवय, अऊ ओह गवाही देथे ताकि तुमन घलो बिसवास करव। 36 ये बात एकरसेति होईस ताकि परमेसर के ये बचन ह पूरा होवय: "ओकर एको ठन हाड़ा टोरे नइं जाही।" 37 अऊ परमेसर के बचन म फेर आने जगह ये लिखे हवय, "ओमन ओला देखहीं, जेला ओमन छेदे-बेधे हवंय।" 38 एकर बाद अरमतिया सहर के यूसुफ जऊन ह यीसू के चेला रिहिस, पर ओह ये बात ला यहूदी अगुवामन के डर के मारे छुपाके रखे रहय। ओह पीलातुस ले बिनती करिस, "का मेंह यीसू के लास ला ले जावंव?" पीलातुस ह ओकर बिनती ला मान लीस। तब यूसुफ ह आईस अऊ यीसू के लास ला ले गीस। 39 निकुदेमुस जऊन ह पहिली यीसू करा एक बार रथिया आय रिहिस, करीब तैंतीस किलो गंधरस अऊ एलवा के मिले मसाला लीस अऊ ओह घलो यूसुफ के संग गीस। 40 ओमन यीसू के लास ला लीन अऊ यहूदीमन के दफनाय के रीति के मुताबिक लास म ओ मसाला के लेप ला लगाईंन अऊ ओला मलमल के कपड़ा म लपेटिन। 41 जऊन जगह म यीसू ला कुरूस ऊपर चघाय गे रिहिस, उहां एक ठन बारी रिहिस अऊ ओ बारी म एक ठन नवां कबर रिहिस, जऊन म कभू कोनो ला नइं रखे गे रिहिस। 42 काबरकि ओह यहूदीमन के तियारी के दिन रहय अऊ ओ कबर ह लकठा म रहय; एकरसेति ओमन यीसू के लास ला उहां रखिन।

20 हप्ता के पहिली दिन बड़े बिहनियां, जब अंधियार रहय, मरियम मगदलिनी कबर करा आईस अऊ देखिस कि पथरा ह कबर के मुंहाटी ले हट गे हवय। 2 तब ओह दऊड़त सिमोन पतरस अऊ ओ आने चेला करा गीस, जेकर ले यीसू मया रखय, अऊ ओमन ला कहिस, "ओमन परभू ला कबर ले निकालके ले गे हवंय अऊ हमन नइं जानन कि ओमन ओला कहां रखे हवंय।" 3 तब पतरस अऊ ओ आने चेला घर ले निकलिन अऊ कबर कोति गीन। 4 ओ दूनों दऊड़त गीन, पर ओ आने चेला ह तेज दऊड़के पतरस ले आघू निकल गीस अऊ कबर करा पहिली हबरिस। 5 निहरके ओह कबर म देखिस, त मलमल के कपड़ा ह उहां माढ़े रहय, पर ओह कबर के भीतर नइं गीस। 6 तब ओकर पाछू सिमोन पतरस ह आईस अऊ कबर के भीतर गीस। ओह देखिस कि मलमल के कपड़ा ह उहां माढ़े रहय। 7 ओह ये घलो देखिस कि ओ गमछा जऊन ला यीसू के मुड़ म लपेटे गे रिहिस, मलमल के कपड़ा ले अलग मोड़ाके माढ़े रहय। 8 तब ओ आने चेला घलो जऊन ह कबर करा पहिली हबरे रिहिस, भीतर गीस अऊ देखके बिसवास करिस। 9 ओमन अभी तक ले परमेसर के बचन ले नइं समझे रिहिन कि यीसू ह मरे म ले जरूर जी उठही। 10 तब चेलामन वापिस अपन-अपन घर चल दीन। 11 पर मरियम ह रोवत कबर के बाहिर ठाढ़े रिहिस। रोवत-रोवत ओह कबर के भीतर ला देखे बर झुकिस, 12 अऊ ओह देखिस कि दू झन स्वरगदूत सफेद कपड़ा पहिरे उहां बईठे रहंय, जिहां यीसू के देहें रखाय रिहिस; एक झन मुड कोति बईठे रहय अऊ दूसर झन गोड कोति। 13 स्वरगदूतमन ओकर ले पुछिन, "हे नारी, तेंह काबर रोवत हवस?" ओह कहिस, "ओमन मोर परभू ला ले गे हवंय, अऊ मेंह नइं जानव कि ओमन ओला कहां रखे हवंय।" 14 ये कहिके, ओह पाछू मुड़िस अऊ यीसू ला उहां ठाढ़े

देखिस, पर ओह नइं चिन्हिस कि येह यीसू अय। **15** यीसू ह ओला कहिस, "हे नारी, तेंह काबर रोवत हवस? तेंह कोन ला खोजत हवस?" ओह यीसू ला माली समझके कहिस, "हे महाराज, कहूं तेंह ओला ले गे हवस, त मोला बता कि तेंह ओला कहां रखे हवस। मेंह ओला ले जाहूं।" **16** यीसू ह ओला कहिस, "मरियम!" मरियम ह यीसू कोति मुड़िस, अऊ चिचियाके इबरानी म कहिस, "रब्बूनी!" (जेकर मतलब होथे "गुरूजी")। **17** यीसू ह ओला कहिस, "मोला झन छू, काबरकि मेंह अभी तक ले ददा करा ऊपर नइं गे हवंव। पर मोर भाईमन करा जा अऊ ओमन ला बता कि मेंह ओकर करा ऊपर जावत हंव, जऊन ह मोर ददा अऊ तुम्हर ददा, मोर परमेसर अऊ तुम्हर परमेसर ए।" **18** मरियम मगदलिनी चेलामन करा जाके कहिस, "मेंह परभू ला देखे हवंव, अऊ ओह मोर ले ये बात कहे हवय।" **19** ओहीच दिन जऊन ह हप्ता के पहिली दिन रिहिस, संझा के बेरा, जब चेलामन एक जगह म जूरे रहंय अऊ कपाटमन भीतर ले यहूदी अगुवामन के डर के मारे बंद रहंय, तब यीसू ह आईस अऊ ओमन के बीच म ठाढ़ होके ओमन ला कहिस, "तुमन ला सांति मिलय।" **20** ये कहे के बाद यीसू ह अपन हांथ अऊ अपन पंजरा ओमन ला देखाईस। तब चेलामन परभू ला देखके बहुंत खुस होईन। **21** यीसू ह ओमन ला फेर कहिस, "तुमन ला सांति मिलय। जइसने ददा ह मोला पठोय हवय, वइसने मेंह तुमन ला पठोवत हवंव।" **22** ये कहिके, ओह ओमन ऊपर फूंकिस अऊ कहिस, "पबितर आतमा ला गरहन करव। **23** यदि तुमन काकरो पाप छेमा करहू, त ओ पाप छेमा हो जाही; यदि तुमन ओमन के पाप छेमा नइं करहू, त ओमन छेमा नइं होवंय।" **24** जब यीसू ह आईस, त ओ बखत बारहों चेलामन ले एक झन थोमा ह (जऊन ला दिदुमुस घलो कहे जावय) ओमन संग नइं रिहिस। **25** जब आने चेलामन ओला कहिन, "हमन परभू ला देखे हवन।" त ओह ओमन ला कहिस, "जब तक मेंह ओकर हांथमन म खीला के चिनहांमन ला नइं देख लूहूं अऊ जिहां खीलामन रिहिन, उहां अपन अंगरी नइं डार लूहूं अऊ ओकर पंजरा म अपन हांथ नइं डार लूहूं, तब तक मेंह बिसवास नइं करंव।" **26** एक हप्ता के बाद यीसू के चेलामन फेर घर म रिहिन अऊ थोमा ह ओमन के संग म रिहिस। कपाटमन भीतर ले बंद रहंय, तब फेर यीसू ह आईस अऊ ओमन के बीच म ठाढ़ होके कहिस, "तुमन ला सांति मिलय।" **27** तब ओह थोमा ला कहिस, "तोर अंगरी ला इहां रख अऊ मोर हांथमन ला देख। अपन हांथ ला लानके मोर पंजरा म रख अऊ अबिसवासी नइं, पर बिसवासी बन।" **28** ये सुनके थोमा ह ओला कहिस, "हे मोर परभू, हे मोर परमेसर!" **29** तब यीसू ह कहिस, "तेंह मोला देखे के बाद बिसवास करय; पर धइन अंय ओमन, जऊन मन मोला बिगर देखे बिसवास करथें।" **30** यीसू ह कतको आने अचरज के चिनहां अपन चेलामन के आघू म देखाईस, जऊन मन ये किताब म नइं लिखे गे हवंय। **31** पर येमन एकरसेति लिखे गे हवंय कि तुमन बिसवास करव कि यीसू ह मसीह अऊ परमेसर के बेटा अय, अऊ ये बिसवास करे के दुवारा तुमन ओकर नांव म जिनगी पावव।

21 एकर बाद यीसू ह अपन चेलामन ला तिबिरियास झील के तीर म दरसन दीस अऊ ओह ये किसम ले दरसन दीस: **2** सिमोन पतरस, थोमा (जऊन ला दिदुमुस कहे जाथे), नतनएल जऊन ह गलील प्रदेस के काना सहर के रिहिस, जबदी के बेटामन अऊ दू झन आने चेलामन जूरे रिहिन। **3** सिमोन पतरस ह ओमन ला कहिस, "मेंह मछरी मारे बर जावत हंव," त ओमन कहिन, "हमन घलो तोर संग जाबो।" तब ओमन जाके डोंगा म चघिन, पर ओ रथिया ओमन एको ठन मछरी नइं पाईन। **4** बड़े बिहनियां, यीसू ह आके झील के तीर म ठाढ़ हो गीस, पर चेलामन पहिली नइं चिन्हिन कि ओह यीसू अय। **5** तब यीसू ह ओमन ला कहिस, "ए संगवारी हो, का तुम्हर करा कोनो मछरी हवय?" ओमन जबाब दीन, "नइं।" **6** ओह ओमन ला कहिस, "डोंगा के जेवनी कोति अपन जाल ला डारव, त तुमन ला मिलही।" जब ओमन जाल ला डारिन, त जाल म अतेक मछरी फंस गीन कि ओमन जाल ला खींच नइं सकिन। **7** तब ओ चेला जेकर ले यीसू मया करय, पतरस ला कहिस, "येह तो परभू अय।" जब सिमोन पतरस सुनिस कि येह परभू अय, त ओह अपन कपड़ा ला अपन कनिहां म लपेटिस (काबरकि ओह कुछू नइं पहिरे रिहिस) अऊ झील म कूद पड़िस। **8** पर आने चेलामन मछरी ले भरे जाल ला खींचत डोंगा म आईन। ओमन पानी के तीर ले जादा दूरिहा म नइं रिहिन। तीर ह करीब एक सौ मीटर दूरिहा रहय। **9** जब ओमन भुइयां म उतरिन, त देखिन कि उहां कोइला के आगी बरत रहय अऊ ओमा मछरी रखाय रहय अऊ उहां कुछू रोटी घलो रहय। **10** यीसू ह ओमन ला कहिस, "जऊन मछरीमन ला तुमन अभी पकड़े हवव, ओमा के कुछू लानव।" **11** सिमोन पतरस ह डोंगा ऊपर चघिस अऊ मछरी ले भरे जाल ला पानी के तीर म खींचके लानिस; जाल म 153 बड़े मछरी रहंय, पर अतकी जादा मछरी होय के बावजूद जाल ह नइं चीराईस। **12** यीसू ह ओमन ला कहिस, "आवव अऊ नास्ता करव।" कोनो चेला ला हिम्मत नइं होईस कि ओकर ले ये पुछय कि तेंह कोन अस? काबरकि ओमन जानत रिहिन कि येह परभू अय। **13** यीसू ह आईस अऊ रोटी ला लेके ओमन ला दीस, अऊ ओह मछरी ला घलो अइसनेच करिस। **14** येह तीसरा बार रिहिस, जब यीसू ह मरे म ले जी उठे के बाद अपन चेलामन ला दरसन दीस। **15** जब ओमन खा डारिन, त यीसू ह सिमोन पतरस ला कहिस, "हे सिमोन, यूहन्ना के बेटा! का तेंह येमन ले बढ़के मोला मया करथस?" ओह कहिस, "हव परभू, तेंह त जानथस कि मेंह तोर ले मया करथंव।" यीसू ह कहिस, "मोर मेढ़ा-पीलामन ला चरा।" **16** यीसू ह ओला फेर कहिस, "हे सिमोन, यूहन्ना के बेटा! का तेंह मोला मया करथस?"

ओह जबाब दीस, "हव परभू, तेंह जानथस कि मेंह तोर ले मया करथंव।" यीसू ह कहिस, "मोर भेड़मन के रखवारी कर।" 17 यीसू ह तीसरा बार ओला कहिस, "हे सिमोन, यूहन्ना के बेटा! का तेंह मोला मया करथस?" पतरस ह उदास हो गीस काबरकि यीसू ह तीसरा बार ओकर ले पुछिस, "का तेंह मोला मया करथस?" पतरस ह कहिस, "हे परभू, तेंह तो जम्मो बात ला जानथस; तेंह जानथस कि मेंह तोला मया करथंव।" यीसू ह कहिस, "मोर भेड़मन ला चरा। 18 मेंह तोला सच कहथंव कि जब तेंह जवान रहय, त खुद कपड़ा पहिरके जिहां चाहय, उहां चल देवत रहय; पर जब तेंह डोकरा हो जाबे, तब तेंह अपन हांथ ला लमाबे, अऊ कोनो आने मनखे तोला कपड़ा पहिराही, अऊ जिहां तेंह जाय बर नइं चाहबे, उहां ओह तोला ले जाही।" 19 ये कहे के दुवारा यीसू ह इसारा कर दीस कि पतरस ह कोन किसम के मिरतू ले परमेसर के महिमा करही। तब यीसू ह ओला कहिस, "मोर पाछू हो ले!" 20 पतरस ह मुड़के देखिस कि ओ चेला ह ओमन के पाछू-पाछू आवत रहय, जेकर ले यीसू मया करय, अऊ येह ओही चेला रिहिस, जऊन ह खाना खाय के बखत यीसू कोति छाती के भार झुकके पुछे रिहिस, "हे परभू, ओह कोन ए, जऊन ह तोला दगा दीही?" 21 जब पतरस ह ओला देखिस, त ओह यीसू ले पुछिस, "हे परभू, एकर का होही?" 22 यीसू ह जबाब दीस, "यदि में चाहंव, त ओह मोर लहुंटके आवत तक जीयत रहिही, एकर ले तोला का? तेंह मोर पाछू हो ले।" 23 एकरसेति भाईमन के बीच म ये अफवाह फईल गीस कि ये चेला ह नइं मरही। पर यीसू ह ये नइं कहे रिहिस कि ओह नइं मरही; ओह सिरिप ये कहिस, "यदि में चाहंव, त ओह मोर लहुंटके आवत तक जीयत रहिही, एकर ले तोला का?" 24 येह ओही चेला अय, जऊन ह ये बातमन के गवाही देवत हवय अऊ जऊन ह ये बातमन ला लिखे हवय, अऊ हमन जानत हवन कि ओकर गवाही ह सच ए। 25 यीसू ह आने अऊ कतको काम करिस, यदि ओमा के हर एक बात ला लिखे जातिस, त मेंह सोचथंव कि जऊन किताबमन लिखे जातिन, ओमन ला रखे बर जम्मो संसार म जगह नइं होतिस।

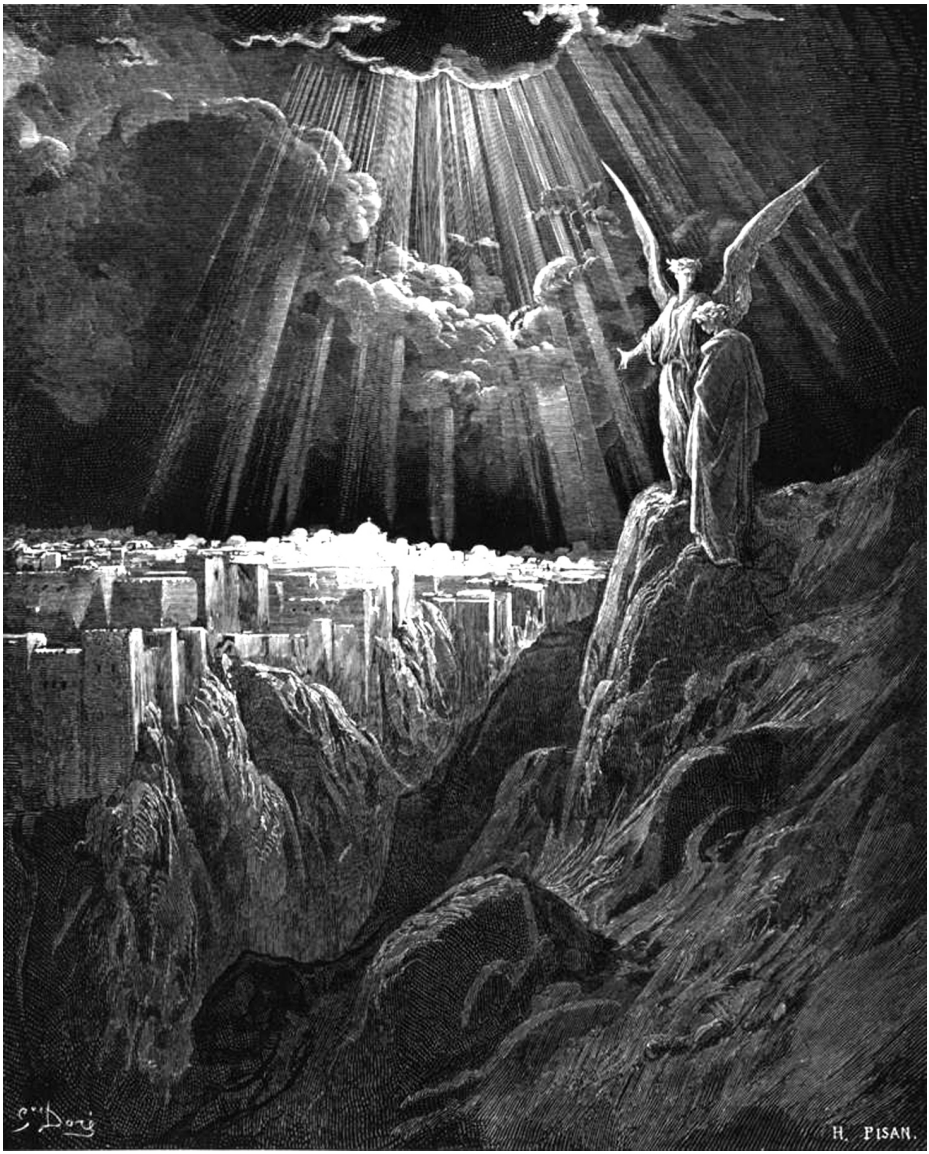

अऊ मेंह पबितर सहर नवां यरूसलेम ला परमेसर के इहां ले स्वरग ले उतरत देखेंव। ओह अपन घरवाला खातिर दुलहिन के सही सुघर
सजे रहय। अऊ मेंह सिंघासन ले ऊंचहा अवाज म, ये कहत सुनेंव, "देखव! अब परमेसर के निवास मनखेमन के बीच हवय,
अऊ ओह ओमन के संग रहिही। ओमन ओकर मनखे होहीं,
अऊ परमेसर ह खुद ओमन के संग रहिही।"
दरसन 21:2-3

दरसन

19 एकर बाद मेंह स्वरग म, एक बड़े भीड़ के गरजन सहीं अवाज
सुनेंव, जऊन ह चिचियाके ये कहत रहय: "हलिलूयाह!
उद्धार, महिमा अऊ सामर्थ हमर परमेसर के अय, **2** काबरकि ओकर
नियाय सच्चा अऊ सही अय। ओह ओ बड़े बेस्या ला दंड दे हवय,
जऊन ह अपन छिनारीपन ले धरती के मनखेमन ला खराप करत
रिहिस। परमेसर ह ओकर ले अपन सेवकमन के लह् के बदला ले
हवय।" **3** ओमन फेर चिचियाके कहिन: "हलिलूयाह! ओ बड़े
सहर के जरे के धुआं जुग-जुग तक उठत रहिथे।" **(aiōn g165)** **4**
चौबीस अगुवा अऊ चारों जीयत परानीमन माड़ी के भार गिरिन
अऊ ओमन सिंघासन ऊपर बिराजे परमेसर के अराधना करिन।
अऊ ओमन ऊंचहा अवाज म कहिन: "आमीन, हलिलूयाह!"
5 तब सिंघासन ले ये कहत एक अवाज आईस: "तुमन जम्मो
परमेसर के सेवकमन, का छोटे का बड़े तुमन, जऊन मन ओकर
भय मानथव, हमर परमेसर के परसंसा करव!" **6** तब मेंह एक
बड़े भीड़ के अवाज ला सुनेंव, जऊन ह पानी के लहरामन सहीं
अऊ बादर के बड़े गरजन सहीं रहय; भीड़ ह चिचियाके ये कहत
रहय: "हलिलूयाह! काबरकि हमर सर्वसक्तिमान परभू परमेसर ह
राज करत हवय। **7** आवव! हमन आनंद अऊ खुसी मनावन, अऊ
परमेसर के महिमा करन! काबरकि मेढ़ा-पीला के बिहाव के बेरा ह
आ गे हवय, अऊ ओकर दुलहिन ह अपनआप ला तियार कर ले
हवय। **8** सुघर, चमकत अऊ साफ मलमल के कपड़ा, ओला पहिरे
बर दिये गे हवय।" (सुघर मलमल कपड़ा ह पबितर मनखेमन के
धरमी काम के चिनहां ए।) **9** तब स्वरगदूत ह मोला कहिस, "येला
लिख: धइन अंय ओमन, जऊन मन मेढ़ा-पीला के बिहाव भोज के
नेवता पाथें।" अऊ स्वरगदूत ह ये घलो कहिस, "येमन परमेसर के
सत बचन अंय।" **10** तब मेंह ओकर अराधना करे बर ओकर गोड़
खाल्हे गिरेंव। पर ओह मोला कहिस, "अइसने झन कर! मेंह घलो
तोर अऊ तोर ओ भाईमन संग एक संगी सेवक अंव, जऊन मन
यीसू के गवाही रखथें। परमेसर के अराधना कर! काबरकि यीसू
के गवाही ह अगमबानी के आतमा ए।" **11** तब मेंह स्वरग ला
खुले हुए देखेंव अऊ उहां एक सफेद घोड़ा रहय, अऊ जऊन ह ओ
घोड़ा ऊपर सवारी करे रहय, ओला बिसवासयोग्य अऊ सच कहे
जाथे। ओह धरमीपन के संग नियाय करथे अऊ लड़ई करथे। **12**
ओकर आंखीमन आगी सहीं धधकत रहंय, अऊ ओकर मुड़ म
कतको मुकुटमन रहंय। ओकर देहें म एक नांव लिखाय रहय, जऊन
ला ओकर छोंड़ अऊ कोनो नइं जानंय। **13** ओह लह् म डुबोय
कपड़ा पहिरे रहय, अऊ ओकर नांव परमेसर के बचन ए। **14** स्वरग
के सेनामन सुघर, सफेद अऊ साफ मलमल के कपड़ा पहिरे अऊ
सफेद घोड़ामन म सवार होके ओकर पाछू-पाछू आवत रहंय। **15**
ओकर मुहं ले एक तेज धारदार तलवार निकलत रहय, जेकर दुवारा
ओह देस-देस के मनखेमन ला मारही। ओह लोहा के राजदंड ले
ओमन ऊपर राज करही। ओह सर्वसक्तिमान परमेसर के भयानक
कोरोध रूपी मंद के कुन्ड ला रऊंदही। **16** ओकर कपड़ा अऊ
ओकर जांघ म ये नांव लिखाय रहय: राजामन के राजा अऊ परभूमन
के परभू। **17** तब मेंह एक स्वरगदूत ला सूरज ऊपर ठाढ़े देखेंव।
ओह ऊंचहा अवाज म अकास म उड़त जम्मो चिरईमन ला पुकारके
कहिस, "आवव! परमेसर के बड़े भोज म सामिल होय बर जूरव, **18**
ताकि तुमन राजा, सेनापति, सक्तिसाली मनखे, घोड़ा अऊ ओकर
सवारमन के मांस, अऊ सुतंतर अऊ गुलाम, छोटे अऊ बड़े जम्मो
झन के मांस खा सकव।" **19** तब मेंह देखेंव कि ओ पसु अऊ धरती
के राजामन अपन सेनामन संग, घोड़ा म बईठे ओ घुड़सवार अऊ
ओकर सेना ले लड़े बर जूरे रहंय। **20** पर ओ पसु ह पकड़े गीस अऊ
ओकर संग ओ लबरा अगमजानी घलो पकड़े गीस, जऊन ह पसु
के आघू म अचरज के चिनहां देखाके, ओ मनखेमन ला बहकाय
रिहिस, जऊन मन ओ पसु के छाप लेय रिहिन अऊ ओकर मूरती के
पूजा करे रिहिन। ओ दूनों जीयते-जीयत धधकत गंधक के आगी के
कुन्ड म झोंक दिये गीन। **(Limnē Pyr g3041 g4442)** **21** ओमा के
बांचे मनखेमन घोड़ा म बईठे घुड़सवार के मुहं ले निकले तलवार ले
मारे गीन, अऊ जम्मो चिरईमन ओमन के मांस खाके अघा गीन।

20 तब मेंह एक स्वरगदूत ला स्वरग ले उतरत देखेंव। ओह
अपन हांथ म अथाह कुन्ड के कुची अऊ एक बड़े सांकर धरे
रहय। **(Abyssos g12)** **2** ओह ओ सांप सहीं पसु याने कि पुराना सांप
ला पकड़िस, जऊन ह इबलीस या सैतान ए, अऊ ओला एक हजार
साल बर सांकर म बांध दीस। **3** स्वरगदूत ह ओला अथाह कुन्ड म
डार दीस अऊ ओमा ताला लगाके ओकर ऊपर मुहर लगा दीस,
ताकि ओ पुराना सांप ह एक हजार साल के पूरा होवत तक, देसमन
के मनखेमन ला बहकाय झन सकय। ओकर बाद, ये जरूरी अय कि
ओला थोरकन समय बर छोंड़े जावय। **(Abyssos g12)** **4** तब मेंह
सिंघासनमन ला देखेंव, जऊन म ओ मनखेमन बईठे रहंय, जऊन
मन ला नियाय करे के अधिकार देय गे रिहिस। मेंह ओ मनखेमन के
आतमामन ला घलो देखेंव, जेमन के मुड़ ला यीसू के गवाही देय
के कारन अऊ परमेसर के बचन म बने रहे के कारन काट डारे गे
रिहिस। ओमन पसु या ओकर मूरती के अराधना नइं करे रिहिन अऊ
ओमन अपन माथा या अपन हांथ म ओकर छाप नइं लेय रिहिन।
ओमन जी उठिन अऊ मसीह के संग म एक हजार साल तक राज
करिन। **5** बाकि मरे मनखेमन एक हजार साल के पूरा होवत तक
जी नइं उठिन। येह मरे मनखेमन के पहिली जी उठई अय। **6** धइन
अऊ पबितर अंय ओ मनखेमन, जऊन मन ये पहिली जी उठई म
भागीदार होथें। येमन ऊपर दूसरा मिरतू के कोनो अधिकार नइं रहय।
येमन परमेसर अऊ मसीह के पुरोहित होहीं अऊ ओकर संग एक

हजार साल तक राज करहीं। 7 जब एक हजार साल पूरा हो जाही, त सैतान ला कैद ले छोंड दिये जाही 8 अऊ ओह धरती के जम्मो देस के मनखेमन ला बहकाय बर निकलही; ये देसमन याज्ज अऊ माज्जू अंय। सैतान ह ओमन ला लड़ई बर संकेलही। ओमन समुंदर तीर के बालू सहीं अनगिनत होहीं। 9 ओमन जम्मो धरती ऊपर बगर गीन। ओमन पबितर मनखेमन के डेरा अऊ परमेसर के मयारू सहर ला घेर लीन, पर स्वरग ले आगी उतरिस अऊ ओमन ला भसम कर दीस। 10 तब ओमन ला बहकवइया सैतान ला आगी अऊ गंधक के कुन्ड म डार दिये गीस, जिहां ओ पसु अऊ लबरा अगमजानी ला डारे गे रिहिस। ओमन सदाकाल तक दिन-रात पीरा भोगहीं। **(aiōn g165, Limnē Pyr g3041 g4442)** 11 तब मेंह एक बड़े सफेद सिंघासन अऊ ओकर ऊपर बिराजे एक मनखे ला देखेंव। धरती अऊ अकास ओकर आघू ले भाग गीन, अऊ ओमन बर कोनो जगह नइं बांचिस। 12 अऊ मेंह छोटे-बड़े जम्मो मरे मनखेमन ला सिंघासन के आघू म ठाढे देखेंव, अऊ किताबमन खोले गीन। तब एक आने किताब खोले गीस, जऊन ह जिनगी के किताब ए। किताबमन म लिखाय मरे मनखेमन के काम के मुताबिक ओमन के नियाय करे गीस। 13 तब समुंदर ह अपन मरे मनखेमन ला दे दीस। मिरतू अऊ पाताल-लोक अपन मरे मनखेमन ला दे दीन, अऊ हर एक के नियाय ओकर काम के मुताबिक करे गीस। **(Hadēs g86)** 14 तब मिरतू अऊ पाताल-लोक ला आगी के झील म डार दिये गीस। आगी के झील ह दूसरा मिरतू ए। **(Hadēs g86, Limnē Pyr g3041 g4442)** 15 जेमन के नांव जिनगी के किताब म लिखाय नइं मिलिस, ओमन आगी के झील म डार दिये गीन। **(Limnē Pyr g3041 g4442)**

21 तब मेंह एक नवां अकास अऊ एक नवां धरती देखेंव। पहिली अकास अऊ पहिली धरती दूनों लोप हो गे रिहिन, अऊ कोनो समुंदर घलो नइं रिहिस। 2 अऊ मेंह पबितर सहर नवां यरूसलेम ला परमेसर के इहां ले स्वरग ले उतरत देखेंव। ओह अपन घरवाला खातिर दुलहिन के सहीं सुघर सजे रहय। 3 अऊ मेंह सिंघासन ले ऊंचहा अवाज म, ये कहत सुनेंव, "देखव! अब परमेसर के निवास मनखेमन के बीच हवय, अऊ ओह ओमन के संग रहिही। ओमन ओकर मनखे होहीं, अऊ परमेसर ह खुद ओमन के संग रहिही। 4 ओह ओमन के आंखी के जम्मो आंसू ला पोंछही। उहां न मिरतू होही, न कोनो सोक मनाही या रोही, अऊ न ही कोनो ला कोनो किसम के पीरा होही, काबरकि पुराना बातमन खतम हो गे हवंय।" 5 जऊन ह सिंघासन म बिराजे रिहिस ओह कहिस, "मेंह हर एक चीज ला नवां बनावत हवंव।" तब ओह कहिस, "येला लिख ले, काबरकि ये बात ह बिसवास लईक अऊ सत ए।" 6 ओह मोला कहिस, "येह पूरा होईस। मेंह अलफा अऊ ओमेगा, आदि अऊ अन्त अंव। जऊन ह पीयासा हवय, ओला मेंह जिनगी के पानी के सोता म ले मुफत म पीये बर दूहूं। 7 जऊन ह जय पाही, ओला ये जम्मो चीज मिलही, अऊ मेंह ओकर परमेसर होहूं, अऊ ओह मोर बेटा होही। 8 पर डरपोक, अबिसवासी, दुस्ट, हतियारा, छिनारी करइया, जादू-टोना करइया, मूरती-पूजा करइया अऊ जम्मो लबरामन ओ झील म जगह पाहीं, जऊन ह आगी अऊ गंधक ले धधकत हवय। येह दूसरा मिरतू ए।" **(Limnē Pyr g3041 g4442)** 9 तब ओ सात स्वरगदूतमन, जेमन करा सात ठन आखिरी महामारी ले भरे सात ठन कटोरा रहंय, ओमा ले एक झन मोर करा आईस अऊ कहिस, "आ, मेंह तोला दुलहिन याने कि मेढ़ा-पीला के घरवाली ला देखाहूं।" 10 ओ स्वरगदूत ह आतमा के सामर्थ ले मोला एक बड़े अऊ ऊंच पहाड़ ऊपर ले गीस, अऊ ओ पबितर सहर—यरूसलेम ला देखाईस, जऊन ह स्वरग ले परमेसर के इहां ले उतरत रहय। 11 ओह परमेसर के महिमा ले चमकत रहय अऊ ओकर चमक ह एक बहुंत मंहगा पथरा—मनि सहीं एकदम साफ रहय। 12 ओकर चारों कोति एक बड़े अऊ ऊंच दीवार रहय। दीवार म बारह ठन कपाट रहंय अऊ ये कपाटमन म बारह झन स्वरगदूत ठाढे रहंय। ये कपाटमन म इसरायल के बारह गोत्र के नांव लिखाय रहय—हर कपाट म एक नांव। 13 पूरब म तीन, उत्तर म तीन, दक्खिन म तीन अऊ पछिम म तीन कपाट रिहिन। 14 सहर के दीवार के बारह ठन नींव के पथरामन रहंय अऊ ओमन म मेढ़ा-पीला के बारह प्रेरितमन के नांव लिखाय रहय—हर पथरा म एक नांव। 15 जऊन स्वरगदूत ह मोर ले गोठियावत रिहिस, ओकर करा सहर, ओकर कपाट अऊ दीवार ला नापे बर नापे के सोन के एक छड़ रहय। 16 ओ सहर ह चौखट्टा आकार म बसे रिहिस। ओकर लम्बई ह ओकर चौड़ई के बरोबर रहय। स्वरगदूत ह सहर ला छड़ म नापिस, त ओह करीब 12,000 सटेडिया निकलिस। ओकर लम्बई, चौड़ई अऊ ऊंचई बरोबर रिहिस। 17 ओह सहर के दीवार ला घलो नापिस। स्वरगदूत ह मनखे के नाप के हिसाब म नापिस, अऊ सहर के दीवार के ऊंचई ह करीब 65 मीटर निकलिस। 18 सहर के दीवार ह मनि के बने रिहिस अऊ सहर ह चोखा सोन के बने रिहिस, जऊन ह कांच सहीं सुध रिहिस। 19 सहर के दीवार के नींव ह जम्मो किसम के कीमती पथरा ले सजे रहय। पहिली नींव ह मनि के रिहिस, दूसरा ह नीलम, तीसरा ह सुलेमानी, चौथा ह पन्ना, 20 पांचवां ह गोमेदक, छठवां ह मानिक्य, सातवां ह पीतमनी, आठवां ह फिरोजा, नौवां ह पुखराज, दसवां ह लहसनिये, गियारहवां ह नगीना अऊ बारहवां ह नीलमनि के बने रिहिस। 21 बारह कपाटमन बारह मोतीमन ले बने रिहिन। एक-एक कपाट ह एक-एक मोती के बने रिहिस। सहर के गली ह आर-पार दिखइया साफ कांच सहीं चोखा सोन के बने रिहिस। 22 मेंह सहर म कोनो मंदिर नइं देखेंव, काबरकि सर्वसक्तिमान परभू परमेसर अऊ मेढ़ा-पीला एकर मंदिर अंय। 23 अऊ सहर ला सूरज या चंदा के अंजोर के जरूरत नइं रिहिस, काबरकि परमेसर के महिमा ओला अंजोर देवत रिहिस अऊ मेढ़ा-पीला ओकर दीया रिहिस। 24 संसार

के मनखेमन ओकर अंजोर म रेंगही अऊ संसार के राजामन ओमा अपन सोभा लानहीं। 25 ओ सहर के कपाटमन कभू बंद नइं होहीं, अऊ उहां कभू रात नइं होही। 26 जम्मो देस के महिमा अऊ आदर ओमा लाने जाही। 27 कोनो असुध चीज कभू ओ सहर म घुसरे नइं पाही अऊ न ही ओ मनखे, जऊन ह लज्जा के काम करथे या धोखा देवइया काम करथे, पर सिरिप ओमन घुसरे पाहीं, जेमन के नांव मेढ़ा-पीला के जिनगी के किताब म लिखाय हवय।

22 तब स्वरगदूत ह मोला जिनगी देवइया पानी के नदी ला देखाईस, जेकर पानी ह इसफटिक के सहीं साफ रिहिस। ओ नदी ह परमेसर अऊ मेढ़ा-पीला के सिंघासन ले निकलके 2 सहर के बड़े गली के बीचों-बीच बोहावत रिहिस। नदी के दूनों तीर म जिनगी के रूख रिहिस, जऊन म एक साल म बारह किसम के फर धरय—याने कि हर एक महिना ओमा फर धरय अऊ ओ रूख के पान ले देस-देस के मनखेमन ला चंगई मिलत रिहिस। 3 अब ले उहां कोनो किसम के सराप नइं होही। ओ सहर म परमेसर अऊ मेढ़ा-पीला के सिंघासन होही, अऊ ओकर सेवकमन ओकर अराधना करहीं। 4 ओमन ओकर चेहरा ला देखहीं अऊ ओकर नांव ह ओमन के माथा म लिखाय होही। 5 उहां अब कभू रात नइं होही। ओमन ला दीया या सूरज के अंजोर के जरूरत नइं पड़ही, काबरकि परभू परमेसर ह ओमन ला अंजोर दीही, अऊ ओमन सदाकाल तक राज करहीं। (aiōn g165) 6 तब स्वरगदूत ह मोला कहिस, "ये बातमन बिसवास के लईक अऊ सच अंय। परभू, परमेसर जऊन ह अगमजानीमन के आतमा ला उभारथे, ओह अपन स्वरगदूत ला अपन सेवकमन करा ओ बातमन ला देखाय बर पठोय हवय, जऊन ह निकट भविस्य म होवइया हवय।" 7 यीसू ह कहिस, "देखव! मेंह जल्दी आवत हंव। धइन ए ओ, जऊन ह ये किताब म लिखे अगम के बातमन ला मानथे।" 8 मैं, यूहन्ना ये बातमन ला सुने अऊ देखे हवंव। अऊ जब मेंह येमन ला सुन अऊ देख चुकेंव, त जऊन स्वरगदूत ह मोला ये बातमन ला देखाईस, ओकर गोड़ खाल्हे मेंह ओकर अराधना करे बर गिरेंव। 9 पर ओह मोला कहिस, "अइसने झन कर। मेंह घलो तोर सही अऊ तोर भाई अगमजानीमन सही अऊ ओ जम्मो झन जऊन मन ये किताब के बात ला मानथें, ओमन सहीं एक संगी सेवक अंव। परमेसर के अराधना कर!" 10 अऊ ओह मोला फेर कहिस, "तेंह ये किताब के अगम के बातमन ला मुहर लगाके बंद झन कर, काबरकि समय ह लकठा आ गे हवय। 11 जऊन ह अधरम करथे, ओह अधरम करते रहय। जऊन ह दुस्ट मनखे ए, ओह दुस्ट मनखे बने रहय। जऊन ह धरमी ए, ओह भलई करते रहय; अऊ जऊन ह पबितर ए, ओह पबितर बने रहय।" 12 यीसू ह कहिस, "देखव! मेंह जल्दी आवत हंव। मेंह अपन ईनाम ला अपन संग लेके आहूं अऊ हर एक मनखे ला ओकर काम के मुताबिक ईनाम दूहूं। 13 मेंह अलफा अऊ ओमेगा, पहिली अऊ आखिरी, आदि अऊ अन्त अंव। 14 "धइन अंय ओमन, जऊन मन अपन ओनहा ला धोथें ताकि ओमन ला जिनगी के रूख म ले फर खाय के अधिकार अऊ कपाट म ले होके सहर के भीतर जाय के अधिकार मिलय। 15 पर कुकुर, जादू-टोना करइया, छिनारी करइया, हतियारा, मूरती-पूजा करइया अऊ हर ओ मनखे, जऊन ला लबरा बात अऊ लबरा काम करई बने लगथे, ये जम्मो के जम्मो सहर ले बाहिर रहिहीं। 16 "मैं यीसू ह, अपन स्वरगदूत ला तुम्हर करा पठोय हवंव कि ओह कलीसियामन ला ये बात बतावय। मेंह दाऊद राजा के मूल अऊ बंसज अंव, अऊ मेंह बिहनियां के चमकत तारा अंव।" 17 पबितर आतमा अऊ दुलहिन कहिथें, "आवव!" अऊ जऊन ह सुनथे, ओह कहय, "आवव!" जऊन ह पीयासा हवय, ओह आवय; अऊ जऊन ह चाहथे, ओह जिनगी के पानी ला बिगर कोनो दाम के ले लेवय। 18 मैं यूहन्ना ओ जम्मो मनखे ला चेतावत हंव, जऊन मन ये किताब के अगम के बात ला सुनथें: कहूं कोनो येमा कुछू जोड़ही, त परमेसर ह ये किताब म लिखाय महामारीमन ला ओकर ऊपर लानही। 19 अऊ कहूं कोनो अगमबानी के ये किताब म ले कुछू बात ला निकालही, त परमेसर ह ये किताब म लिखाय जिनगी के रूख अऊ पबितर सहर म ले ओकर बांटा ला निकाल दीही। 20 जऊन ह ये बातमन के गवाही देथे, ओह कहिथे, "हव, मेंह जल्दी आवत हंव।" आमीन! हे परभू यीसू, आ। 21 परभू यीसू के अनुग्रह परमेसर के मनखेमन ऊपर होवय। आमीन।

66 Verses

छत्तीसगढ़ी at AionianBible.org

The Bible is a library of 66 books in the Protestant Canon written by 40 different men over a span of 1,500 years from 1435 BC to 65 AD with one consistent message. From the first page through the last, Jesus. Genesis promised our deliverer is coming, Jesus. Moses said our better prophet is coming, Jesus. Isaiah prophesied our Messiah will be a suffering servant, Jesus. John announced our Anointed One is here, Jesus. Jesus himself testified he is our Lord God, Yahweh. The gospels agree our conqueror of death has risen, Jesus. The Apostles witnessed our victor ascend to his throne in Heaven, Jesus. And Revelation promises Jesus' return for our final judgment. Are you ready? Read the Bible cover to cover at AionianBible.org and answer these questions. How did I get here? Why am I here? How do I determine right or wrong? How can I escape condemnation? What is my destiny? Begin with the primer verses below.

उतपत्ती **9:8** फेर परमेसर ह नूह अऊ ओकर बेटामन ला कहिस, **9:9** "सुनव, में अब तुम्हर संग अऊ तुम्हर पाछू तुम्हर होवइया संतानमन संग करार करत हंव; **9:10** अऊ जम्मो जीयत परानी जेमन तुम्हर संग हवंय—चिरई, घरेलू-पसु अऊ जम्मो जंगली पसु, अऊ धरती ऊपर जम्मो जीयत परानी, जऊन मन तुम्हर संग जहाज ले निकले हवंय, ओमन संग घलो। **9:11** में तुम्हर संग अपन ये करार करत हंव: फेर कभू जम्मो परानी जल-परलय ले नास नइं होवंय; फेर कभू धरती ला नास करे बर जल-परलय नइं होवय।" **9:12** फेर परमेसर ह कहिस, "जऊन करार मेंह तुम्हर अऊ जतेक जीयत परानी तुम्हर संग हवंय, ओ सबो के संग करत हंव, येह अवइया तुम्हर जम्मो पीढ़ी बर होही अऊ ओकर ये चिनहां होही: **9:13** मेंह बादर म अपन मेघ-धनुस रखे हवंव, अऊ येह मोर अऊ धरती के बीच म करार के चिनहां होही।

निरगमन **14:13** मूसा ह मनखेमन ला जबाब दीस, "झन डरव। खड़े रहव अऊ ओ छुटकारा के काम ला देखव, जेला यहोवा ह आज तुम्हर बर करही। जऊन मिसरीमन ला आज तुमन देखत हव, ओमन ला तुमन फेर कभू नइं देखह्। **14:14** यहोवा ह तुम्हर बर लड़ही; तुमन सिरिप चुपेचाप रहव।"

लैव्य-ब्यवस्था **20:26** तुमन मोर बर पबितर बने रहव, काबरकि में यहोवा ह पबितर अंव, अऊ मेंह तुमन ला आने देस के मनखेमन ले अलग करे हंव कि तुमन मोर बने रहव।

गनती **6:24** "'"यहोवा तुमन ला आसीस देवय अऊ तुम्हर रकछा करय; **6:25** यहोवा ह अपन चेहरा के अंजोर तुम्हर ऊपर चमकाय अऊ अनुग्रह करय; **6:26** यहोवा ह अपन चेहरा तुम्हर कोति करय अऊ तुमन ला सांति देवय।"'

ब्यवस्था **18:18** मेंह ओमन बर ओमन के संगी इसरायलीमन के बीच म ले तोर सही एक अगमजानी ला ठाढ करहूं, अऊ मेंह अपन बात ओकर मुहूं म डालहूं। ओह ओमन ला ओ जम्मो बात बताही, जेकर हुकूम मेंह ओला दूहूं। **18:19** मेंह खुद ओ मनखे ला जिम्मेदार ठहिराहूं, जऊन ह मोर ओ बात ला नइं सुनही, जेला ओ अगमजानी ह मोर नांव म बताही।

यहोसू **1:7** "एकरसेति तेंह मजबूत अऊ अब्बड़ साहसी बन। जऊन कानून ला मोर दास मूसा ह तोला दे हवय, ओ जम्मो कानून ला धियान देके मान; ये कानून ले तेंह डेरी या जेवनी झन मुड़बे, तब तेंह जिहां कहूं जाबे, ओ हर जगह म तें सफल होबे। **1:8** परमेसर के कानून के ये किताब ला अपन चित ले कभू झन उतरन देबे; ये किताब म दिन अऊ रथिया धियान करत रहिबे, ताकि तेंह ये किताब म लिखाय हर बात ला माने म सचेत रह। तब तेंह सम्पन्न अऊ सफल होबे। **1:9** का मेंह तोला हुकूम नइं दे हवंव? मजबूत अऊ साहसी बन। झन डराबे: निरास झन होबे, काबरकि जिहां घलो तेंह जाबे, यहोवा तोर परमेसर ह तोर संग रहिही।"

नियायीमन **2:7** यहोसू के जिनगी भर अऊ जऊन अगुवामन यहोसू के मरे के बाद जीयत रिहिन अऊ इसरायल बर यहोवा के करे जम्मो बड़े-बड़े काममन ला देखे रिहिन, ओमन के जिनगी भर, मनखेमन यहोवा के सेवा करिन।

रूत **1:16** पर रूत ह जबाब दीस, "तोला छोंड़े बर या तोला छोंड़के वापिस जाय बर, तेंह मोर ले बिनती झन कर। जिहां तेंह जाबे, उहां मेंह घलो जाहूं, अऊ जिहां तेंह रहिबे, उहां मेंह घलो रहिहूं। तोर मनखेमन मोर मनखेमन होहीं, अऊ तोर परमेसर ह मोर परमेसर होही।

1:17 जिहां तेंह मरबे, उहां मेंह घलो मरहं, अऊ उहेंच मोला माटी दिये जाही। यदि मिरतू के छोंड अऊ कोनो कारन ले मेंह तोर ले अलग होथंव, त यहोवा ह मोर संग बहुंत कठोर बरताव करय।"

1 समूएल **16:7** पर यहोवा ह समूएल ला कहिस, "ओकर रूप अऊ ओकर कद के ऊंचई के बारे म झन सोच, काबरकि मेंह ओला अस्वीकार करे हंव। यहोवा ह मनखेमन सहीं नइं देखय। मनखेमन तो बाहिरी रूप ला देखथें, पर यहोवा ह मनखे के मन ला देखथे।"

2 समूएल **7:22** "हे परमपरधान यहोवा, तेंह कतेक महान अस! तोर सहीं अऊ कोनो नइं ए, अऊ तोला छोंड अऊ कोनो परमेसर नइं ए, जइसे कि हमन अपन कान ले सुने हवन।

1 राजा **2:3** अऊ जऊन कुछू यहोवा तोर परमेसर चाहथे, ओला मान: ओकर ईछा के मुताबिक चल, अऊ जइसने मूसा के कानून म लिखे हवय वइसने ही ओकर रीति-बिधि अऊ हुकूम, ओकर कानून अऊ नियममन ला मान। तेंह ये जम्मो ला माने कर, ताकि तोर हर काम अऊ तोला हर जगह म सफलता मिलय

2 राजा **22:19** काबरकि तोर मन ह उत्तरदायी होईस अऊ तेंह यहोवा के आघू म अपनआप ला नम्र करय, जब तेंह ये जगह अऊ इहां के मनखेमन के बिरूध कहे गय मोर बात ला सुनय—कि ओमन एक सराप बन जाहीं अऊ ओमन उजड़ जाहीं—अऊ काबरकि तेंह अपन ओनहा ला चीरय अऊ मोर आघू म रोवय, त मेंह घलो तोर बात ला सुनेंव, यहोवा ह घोसना करत हे।

1 इतिहास **29:17** हे मोर परमेसर, मेंह जानत हंव कि तेंह मन ला जांचथस अऊ ईमानदारी ले खुस होथस। ये जम्मो चीज मेंह अपन ईछा ले अऊ सही मनसा ले दे हवंव। अऊ अब मेंह आनंद के संग देखे हंव कि तोर मनखे, जऊन मन इहां हवंय, कइसे अपन ईछा ले तोला देय हवंय।

2 इतिहास **7:14** तब कहं मोर मनखेमन, जेमन मोर कहाथें, अपनआप ला दीन करके पराथना करहीं अऊ मोर दरसन के खोजी होहीं अऊ बुरई के रहा ले फिरहीं, तब मेंह स्वरग ले सुनके, ओमन के पाप ला छेमा करहं अऊ ओमन के देस ला चंगा करहं।

एजरा **7:10** एजरा ह यहोवा के कानून के अध्ययन करे बर अऊ ओकर अनुसार चले बर, अऊ इसरायल म ओकर बिधि अऊ कानून ला सिखाय बर अपन मन ला लगाय रिहिस।

नहेमियाह **6:3** एकरसेति मेंह ओमन करा संदेसियामन ले ये खबर पठोंय: "मेंह तो भारी काम म लगे हवंव, उहां खाल्हे नइं जा सकंव। काम ह बंद हो जाही, जब मेंह येला छोंड़के तुम्हर संग भेंट करे बर आहं?"

एस्तर **4:14** काबरकि यदि तें ये बेरा म चुपेचाप रहिबे, त यहूदीमन के मदद अऊ छुटकारा कहीं अऊ जगह ले हो जाही, पर तें अऊ तोर ददा के परिवार ह नास हो जाही। अऊ कोन जाने, सायद अइसने कठिन बेरा बर ही तोला ये राजपद मिले हवय।"

अयूब **19:25** मेंह जानत हंव कि मोला कैद ले छुड़इया ह जीयत हवय, अऊ आखिर म ओह धरती ऊपर ठाढ होही।

भजन-संहिता **23:1** दाऊद के एक भजन। यहोवा ह मोर चरवाहा अय, मोला कुछू घटी नइं होवय। **23:2** ओह मोला हरियर-हरियर चरागन म अराम कराथे, ओह मोला सांत पानी के तीर म ले जाथे, **23:3** ओह मोर जीव ला तरो-ताजा कर देथे। अपन नांव के खातिर ओह मोला धरमीपन के रसता म ले चलथे। **23:4** चाहे मेंह घिटके अंधियार के घाटी म ले होके जावंव, तभो ले कोनो अहित होय ले नइं डरंव, काबरकि तेंह मोर संग रहिथस; तोर सुंटी अऊ तोर लउठी ले मोला अराम मिलथे। **23:5** तेंह मोर बईरीमन के आघू म मोर बर जेवन के मेज सजाथस। तेंह मोर मुड़ ला तेल ले अभिसेक करथस; मोर कटोरा ह छलकत हे। **23:6** खचित तोर भलई अऊ मया मोर जिनगी भर मोर संग रहिही, अऊ मेंह सदा-सर्वदा यहोवा के घर म निवास करहं।

नीतिबचन **3:5** तें अपन समझ के ऊपर भरोसा झन कर, पर अपन जम्मो हिरदय ले यहोवा ऊपर भरोसा रख; **3:6** अपन जम्मो काम ओकर ईछा के मुताबिक कर, तब ओह तोर बर सीधा रसता निकालही।

सभोपदेसक **3:10** मेंह ओ बोझा ला देखे हंव, जेला परमेसर ह मानव-जाति ऊपर रखे हवय। **3:11** ओह हर एक चीज ला ओकर समय म सुघर बनाय हवय। ओह मनखे के मन म अनंतकाल ला घलो बसाय हवय; तभो ले परमेसर ह सुरू ले लेके आखिरी तक जऊन काम करे हवय, ओला कोनो मनखे समझ नइं सकय।

उत्तम गीत **2:4** ओह मोला भोज के घर म ले जावय, अऊ ओकर मया के धजा ह मोर ऊपर होवय।

यसायाह **9:6** काबरकि हमर बर एक बालक ह जनमे हे, हमन ला एक बेटा दिये गे हवय, अऊ परभूता ओकर खांध ऊपर होहीं। अऊ ओकर नांव अद्भूत युक्ति करइया, पराकरमी परमेसर, अनंतकाल के ददा, अऊ सांति के राजकुमार रखे जाही। **9:7** ओकर परभूता सदा बाढ़त जाही, अऊ ओकर सांति के अन्त नइं होही। ओह दाऊद के सिंघासन अऊ ओकर राज ऊपर सासन करही, ओ समय ले लेके सदाकाल बर नियाय अऊ धरमीपन के संग ओकर राज ह स्थिर रहिही अऊ संभले रहिही। सर्वसक्तिमान यहोवा के धुन ह येला पूरा करही।

यरमियाह **1:4** यहोवा के ये बचन मोर करा, ये कहत आईस, **1:5** "गरभ म रचे के पहिले ही मेंह तोला जानत रहेंव, तोर जनम के पहिले ही मेंह तोला अलग करे हंव; मेंह तोला देस-देसमन बर अगमजानी ठहिराय हंव।" **1:6** तब मेंह कहेंव, "आह, हे परमपरधान यहोवा, मेंह नइं जानंव कि कइसे गोठियावंव; मेंह अभी बहुंत छोटे हंव।" **1:7** पर यहोवा ह मोला कहिस, "झन कह, 'मेंह उमर म बहुंत छोटे हंव।' तोला ओ जम्मो झन करा जाना हे, जेमन करा मेंह तोला पठोहूं अऊ जऊन हुकूम मेंह तोला दूहूं, ओला बता। **1:8** ओमन ले झन डरबे, काबरकि मेंह तोर संग हवंव अऊ मेंह तोला बचाहूं," यहोवा ह ये घोसना करत हे। **1:9** तब यहोवा ह अपन हांथ ला बढ़ाके मोर मुहूं ला छुईस अऊ मोला कहिस, "मेंह अपन बचन ला तोर मुहूं म डाल दे हंव। **1:10** सुन, मेंह आज तोला देसमन अऊ राजमन ऊपर ठहिरावत हंव कि तें ओमन ला उखानके गिरा दे, ओमन ला नास करके फटिक दे, ओमन ला बना अऊ बसा दे।"

बिलापगीत **3:21** तभो ले मेंह ये सुरता करथंव अऊ एकरे कारन मोला आसा हवय: **3:22** यहोवा के महान मया के कारन हमन खतम नइं होयेंन, काबरकि ओकर दया हमेसा बने रहिथे। **3:23** हर बिहनियां ओमन नवां होथें; महान ए तोर बिसवासयोग्यता।

यहेजकेल **36:26** मेंह तुमन ला नवां हिरदय दूहूं अऊ तुमन म एक नवां आतमा डालहूं; मेंह तुमन ले तुम्हर पथरा के हिरदय हटा दूहूं अऊ तुमन ला मांस के एक हिरदय दूहूं। **36:27** मेंह अपन आतमा तुमन म डालहूं अऊ अइसन करहूं कि तुमन मोर नियम म चलह् अऊ धियान देके मोर कानूनमन के पालन करह्।

दानिएल **3:16** सदरक, मेसक अऊ अबेदनगो राजा ला जबाब दीन, "हे राजा नबूकदनेसर, ये बिसय म हमन ला तोर आघू म अपनआप के बचाव करे के जरूरत नइं ए। **3:17** यदि हमन ला धधकत आगी के भट्ठी म फटिक दिये जाथे, त हमर परमेसर, जेकर सेवा हमन करथन, हमन ला येकर ले बचाय के सक्ति रखथे, अऊ हे महाराज, ओह हमन ला तोर हांथ ले घलो बचाही। **3:18** पर यदि ओह हमन ला नइं घलो बचाय, तभो ले, हे महाराज, हमन तोला बता देय चाहत हन कि हमन तोर देवतामन के सेवा नइं करन या तोर दुवारा स्थापित सोन के मूरती के अराधना नइं करन।"

होसे **6:6** काबरकि मेंह बलिदान ले नइं, पर दया ले, अऊ होम-बलिदान के बदला परमेसर ला माने ले खुस होथंव।

योएल **2:28** "अऊ ओकर बाद, मेंह अपन आतमा ला जम्मो मनखेमन ऊपर उंडेलहूं। तुम्हर बेटा अऊ बेटीमन अगमबानी करहीं, अऊ तुम्हर सियानमन सपना देखहीं, तुम्हर जवानमन दरसन देखहीं। **2:29** मेंह अपन दास अऊ अपन दासीमन ऊपर घलो ओ दिन म अपन आतमा उंडेलहूं। **2:30** मेंह ऊपर अकास म अऊ खाल्हे धरती म अद्भूत काम, याने कि लहू, आगी अऊ धुआं के बादर देखाहूं। **2:31** यहोवा के महान अऊ भयानक दिन के आय के पहिली सूरज ह अंधियार अऊ चंदा ह लहू सहीं हो जाही। **2:32** अऊ हर एक, जऊन ह यहोवा के नांव लीही, ओह उद्धार पाही; काबरकि छुटकारा सियोन पहाड़ अऊ यरूसलेम म होही, जइसने कि यहोवा ह कहे हवय, अऊ त अऊ बचनेवालामन म ओ मनखेमन घलो होहीं जेमन ला यहोवा ह बलाही।

आमोस **5:24** पर नियाय ला नदी कस, अऊ धरमीपन ला कभू नइं सूखइया सोता सहीं बोहावन दव!

ओबदयाह **1:15** "सबो जाति के मनखेमन बर यहोवा के दिन ह लकठा म हवय। जइसन तेंह करे हस, वइसन तोर संग घलो करे जाही; तोर करे गय दुस्ट काममन तोरेच मुड़ ऊपर आ जाहीं।

योना **2:6** मेंह पहाड़ के जरी तक चल दे रहेंव; मेंह हमेसा बर भुइयां म गड़ गे रहेंव। पर हे यहोवा मोर परमेसर, तेंह मोला खंचवा म ले निकाले हस। **2:7** "जब मेंह बेहोस होवत रहेंव, तब हे यहोवा, मेंह तोला सुरता करेंव, अऊ मोर पराथना तोर मेर, तोर पबितर मंदिर म पहुंचिस। **2:8** "जऊन मनखेमन बेकार के मूरतीमन म मन लगाथें ओमन अपनआप ला परमेसर के मया ले दूरिहा कर लेथें। **2:9** पर मेंह, ऊंचहा सबद ले परसंसा करके तोला बलिदान चघाहूं। जऊन मन्नत मेंह माने हंव, ओला मेंह पूरा करहूं। मेंह कहिहूं, 'उद्धार सिरिप यहोवा ही से होथे।'"

मीका **6:8** हे मरनहार मनखे, ओह तोला देखाय हवय कि का ह बने अय। अऊ यहोवा ह तोर ले का चाहथे? नियाय के काम करव अऊ दया करे बर झन छोंड़व अऊ अपन परमेसर संग नमरता से चलव।

नहूम **1:2** यहोवा जलन रखइया अऊ बदला लेवइया परमेसर अय; यहोवा बदला लेथे अऊ कोरोध ले भरे हवय। यहोवा अपन बईरीमन ले बदला लेथे अऊ अपन कोरोध अपन बईरीमन के बिरूध देखाथे। **1:3** यहोवा ह कोरोध करे म धीमा, पर सामर्थ म बड़े अय; यहोवा दुस्टमन ला दंड देय बिगर नइं छोंड़हीं। ओकर रद्दा ह बवंडर अऊ आंधी म ले होके जाथे, अऊ बादरमन ओकर गोड़ के धुर्रा अंय।

हबक्कूक **3:17** चाहे अंजीर के रूख म अंकुर झन निकलय अऊ अंगूर के नार म अंगूर झन फरय, चाहे जैतून के रूख म फर झन लगंय अऊ खेत म अनाज झन होवय। चाहे बाड़ा म कोनो भेड़ झन रहंय अऊ कोठा म कोनो पसु झन होवंय, **3:18** तभो ले मेंह यहोवा म आनंद मनाहूं, मेंह परमेसर अपन उद्धारकर्ता म आनंदित होहूं। **3:19** परमपरधान यहोवा ह मोर बल अय; ओह मोर पांव ला हिरन के पांव सहीं बना देथे, ओह मोला ऊंच जगह म चले के लईक बनाथे। संगीत निरदेसक बर। मोर तारवाले बाजामन के संग।

सपनयाह **3:17** यहोवा, तोर परमेसर ह तोर संग हवय, ओह बड़े सूरबीर अय, जऊन ह तोला बचाथे। ओह तोर कारन बहुंत आनंदित होही; अपन मया म ओह तोला फेर कभू नइं डांटही, पर तोर कारन ओह गीत गावत आनंदित होही।"

हाग्गै **1:4** "का ये समय ए कि तुमन खुद अपन बढ़िया घर म रहव, अऊ ये घर ह उजार परे रहय?" **1:5** अब सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहत हे: "अपन चालचलन ऊपर सही धियान देवव। **1:6** तुमन बहुंते बोय रहेव, पर कम फसल मिलिस। तुमन खाथव, पर तुम्हर पेट कभू नइं भरय। तुमन पीथव, पर तुम्हर पीयास कभू नइं बुझय। तुमन ओनहा पहिरथव, पर ओकर ले तुमन ला गरमी नइं मिलय। तुमन मजदूरी कमाथव, पर येह कइसन खरचा हो जाथे, तुमन ला पता नइं चलय।" **1:7** सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहत हे: "अपन चालचलन ऊपर सही धियान देवव।

जकरयाह **12:10** "अऊ मेंह दाऊद के घराना अऊ यरूसलेम के निवासीमन ऊपर किरपा अऊ बिनती करइया एक आतमा उंडेलहूं। ओमन मोर कोति देखहीं, जेला ओमन छेदे-बेधे हवंय, अऊ ओमन ओकर बर वइसने बिलाप करहीं, जइसने कोनो अपन एके झन लइका बर करथे, अऊ ओमन ओकर बर अइसने दुखी होहीं, जइसने कोनो अपन पहिलांत के मरे म दुखी होथे।

मलाकी **4:2** पर तुमन जऊन मन मोर नांव के आदर करथव, धरमीपन के सूरज ह चंगई देवइया अपन किरन के संग उदय होही। अऊ तुमन बाहिर निकलह् अऊ मोटा-ताजा बछवा कस उछल-कूद करह्। **4:3** तब तुमन दुस्टमन ला कुचरह्; ओमन मोर ठहिराय दिन म तुम्हर गोड़ के खाल्हे के राख हो जाहीं," सर्वसक्तिमान यहोवा ह कहिथे।

मत्ती **28:18** तब यीसू ह ओमन करा आईस अऊ कहिस, "स्वरग अऊ धरती ऊपर मोला पूरा अधिकार देय गे हवय। **28:19** एकरसेति जावव अऊ जम्मो जाति के मनखेमन ला मोर चेला बनावव अऊ ओमन ला ददा, बेटा अऊ पबितर आतमा के नांव म बतिसमा देवव, **28:20** अऊ ओमन ला ओ जम्मो बात मानना सिखोवव, जेकर हुकूम मेंह तुमन ला देय हवंव। अऊ देखव, मेंह संसार के अन्त होवत तक हमेसा तुम्हर संग हवंव।" **(aiōn g165)**

मरकुस **1:14** पाछू जब यूहन्ना ला जेल म डाले गीस, त यीसू ह परमेसर के सुघर संदेस के परचार करत गलील प्रदेस म गीस। **1:15** ओह कहिस, "समय ह पूरा हो चुके हवय; परमेसर के राज ह लकठा आ गे हवय। मन फिरावव अऊ सुघर संदेस म बिसवास करव।" **1:16** गलील के झील के तीरे-तीर जावत, ओह सिमोन अऊ ओकर भाई अन्द्रियास ला झील म जाल डारत देखिस, काबरकि ओमन मछुआर रिहिन। **1:17** यीसू ह ओमन ला कहिस, "मोर पाछू आवव, मेंह तुमन ला मनखे पकड़इया मछुआर बनाहूं।" **1:18** ओमन तुरते अपन जाल ला छोंड़के ओकर पाछू हो लीन।

लूका **4:18** "परभू के आतमा मोर ऊपर हवय, काबरकि ओह गरीबमन ला सुघर संदेस के परचार करे बर मोर अभिसेक करे हवय। ओह मोला पठोय हवय, ताकि मेंह कैदीमन ला छुटकारा के, अऊ अंधरामन ला आंखी पाय के घोसना करंव, अऊ दुखित-पीड़ितमन ला छोंड़ावंव,

यूहन्ना **3:16** "काबरकि परमेसर ह संसार ले अइसने मया करिस कि ओह अपन एकलऊता बेटा ला दे दीस, ताकि जऊन कोनो ओकर बेटा ऊपर बिसवास करय, ओह नास नइं होवय, पर परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी पावय। **(aiōnios g166)** **3:17** परमेसर ह अपन बेटा ला एकर खातिर नइं पठोईस कि ओह संसार ला दोसी ठहिरावय, पर ये खातिर पठोईस कि ओकर जरिये संसार के उद्धार करे।

प्रेरितमन के काम 1:7 यीसू ह ओमन ला कहिस, "ओ बेरा या तारिख, जऊन ला ददा ह अपनेच अधिकार म रखे हवय, तुमन के जाने के काम नो हय। 1:8 पर जब पबितर आतमा तुम्हर ऊपर आही, त तुमन सक्ति पाह्; अऊ यरूसलेम म, अऊ जम्मो यहूदिया अऊ सामरिया म, अऊ धरती के छोर तक तुमन मोर गवाह होह्।"

रोमीमन 11:32 काबरकि परमेसर ह जम्मो मनखेमन ला हुकूम नइं माने के पाप म बांधके रखे हवय ताकि ओह जम्मो झन के ऊपर दया देखावय। (eleēsē g1653) 11:33 अहा! परमेसर के बुद्धि अऊ गियान के धन के गहरई ह कतेक अथाह अय! ओकर सहीं नियाय कोनो नइं कर सकंय, अऊ ओकर काम करे के तरीका ला कोनो नइं जान सकंय! 11:34 "परभू के मन ला कोन ह जाने हवय? अऊ कोनो ओला सलाह देय के लईक नो हंय।" 11:35 "कोन ह आज तक परमेसर ला कभू कुछू दे हवय कि परमेसर ह ओला वापिस देवय?" 11:36 काबरकि जम्मो चीज ह परमेसर ले आय हवय, अऊ ओकर दुवारा बनाय गे हवय अऊ ओकर खातिर बनाय गे हवय। ओकर महिमा सदाकाल तक होवत रहय! आमीन। (aiōn g165)

1 कुरिन्थुस 6:9 का तुमन नइं जानव कि दुस्ट मनखेमन परमेसर के राज के वारिस नइं हो सकंय? धोखा झन खावव। न तो छिनारी करइया, न मूरती-पूजा करइया, न दूसर के माईलोगन संग बेभिचार करइया, न पुरूस बेस्या, न समलैंगिक, 6:10 न चोर, न लोभी, न मतवार, न बदनामी करइया अऊ न तो धोखेबाजमन परमेसर के राज के वारिस होहीं। 6:11 तुमन ले कुछू मनखेमन अइसने रिहिन। पर परभू यीसू मसीह के नांव म अऊ हमर परमेसर के आतमा के दुवारा तुमन ला धोय गे हवय, तुमन ला पाप ले सुध करे गे हवय अऊ तुमन ला धरमी ठहिराय गे हवय।

2 कुरिन्थुस 5:17 यदि कोनो मनखे मसीह म हवय, त ओह एक नवां सिरिस्टी ए। पुराना बात खतम हो गीस, अऊ जम्मो बात ह नवां हो गे हवय। 5:18 ये जम्मो ह परमेसर के दुवारा होईस, जऊन ह मसीह के जरिये अपन संग हमर मेल-मिलाप करिस अऊ हमन ला मेल-मिलाप के सेवा दीस। 5:19 एकर मतलब ए कि परमेसर ह मसीह के जरिये अपन संग संसार के जम्मो मनखेमन के मेल-मिलाप करिस अऊ ओह मनखेमन ऊपर ओमन के पाप के दोस नइं लगाईस। अऊ ओह मेल-मिलाप के संदेस के परचार के जिम्मेदारी हमन ला दीस। 5:20 एकरसेति, हमन मसीह के राजदूत अन, मानो परमेसर ह हमर जरिये तुमन ले बिनती करत हवय। मसीह कोति ले, हमन तुम्हर ले बिनती करथन कि परमेसर के संग मेल-मिलाप कर लेवव। 5:21 मसीह ह कोनो पाप नइं करे रिहिस, पर हमर हित म, परमेसर ह हमर पाप ला ओकर ऊपर डार दीस ताकि मसीह के जरिये परमेसर के धरमीपन ह हमन म आ जावय।

गलातिया 1:6 मोला अचरज होवत हवय कि जऊन ह तुमन ला मसीह के अनुग्रह के दुवारा बलाईस, ओला तुमन अतेक जल्दी छोंड़ देवत हव, अऊ आने किसम के सुघर संदेस कोति जावत हवव। 1:7 असल म, अऊ आने किसम के सुघर संदेस हवय ही नइं। पर कुछू मनखेमन तुम्हर बीच म गड़बड़ी करत हवंय अऊ ओमन तुमन ला मसीह के सुघर संदेस ले हटाय के कोसिस करत हवंय।

इफिसुस 2:1 पहिली तुमन अपन अपराध अऊ पाप के कारन मर गे रहेव। 2:2 ये अपराध अऊ पाप म रहत, तुमन ये संसार के रीति अऊ सैतान के पाछू चलत रहेव, जऊन ह अकास के सासन करइया ए अऊ येह ओ आतमा अय, जऊन ह अब ओमन म काम करथे, जऊन मन परमेसर के हुकूम नइं मानंय। (aiōn g165) 2:3 हमन जम्मो झन एक समय येमन के बीच, हमर देहें के लालसा म दिन बितावत रहेंन अऊ देहें अऊ मन के ईछा ला पूरा करत रहेंन, अऊ ये किसम ले बाकि मानव-जाति सहीं, सुभाव ले कोरोध के संतान रहेंन। 2:4 पर परमेसर जऊन ह कि दया के धनी अय, हमर बर अपन बड़े मया के कारन, 2:5 ओह हमन ला मसीह के संग जियाईस, जब हमन अपराध म मर गे रहेंन—अनुग्रह के दुवारा तुम्हर उद्धार होईस। 2:6 अऊ परमेसर ह हमन ला मसीह के संग जियाईस अऊ मसीह यीसू म स्वरगीय राज म हमन ला ओकर संग बईठाईस, 2:7 ताकि अवइया समय म, ओह अपन अनुग्रह के असीम धन ला देखावय, जऊन ला ओह अपन दया ले मसीह यीसू म हमर ऊपर परगट करिस। (aiōn g165) 2:8 काबरकि अनुग्रह ले, बिसवास के दुवारा, तुम्हर उद्धार होईस। अऊ येह तुम्हर अपन कोति ले नइं, फेर येह परमेसर के दान ए। 2:9 अऊ येह मनखे के करम करे के कारन नो हय, ताकि कोनो घमंड झन करंय। 2:10 काबरकि परमेसर ह हमन ला बनाईस अऊ मसीह यीसू म ओ बने करम करे बर गढ़िस, जऊन ला परमेसर ह पहिली ले हमर बर तियार करे हवय कि हमन ओ काममन ला करन।

फिलिप्पी 3:7 पर जऊन कुछू घलो मोर फायदा के रिहिस, मेंह अब ओला मसीह के हित म हानि समझथंव। 3:8 वास्तव म, मसीह यीसू, मोर परभू ला जाने के महानता के तुलना म, मेंह हर एक बात ला एक हानि समझथंव। मसीह यीसू, मोर परभू के हित म, मेंह जम्मो बात के हानि उठाय हवंव अऊ मेंह ओ बातमन ला कचरा समझथंव, ताकि मेंह मसीह ला पा जावंव, 3:9 अऊ ओकर संग एक हो जावंव अऊ येह मोर खुद के धरमीपन ले नइं, जऊन ह कि मूसा के कानून ला पालन करे ले आथे, पर येह मसीह म बिसवास के जरिये—ओ धरमीपन ले अय, जऊन ह परमेसर करा ले आथे अऊ येह बिसवास के दुवारा अय।

कुलुस्सी **1:15** मसीह ह अदृस्य परमेसर के सरूप अऊ जम्मो सिरिस्टी म पहिलांत अय। **1:16** काबरकि ओकरे दुवारा जम्मो चीज सिरजे गीस: ओ जम्मो चीज जऊन ह स्वरग अऊ धरती म हवय, देखे अऊ अनदेखे चीज; चाहे सिंघासन हो या राज; सासन करइया हो या अधिकारी; जम्मो चीज ह ओकरे दुवारा सिरजे गीस अऊ ओकरे बर सिरजे गीस। **1:17** ओह जम्मो चीज ला सिरजे के पहिली रिहिस अऊ ओमा जम्मो चीज एक संग टिके रहिथें। **1:18** अऊ ओह देहें याने कि कलीसिया के मुड अय। ओहींच ह सुरू ए अऊ मरे मनखे म ले पहिली जी उठइया घलो, ताकि हर एक बात म ओह मुखिया ठहिरय। **1:19** काबरकि परमेसर ला ये बात म खुसी होईस कि ओकर जम्मो सुभाव ओमा रहय, **1:20** अऊ कुरूस म बहे ओकर लहू के दुवारा सांति स्थापित करय अऊ ये किसम ले अपन संग ओ जम्मो चीजमन के मेल-मिलाप करय; चाहे ओ चीज धरती म के होवय या फेर स्वरग म के।

1 थिस्सलुनीके **4:1** आखिर म, हे भाईमन, जइसने तुमन हमर ले सीखे हवव कि परमेसर ला खुस करे बर कइसने जिनगी जीना चाही; वास्तव म, तुमन वइसने जिनगी जीयत हवव घलो। पर हमन परभू यीसू म तुमन ले बिनती करत अऊ समझावत हवन कि ओमा अऊ बढ़त जावव। **4:2** तुमन जानत हव कि परभू यीसू कोति ले हमन तुमन ला का हुकूम दे हवन। **4:3** येह परमेसर के ईछा ए कि तुमन पबितर बनव—तुमन बेभिचार ले दूर रहव; **4:4** तुमन ले हर एक मनखे सीखय कि अपन देहें ला कइसने बस म करके, ओला पबितर अऊ आदर के लईक रखे जावय। **4:5** ये काम मूरती-पूजा करइयामन सहीं काम-वासना ले नइं होवय, जऊन मन परमेसर ला नइं जानंय;

2 थिस्सलुनीके **3:6** हे भाईमन हो, हमन तुमन ला परभू यीसू मसीह के नांव म हुकूम देवत हन कि हर ओ भाई ले अलग रहव, जऊन ह आलसी ए अऊ ओ सिकछा के मुताबिक नइं चलय, जऊन ला तुमन हमर ले पाय हवव। **3:7** काबरकि तुमन खुदे जानत हव कि तुमन ला कइसने हमर चालचलन के नकल करना चाही। जब हमन तुम्हर संग रहेंन, त आलसी बनके नइं रहेंन, **3:8** अऊ बिगर दाम चुकाय मुफत म हमन काकरो इहां खाना नइं खायेंन। पर हमन लगन अऊ मेहनत ले रात अऊ दिन काम करेंन, ताकि तुमन के काकरो ऊपर हमन बोझा झन होवन। **3:9** ये बात नो हय कि हमन ला ये किसम के मदद पाय के हक नइं ए, पर हमन तुम्हर आघू म एक नमूना पेस करे बर वइसने करेंन कि तुमन ओकर नकल करव। **3:10** जब हमन तुम्हर संग रहेंन, त तुमन ला हुकूम देय रहेंन कि कहं कोनो मनखे काम नइं करय, त ओह खाय घलो झन पावय।

1 तीमुथियुस **2:1** एकरसेति, सबले पहिली ये अनुरोध करत हंव कि बिनती, पराथना, निबेदन अऊ धनबाद जम्मो मनखे बर करे जावय— **2:2** राजा अऊ जम्मो ऊंच पद के मनखे बर ये करे जावय, ताकि हमन सांत अऊ सुख के जिनगी भक्ति अऊ पबितरता के संग जीयन। **2:3** येह बने बात ए अऊ येह हमर उद्धार करइया परमेसर ला भाथे। **2:4** ओह चाहथे कि जम्मो मनखेमन के उद्धार होवय अऊ ओमन सत के गियान ला जानंय। **2:5** काबरकि सिरिप एके परमेसर हवय अऊ परमेसर अऊ मनखेमन के बीच म एकेच बिचवई हवय, याने ओ मनखे मसीह यीसू,

2 तीमुथियुस **2:8** यीसू मसीह ला सुरता कर, जऊन ह मरे म ले जी उठिस अऊ जऊन ह दाऊद राजा के बंस के रिहिस। येह मोर सुघर संदेस ए, जेकर परचार मेंह करत हंव, **2:9** अऊ एकरे कारन मेंह दुख उठावत हंव, इहां तक कि एक अपराधी के सहीं मेंह जेल म हवंव। पर परमेसर के बचन ह सुतंतर हवय। **2:10** एकरसेति, मेंह चुने मनखेमन खातिर हर चीज ला सहत हवंव कि ओमन घलो सदाकाल के महिमा के संग ओ उद्धार ला पावंय, जऊन ह मसीह यीसू के जरिये मिलथे। **(aiōnios g166)**

तीतुस **2:11** काबरकि परमेसर के अनुग्रह जम्मो मनखेमन ऊपर परगट होईस कि ओमन के उद्धार होवय। **2:12** अब येह हमन ला सिखोथे कि हमन अभक्ति अऊ संसारिक लालसा ला छोंड़के, ये संसार म संयम अऊ ईमानदारी अऊ भक्ति म जिनगी बितावन, **(aiōn g165)** **2:13** अऊ हमन धइन आसा के याने हमर महान परमेसर अऊ उद्धार करइया यीसू मसीह के महिमा के परगट होय के बाट जोहत रहन। **2:14** यीसू ह अपन परान ला हमर खातिर दे दीस कि हमन ला जम्मो किसम के अधरम ले छुड़ा लेवय अऊ अपन बर अइसने सुध मनखे बनावय, जऊन मन भलई के काम करे बर उत्सुक रहंय।

फिलेमोन **1:3** हमर ददा परमेसर अऊ परभू यीसू मसीह कोति ले तुमन ला अनुग्रह अऊ सांति मिलत रहय। **1:4** भाई फिलेमोन, जब मेंह अपन पराथना म तोला सुरता करथंव, त अपन परमेसर ला हमेसा धनबाद देथंव, **1:5** काबरकि मेंह परभू यीसू ऊपर तोर बिसवास अऊ परमेसर के जम्मो पबितर मनखेमन बर तोर मया के बारे म सुनत रहिथंव। **1:6** मेंह पराथना करत हंव कि परभू यीसू ऊपर बिसवास म हमर संग तोर सहभागी होवई ह परभावसाली होवय ताकि मसीह खातिर जऊन भलई के काम हमन करथन, ओकर तोला पूरा समझ होवय। **1:7** हे मोर भाई, तोर मया ह मोला अब्बड़ आनंद अऊ उत्साह दे हवय, काबरकि तेंह परमेसर के मनखेमन के हिरदय ला ताजा कर दे हवस।

इबरीमन 1:1 पहिली जमाना म, परमेसर ह हमर पुरखामन ले, कतको बार अऊ कतको किसम ले अगमजानीमन के दुवारा गोठियाईस, 1:2 पर ये आखिरी दिन म, ओह हमर ले अपन बेटा के दुवारा गोठियाईस, जऊन ला ओह जम्मो चीज के ऊपर वारिस ठहिराईस अऊ ओकरे दुवारा, ओह संसार ला बनाईस। (aiōn g165) 1:3 बेटा ही परमेसर के महिमा के अंजोर ए अऊ ओह परमेसर के रूप के एकदम सही परतिनिधि ए अऊ ओह अपन सामर्थी बचन के दुवारा जम्मो चीजमन ला संभालके रखथे। ओह मनखेमन के पाप ला सुध करे के बाद, स्वरग म महामहिम परमेसर के जेवनी हांथ कोति जा बईठिस।

याकूब 1:16 हे मोर मयारू भाईमन, भोरहा म झन रहव। 1:17 काबरकि हर एक बने अऊ उत्तम बरदान स्वरग ले आथे अऊ परमेसर ददा, जऊन ह अंजोर ला बनाईस, ओकर कोति ले, ये बरदान ह मिलथे, अऊ ओह बदलत छइहां सही नइं बदलय। 1:18 ओह अपन ईछा ले हमन ला सुघर संदेस के दुवारा नवां जिनगी दीस, ताकि हमन परमेसर बर ओकर बनाय जम्मो चीजमन ले पहिली फर हो जावन।

1 पतरस 3:18 काबरकि मसीह ह याने धरमी ह अधरमीमन खातिर या तुम्हर पाप खातिर जम्मो के सेति एकेच बार मरिस कि ओह तुमन ला परमेसर करा लानय। ओह देहें म मारे गीस, पर आतमा के दुवारा जियाय गीस,

2 पतरस 1:3 परमेसर के ईस्वरीय सामर्थ ह हमन ला ओ जम्मो चीज दे हवय, जेकर जरूरत हमन ला जिनगी अऊ भक्ति खातिर होथे अऊ येह हमन ला ओकर बारे म हमर गियान के जरिये मिले हवय, जऊन ह हमन ला अपन खुद के महिमा अऊ भलई के दुवारा बलाय हवय। 1:4 येमन के जरिये, ओह हमन ला अपन बहुंत महान अऊ कीमती परतिगियां दे हवय, ताकि ओमन के जरिये, तुमन ईस्वरीय सुभाव म सहभागी होवव, अऊ ओ बुरई के काम ले बच जावव, जऊन ह संसार म हवय अऊ खराप लालसा ले आथे।

1 यूहन्ना 2:1 हे मोर मयारू लइकामन हो, मेंह ये बात तुमन ला एकरसेति लिखत हंव, ताकि तुमन पाप झन करव। पर कहं कोनो पाप करथे, त हमर करा एक मददगार हवय, जऊन ह हमर बचाव म परमेसर ददा ले गोठियाथे, अऊ ओ धरमी जन ह यीसू मसीह अय। 2:2 अऊ ओहीच ह हमर पाप खातिर पछतावा के बलिदान ए, अऊ सिरिप हमर पाप ही नइं, पर जम्मो संसार के पाप बर घलो।

2 यूहन्ना 1:7 कतको धोखा देवइयामन ये संसार म आ गे हवंय, जऊन मन ये नइं मानंय कि यीसू मसीह ह मनखे के देहें धरके आईस। ये किसम के मनखेमन आने मन ला धोखा देथें अऊ मसीह के बिरोधी अंय।

3 यूहन्ना 1:4 एकर ले बडके मोर करा अऊ कोनो आनंद के बात नइं हो सकय कि मेंह ये सुनंव कि मोर लइकामन परमेसर के सत बचन के मुताबिक चलत हवंय।

यहूदा 1:3 हे मयारू संगीमन हो, हालाकि मेंह तुमन ला उद्धार के बारे म लिखे बर बहुंत उत्सुक रहेंव, जऊन म हमन सहभागी हवन, पर मेंह ये जरूरी समझेंव कि तुमन ला लिखंव अऊ बिनती करंव कि तुमन ओ बिसवास खातिर पूरा मेहनत करव, जऊन ला परमेसर ह अपन पबितर मनखेमन ला जम्मो के सेति एकेच बार म दे हवय। 1:4 काबरकि कुछू मनखेमन गुपत रूप ले तुमन म आके मिल गे हवंय, जऊन मन के दंड के हुकूम बहुंत पहिली ले लिखे गे हवय। ओमन अधरमी मनखे अंय। ओमन हमर परमेसर के अनुग्रह ला दुराचार म बदल देथें अऊ हमर एकेच परमपरधान परभू यीसू मसीह के इनकार करथें।

दरसन 3:19 जऊन मन ला मेंह मया करथंव, ओमन ला मेंह दबकारथंव अऊ दंड देथंव। एकरसेति ईमानदार बनव अऊ अपन पाप ले पछताप करव। 3:20 देखव! मेंह कपाट के आघू म ठाढ होके खटखटावत हंव। कहं कोनो मोर अवाज ला सुनके कपाट ला खोलही, त मेंह ओकर करा भीतर आके ओकर संग खाना खाहं अऊ ओह मोर संग खाही। 3:21 जऊन ह बिजयी होही, ओला मेंह मोर संग सिंघासन म बईठे के अधिकार दूहं, जइसने कि मेंह जय पाके अपन ददा के संग ओकर सिंघासन म बईठे हवंव। 3:22 जेकर कान हवय, ओह सुन ले कि पबितर आतमा ह कलीसियामन ला का कहिथे।"

Reader's Guide

छत्तीसगढ़ी at AionianBible.org/Readers-Guide

The Aionian Bible republishes public domain and Creative Common Bible texts that are 100% free to copy and print. The original translation is unaltered and notes are added to help your study. The notes show the location of eleven special Greek and Hebrew Aionian Glossary words to help us better understand God's love for individuals and for all mankind, and the nature of afterlife destinies.

Who has the authority to interpret the Bible and examine the underlying Hebrew and Greek words? That is a good question! We read in 1 John 2:27, *"As for you, the anointing which you received from him remains in you, and you do not need for anyone to teach you. But as his anointing teaches you concerning all things, and is true, and is no lie, and even as it taught you, you remain in him."* Every Christian is qualified to interpret the Bible! Now that does not mean we will all agree. Each of us is still growing in our understanding of the truth. However, it does mean that there is no infallible human or tradition to answer all our questions. Instead the Holy Spirit helps each of us to know the truth and grow closer to God and each other.

The Bible is a library with 66 books in the Protestant Canon. The best way to learn God's word is to read entire books. Read the book of Genesis. Read the book of John. Read the entire Bible library. Topical studies and cross-referencing can be good. However, the safest way to understand context and meaning is to read whole Bible books. Chapter and verse numbers were added for convenience in the 16th century, but unfortunately they can cause the Bible to seem like an encyclopedia. The Aionian Bible is formatted with simple verse numbering, minimal notes, and no cross-referencing in order to encourage the reading of Bible books.

Bible reading must also begin with prayer. Any Christian is qualified to interpret the Bible with God's help. However, this freedom is also a responsibility because without the Holy Spirit we cannot interpret accurately. We read in 1 Corinthians 2:13-14, *"And we speak of these things, not with words taught by human wisdom, but with those taught by the Spirit, comparing spiritual things with spiritual things. Now the natural person does not receive the things of the Spirit of God, for they are foolishness to him, and he cannot understand them, because they are spiritually discerned."* So we cannot understand in our natural self, but we can with God's help through prayer.

The Holy Spirit is the best writer and he uses literary devices such as introductions, conclusions, paragraphs, and metaphors. He also writes various genres including historical narrative, prose, and poetry. So Bible study must spiritually discern and understand literature. Pray, read, observe, interpret, and apply. Finally, *"Do your best to present yourself approved by God, a worker who does not need to be ashamed, properly handling the word of truth."* 2 Timothy 2:15. *"God has granted to us his precious and exceedingly great promises; that through these you may become partakers of the divine nature, having escaped from the corruption that is in the world by lust. Yes, and for this very cause adding on your part all diligence, in your faith supply moral excellence; and in moral excellence, knowledge; and in knowledge, self-control; and in self-control patience; and in patience godliness; and in godliness brotherly affection; and in brotherly affection, love. For if these things are yours and abound, they make you to be not idle nor unfruitful to the knowledge of our Lord Jesus Christ,"* 2 Peter 1:4-8.

Glossary

छत्तीसगढ़ी at AionianBible.org/Glossary

The Aionian Bible un-translates and instead transliterates eleven special words to help us better understand the extent of God's love for individuals and all mankind, and the nature of afterlife destinies. The original translation is unaltered and a note is added to 64 Old Testament and 200 New Testament verses. Compare the meanings below to the Strong's Concordance and Glossary definitions.

Abyssos g12
Greek: proper noun, place
Usage: 9 times in 3 books, 6 chapters, and 9 verses
Meaning:
Temporary prison for special fallen angels such as Apollyon, the Beast, and Satan.

aïdios g126
Greek: adjective
Usage: 2 times in Romans 1:20 and Jude 6
Meaning:
Lasting, enduring forever, eternal.

aiōn g165
Greek: noun
Usage: 127 times in 22 books, 75 chapters, and 102 verses
Meaning:
A lifetime or time period with a beginning and end, an era, an age, the completion of which is beyond human perception, but known only to God the creator of the aiōns, Hebrews 1:2. Never meaning simple endless or infinite chronological time in Greek usage. Read Dr. Heleen Keizer and Ramelli and Konstan for proofs.

aiōnios g166
Greek: adjective
Usage: 71 times in 19 books, 44 chapters, and 69 verses
Meaning:
From start to finish, pertaining to the age, lifetime, entirety, complete, or even consummate. Never meaning simple endless or infinite chronological time in Koine Greek usage. Read Dr. Heleen Keizer and Ramelli and Konstan for proofs.

eleēsē g1653
Greek: verb, aorist tense, active voice, subjunctive mood, 3rd person singular
Usage: 1 time in this conjugation, Romans 11:32
Meaning:
To have pity on, to show mercy. Typically, the subjunctive mood indicates possiblity, not certainty. However, a subjunctive in a purpose clause is a resulting action as certain as the causal action. The subjunctive in a purpose clause functions as an indicative, not an optative. Thus, the grand conclusion of grace theology in Romans 11:32 must be clarified. God's mercy on all is not a possibility, but a certainty. See ntgreek.org.

Geenna g1067
Greek: proper noun, place
Usage: 12 times in 4 books, 7 chapters, and 12 verses
Meaning:
Valley of Hinnom, Jerusalem's trash dump, a place of ruin, destruction, and judgment in this life, or the next, though not eternal to Jesus' audience.

Hadēs g86
Greek: proper noun, place
Usage: 11 times in 5 books, 9 chapters, and 11 verses
Meaning:
Synonomous with Sheol, though in New Testament usage Hades is the temporal place of punishment for deceased unbelieving mankind, distinct from Paradise for deceased believers.

Limnē Pyr g3041 g4442
Greek: proper noun, place
Usage: Phrase 5 times in the New Testament
Meaning:
Lake of Fire, final punishment for those not named in the Book of Life, prepared for the Devil and his angels, Matthew 25:41.

Sheol h7585
Hebrew: proper noun, place
Usage: 66 times in 17 books, 50 chapters, and 64 verses
Meaning:
The grave or temporal afterlife world of both the righteous and unrighteous, believing and unbelieving, until the general resurrection.

Tartaroō g5020
Greek: proper noun, place
Usage: 1 time in 2 Peter 2:4
Meaning:
Temporary prison for particular fallen angels awaiting final judgment.

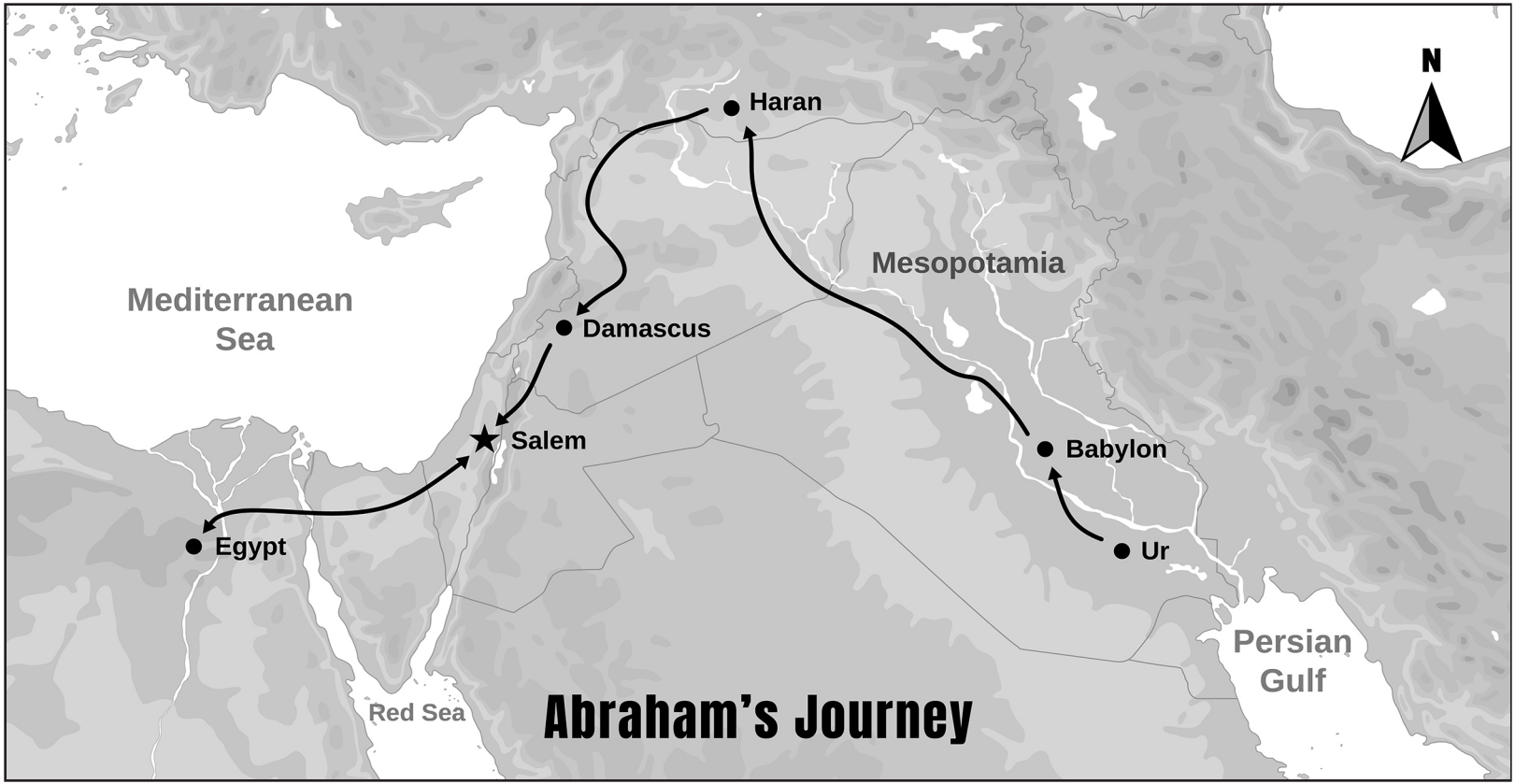

जब परमेसर ह अब्राहम ला एक ठन जगह ला जाय बर कहिस, जऊन ला ओह बाद म वारिस के रूप म पवइया रिहिस, त बिसवास के दुवारा, अब्राहम ह परमेसर के बात ला मानिस अऊ चल दीस, हालाकि ओला ये बात मालूम नइं रिहिस कि ओह कहां जावत रिहिस। - इबरीमन 11:8

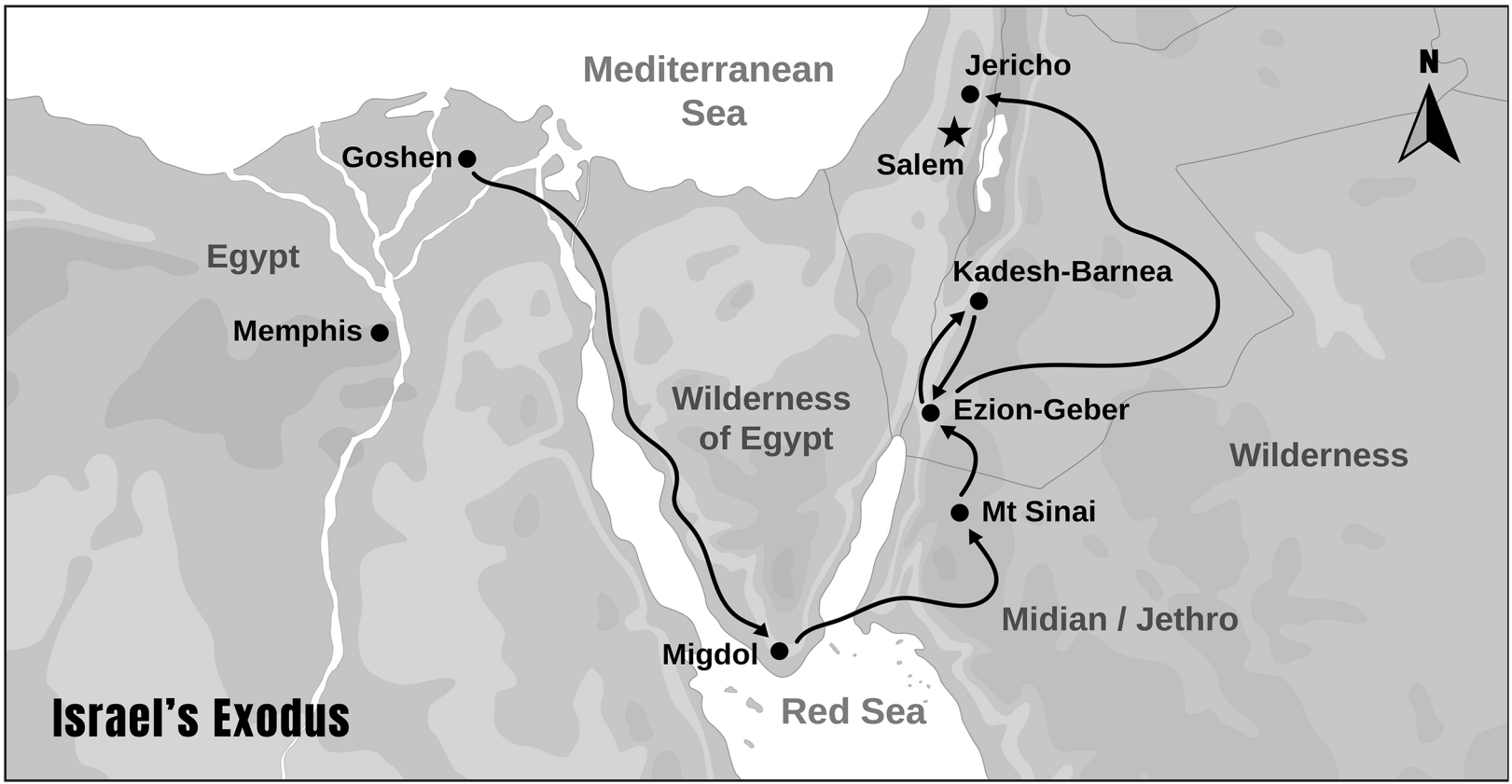

जब फिरौन ह मनखेमन ला जावन दीस, त परमेसर ह ओमन ला पलिस्तीमन के देस के डहार म ले नइं ले गीस, हालाकि ओ डहार ह छोटे रिहिस। पर परमेसर ह अपन मन म कहिस,
"अइसन झन होवय कि ओमन लड़ई होवत देखंय अऊ अपन मन ला बदलके मिसर देस लहुंट जावंय।" - निरगमन 13:17

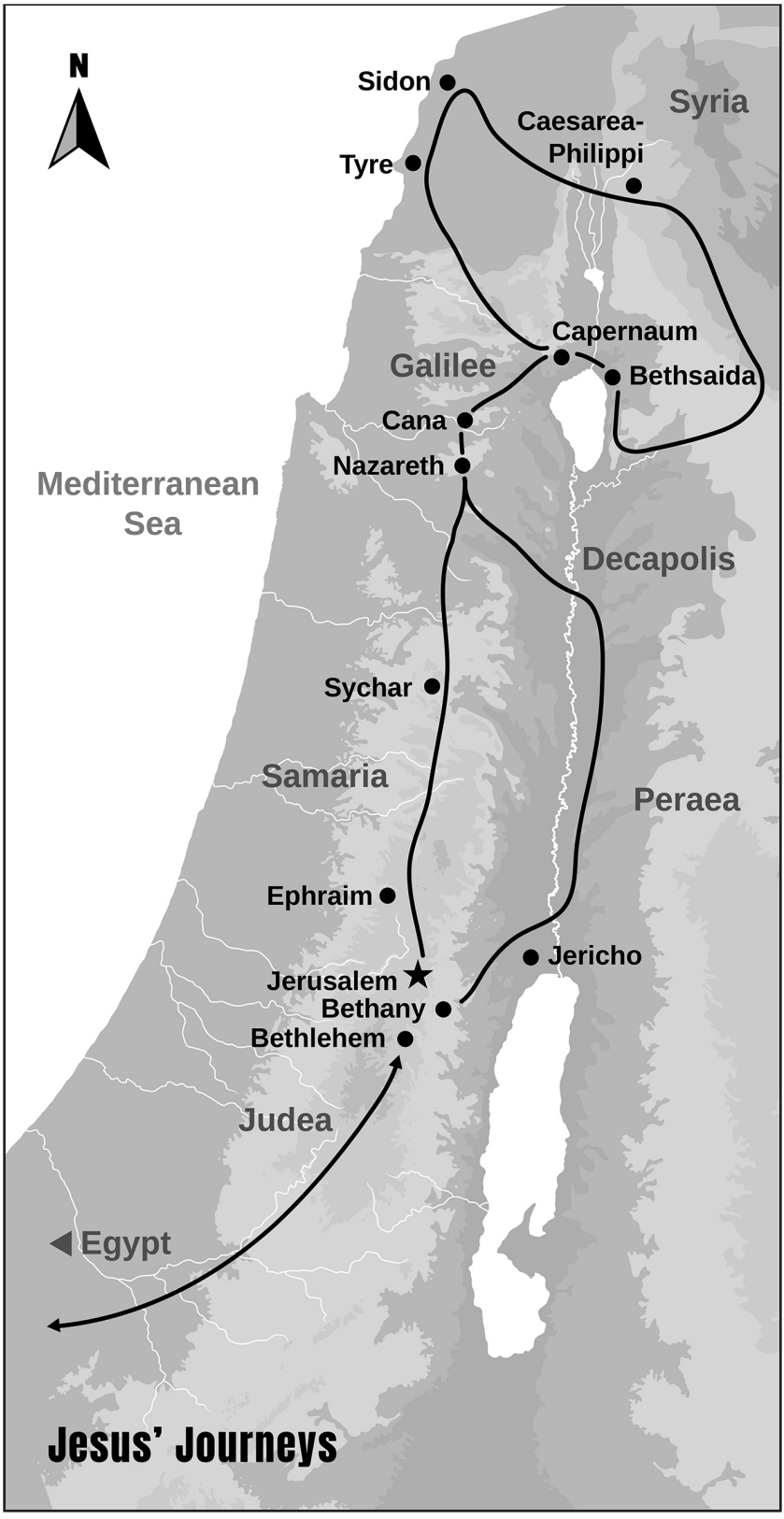

कबरकि मनखे के बेटा ह अपन सेवा करवाय बर नइं आईस, पर एकर खातिर आईस कि ओहा आने मन के सेवा करय अऊ बहुत झन के छुड़ौती बर अपन परान ला देवय। - मरकुस 10:45

ये चिट्ठी ह मसीह यीसू के सेवक पौलुस के तरफ ले अय, जऊन ह प्रेरित होय बर बलाय गीस, अऊ परमेसर के सुघर संदेस के परचार करे बर अलग करे गे हवय। - रोमीमन 1:1

Creation 4004 B.C.

Adam and Eve created	4004
Tubal-cain forges metal	3300
Enoch walks with God	3017
Methuselah dies at age 969	2349
God floods the Earth	2349
Tower of Babel thwarted	2247
Abraham sojourns to Canaan	1922
Jacob moves to Egypt	1706
Moses leads Exodus from Egypt	1491
Gideon judges Israel	1245
Ruth embraces the God of Israel	1168
David installed as King	1055
King Solomon builds the Temple	1018
Elijah defeats Baal's prophets	896
Jonah preaches to Nineveh	800
Assyrians conquer Israelites	721
King Josiah reforms Judah	630
Babylonians capture Judah	605
Persians conquer Babylonians	539
Cyrus frees Jews, rebuilds Temple	537
Nehemiah rebuilds the wall	454
Malachi prophecies the Messiah	416
Greeks conquer Persians	331
Seleucids conquer Greeks	312
Hebrew Bible translated to Greek	250
Maccabees defeat Seleucids	165
Romans subject Judea	63
Herod the Great rules Judea	37

(The Annals of the World, James Uusher)

Jesus Christ born 4 B.C.

New Heavens and Earth

	Christ returns for his people
1956	Jim Elliot martyrd in Ecuador
1830	John Williams reaches Polynesia
1731	Zinzendorf leads Moravian mission
1614	Japanese kill 40,000 Christians
1572	Jesuits reach Mexico
1517	Martin Luther leads Reformation
1455	Gutenberg prints first Bible
1323	Franciscans reach Sumatra
1276	Ramon Llull trains missionaries
1100	Crusades tarnish the church
1054	The Great Schism
997	Adalbert marytyrd in Prussia
864	Bulgarian Prince Boris converts
716	Boniface reaches Germany
635	Alopen reaches China
569	Longinus reaches Alodia / Sudan
432	Saint Patrick reaches Ireland
397	Carthage ratifies Bible Canon
341	Ulfilas reaches Goth / Romania
325	Niceae proclaims God is Trinity
250	Denis reaches Paris, France
197	Tertullian writes Christian literature
70	Titus destroys the Jewish Temple
61	Paul imprisoned in Rome, Italy
52	Thomas reaches Malabar, India
39	Peter reaches Gentile Cornelius
33	Holy Spirit empowers the Church

(Wikipedia, Timeline of Christian missions)

Resurrected 33 A.D.

What are we? ▶			Genesis 1:26 - 2:3	
How are we sinful? ▶			Romans 5:12-19	
Where are we? ◀			Innocence	
			Eternity Past	Creation 4004 B.C.
Who are we? ▶	God	Father	John 10:30 God's perfect fellowship	Genesis 1:31 God's perfect fellowship with Adam in The Garden of Eden
		Son		
		Holy Spirit		
	Mankind	Living	Genesis 1:1 No Creation No people	
		Deceased believing		
		Deceased unbelieving		
	Angels	Holy		Genesis 1:31 No Fall No unholy Angels
		Imprisoned		
		Fugitive		
		First Beast		
		False Prophet		
		Satan		
Why are we? ▶			Romans 11:25-36, Ephesian 2:7	

Mankind is created in God's image, male and female He created us

Sin entered the world through Adam and then death through sin

When are we?

<table>
<tr><td colspan="4">Fallen</td><td>Glory</td></tr>
<tr><td>Fall to sin
No Law</td><td>Moses' Law
1500 B.C.</td><td>Christ
33 A.D.</td><td>Church Age
Kingdom Age</td><td>New Heavens
and Earth</td></tr>
<tr><td colspan="4">1 Timothy 6:16
Living in unapproachable light</td><td rowspan="7">Acts 3:21
Philippians 2:11
Revelation 20:3

God's perfectly restored fellowship with all Mankind praising Christ as Lord in the Holy City</td></tr>
<tr><td colspan="2">John 8:58
Pre-incarnate</td><td>John 1:14
Incarnate</td><td>Luke 23:43
Paradise</td></tr>
<tr><td colspan="2">Psalm 139:7
Everywhere</td><td colspan="2">John 14:17
Living in believers</td></tr>
<tr><td colspan="4">Ephesians 2:1-5
Serving the Savior or Satan on Earth</td></tr>
<tr><td colspan="4">Luke 16:22
Blessed in Paradise</td></tr>
<tr><td colspan="4">Luke 16:23, Revelation 20:5,13
Punished in Hades until the final judgment</td></tr>
<tr><td colspan="4">Hebrews 1:14
Serving mankind at God's command</td></tr>
<tr><td colspan="4">2 Peter 2:4, Jude 6
Imprisoned in Tartarus</td><td rowspan="4">Matthew 25:41
Revelation 20:10

Lake of Fire prepared for the Devil and his Angels</td></tr>
<tr><td colspan="3" rowspan="3">1 Peter 5:8, Revelation 12:10

Rebelling against Christ
Accusing mankind</td><td>Revelation 20:13
Thalaasa</td></tr>
<tr><td>Revelation 19:20
Lake of Fire</td></tr>
<tr><td>Revelation 20:2
Abyss</td></tr>
</table>

For God has bound all over to disobedience in order to show mercy to all

Destiny

छत्तीसगढ़ी at AionianBible.org/Destiny

The Aionian Bible shows the location of eleven special Greek and Hebrew Aionian Glossary words to help us better understand God's love for individuals and for all mankind, and the nature of after-life destinies. The underlying Hebrew and Greek words typically translated as *Hell* show us that there are not just two after-life destinies, Heaven or Hell. Instead, there are a number of different locations, each with different purposes, different durations, and different inhabitants. Locations include 1) Old Testament *Sheol* and New Testament *Hadēs*, 2) *Geenna*, 3) *Tartaroō*, 4) *Abyssos*, 5) *Limnē Pyr*, 6) *Paradise*, 7) *The New Heaven*, and 8) *The New Earth*. So there is reason to review our conclusions about the destinies of redeemed mankind and fallen angels.

The key observation is that fallen angels will be present at the final judgment, 2 Peter 2:4 and Jude 6. Traditionally, we understand the separation of the Sheep and the Goats at the final judgment to divide believing from unbelieving mankind, Matthew 25:31-46 and Revelation 20:11-15. However, the presence of fallen angels alternatively suggests that Jesus is separating redeemed mankind from the fallen angels. We do know that Jesus is the helper of mankind and not the helper of the Devil, Hebrews 2. We also know that Jesus has atoned for the sins of all mankind, both believer and unbeliever alike, 1 John 2:1-2. Deceased believers are rewarded in Paradise, Luke 23:43, while unbelievers are punished in Hades as the story of Lazarus makes plain, Luke 16:19-31. Yet less commonly known, the punishment of this selfish man and all unbelievers is before the final judgment, is temporal, and is punctuated when Hades is evacuated, Revelation 20:13. So is there hope beyond Hades for unbelieving mankind? Jesus promised, *"the gates of Hades will not prevail,"* Matthew 16:18. Paul asks, *"Hades where is your victory?"* 1 Corinthians 15:55. John wrote, *"Hades gives up,"* Revelation 20:13.

Jesus comforts us saying, *"Do not be afraid,"* because he holds the keys to *unlock* death and Hades, Revelation 1:18. Yet too often our *Good News* sounds like a warning to *"be afraid"* because Jesus holds the keys to *lock* Hades! Wow, we have it backwards! Hades will be evacuated! And to guarrantee hope, once emptied, Hades is thrown into the Lake of Fire, never needed again, Revelation 20:14.

Finally, we read that anyone whose name is not written in the Book of Life is thrown into the Lake of Fire, the second death, with no exit ever mentioned or promised, Revelation 21:1-8. So are those evacuated from Hades then, *"out of the frying pan, into the fire?"* Certainly, the Lake of Fire is the destiny of the Goats. But, do not be afraid. Instead, read the Bible's explicit mention of the purpose of the Lake of Fire and the identity of the Goats, *"Then he will say also to those on the left hand, 'Depart from me, you cursed, into the consummate fire which is prepared for... the devil and his angels,'"* Matthew 25:41. Bad news for the Devil. Good news for all mankind!

Faith is not a pen to write your own name in the Book of Life. Instead, faith is the glasses to see that the love of Christ for all mankind has already written our names in Heaven. *"If the first fruit is holy, so is the lump,"* Romans 11:16. Though unbelievers will suffer regrettable punishment in Hades, redeemed mankind will never enter the Lake of Fire, prepared for the devil and his angels. And as God promised, all mankind will worship Christ together forever, Philippians 2:9-11.

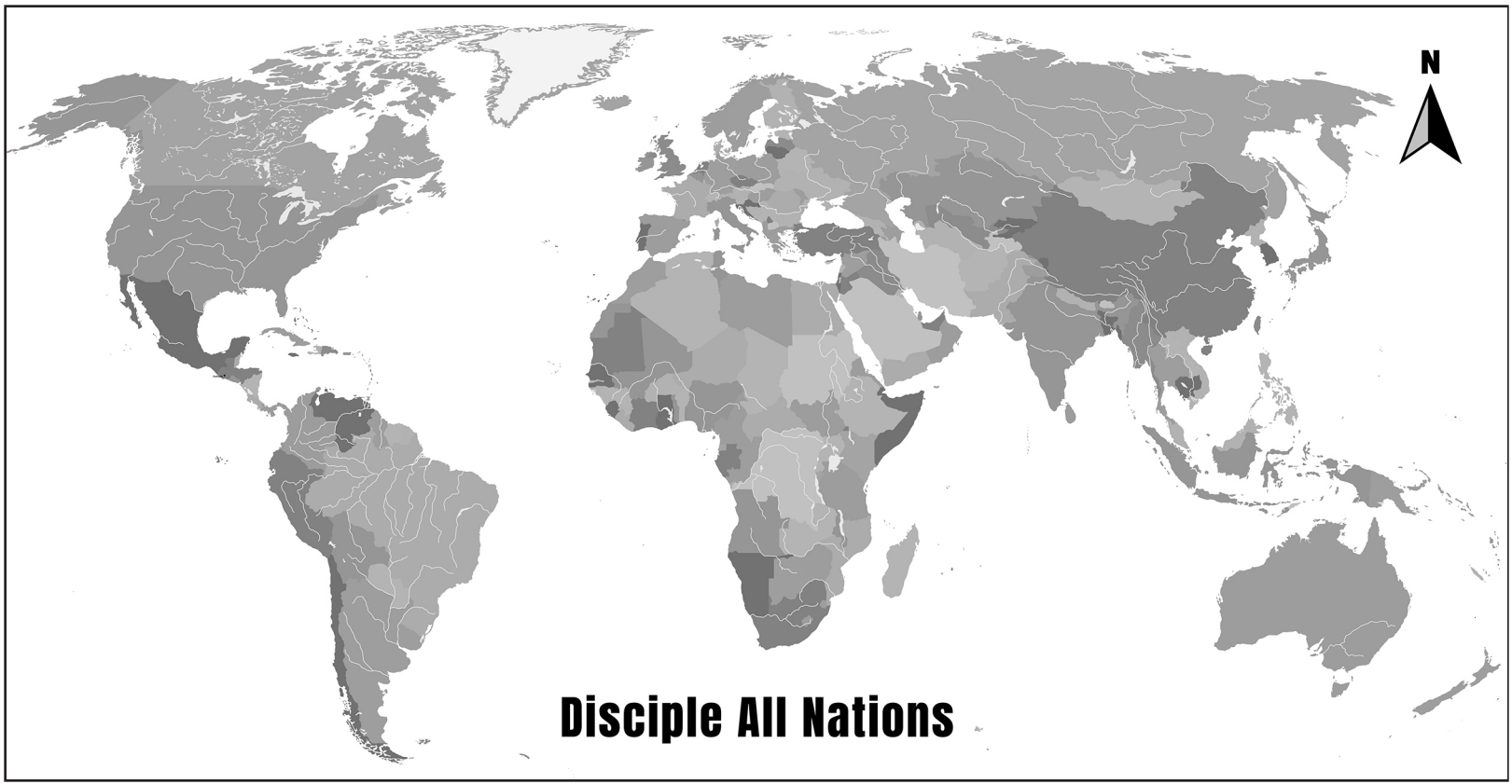

एकरसेति जावव अऊ जम्मो जाति के मनखेमन ला मोर चेला बनावव अऊ ओमन ला ददा, बेटा अऊ पबितर आतमा के नांव म बतिसमा देवव, - मत्ती 28:19